CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Rajguru Math, Srivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

10-1

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# ंकृति सुधा

## कृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मण का परिचय एवं विस्तार

स्वामी विमलानन्द सरस्वती

प्रकाशक
दुल्लह राय शर्मा मानव उत्थान समिति
शेरपुर गाजीपुर, उ०प्र०

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरु वशिष्ठ जी

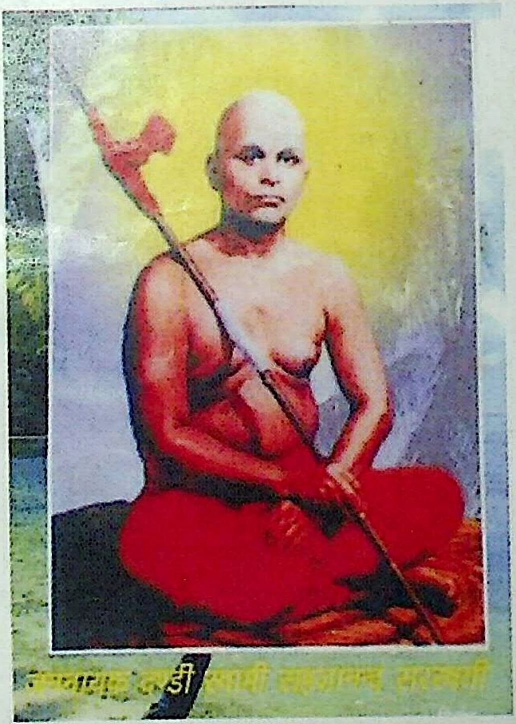

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# सांकृति-सुधा

सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मण
का
परिचय एवं विस्तार

"माध्यम"
चन्द्रबली मिश्र सांकृत्यायन (एम० ए०)
शेरपुर कलाँ, गाजीपुर, उ० प्र०

प्रकाशक
दुल्लह राय शर्मा मानव उत्थान समिति
शेरपुर, गाजीपुर, उ० प्र०

मुद्रक
भाषा भारती प्रेस
एस 2/402-5, सिकरौल, वाराणसी

न्यौछावर - 51.00 रुपये

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

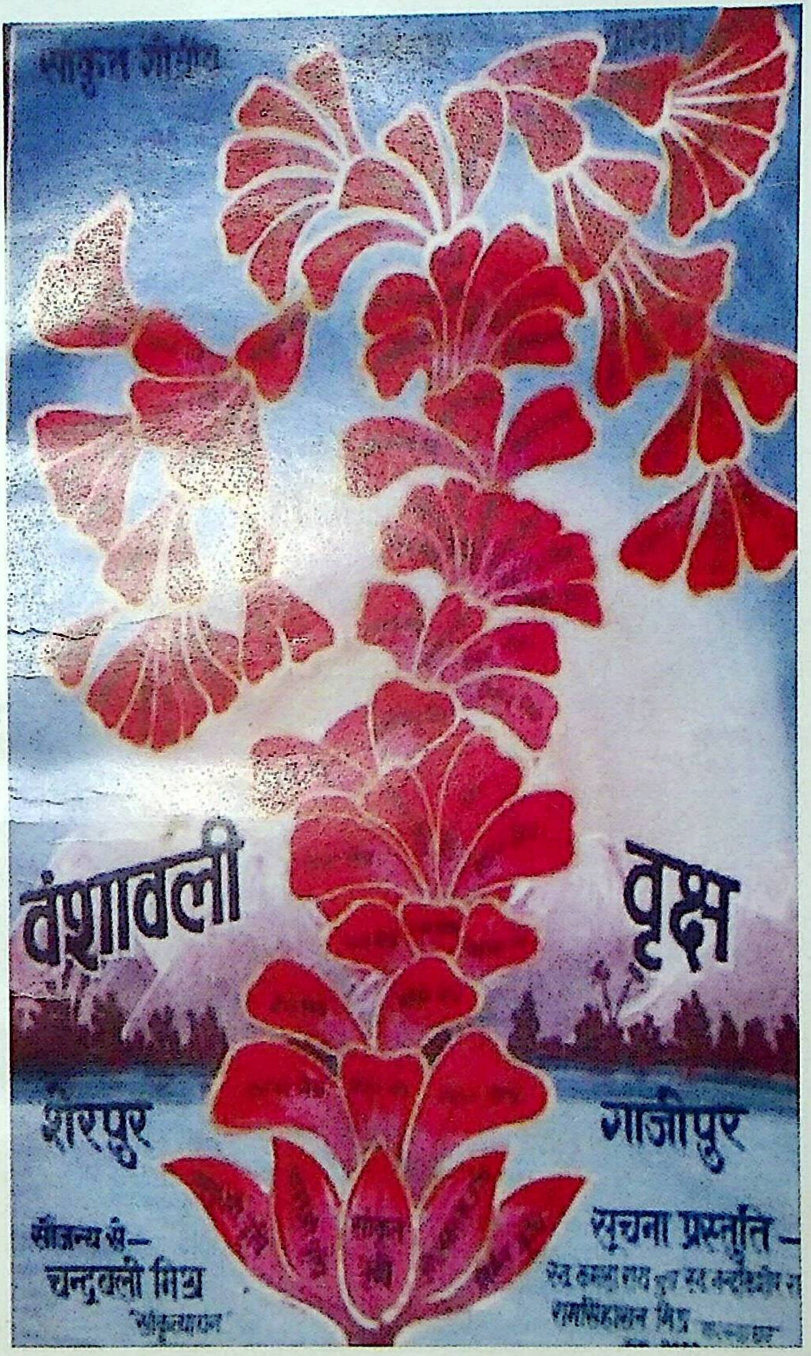


RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

## समर्पण

प्रणति पूर्वक महान कर्मयोगी एवं दूरदर्शी पं0 दुल्लह राय शर्मा शेरपुर के जनक को सादर समर्पित

**"हम हैं उनके कुल सेवक"**

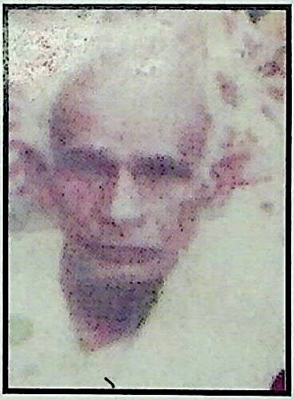

## प्रति-समर्पण

पं0 दुल्लह राय शर्मा की वंशावली के सुत्रधार स्व0 कमला राय पुत्र स्व0 नन्दकिशोर राय, हिरसिंह राय पट्टी, रुद्रसिंह राय घराने की यादगार को चिरस्थायी करने के लिये सादर समर्पित।

— चन्द्रबली मिश्रा (सांकृत्यायन)

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# विषय-सूची


| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1. | प्राक्कथन एवं आभारोक्ति | 1 |
| 2. | भूमिहार ब्राह्मण का परिचय (हम कौन हैं क्या हैं?) | 5 |
| 3. | सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मणों के सम्बन्ध में फैलायी गयी भ्रान्तियों का निवारण | 7 |
| 4. | गोत्र प्रवर | 13 |
| 5. | ब्राह्मण धर्म एवं ब्राह्मण कर्म | 15 |
| 6. | ब्राह्मण के भेद | 17 |
| 7. | कान्यकुब्ज ब्राह्मण | 18 |
| 8. | वेद के पाँच आदर्श | 19 |
| 9. | साधारण होम विधि | 19 |
| 10. | गायत्री मंत्र | 21 |
| 11. | मानसिक पूजा विधि | 21 |
| 12. | सांकृत गोत्रज भूमिहार वंश विस्तार | 23 |
| 13. | पं0 दुल्लह राय शर्मा के वंशजों की प्राचीन तथा अर्वाचीन अवस्थाओं का वर्णन | 27 |
| 14. | शेरपुर के जनक पं0 दुल्लह राय शर्मा की वंशावली | |
| | (क) प्रथम भाग– हिरसिंह राय पट्टी का कुर्सीनामा इनके 5 पुत्रों तारापति राय, सुलतान राय, जगनारायन राय, सूद्रहि रायव कल्ली राय का कुर्सीनामा | 37 |
| | (ख) द्वितीय भाग– परसुराम राय पट्टी का कुर्सीनामा | 63 |
| | (ग) तृतीय भाग– मानसिंह राय पट्टी का कुर्सीनामा गोविन्द राय– दरवर राय, धीर राय, बुनियाद राय व दुखहरन राय (जेठराधर), हुकुम राय, विहार राय व | 79 |




RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ सं |
|---|---|---|
| | दिलराम राय,. लहुराधर | |
| | (घ) पनपार राय का कुर्सीनामा– | 9 |
| | पहले पुत्र– मुरलीधर राय के 4 पुत्रों जगरदेव राय, नन्दलाल राय, लक्ष्मण राय व निहाला राय का कुर्सीनामा | |
| | 1. जगरदेव राय का कुर्सीनामा | |
| | 2. नन्दलाल राय का कुर्सीनामा | |
| | 3. लक्ष्मण राय का कुर्सीनामा | |
| | 4. निहाला राय का कुर्सीनामा | |
| 15. | उपसंहार– | 127 |
| 16. | पं0 दुल्लह राय शर्मा का अपने वंशजों के लिये "ज्ञानामृत" | 130 |
| 17. | शेरपुर के जनक पं0 दुल्लह राय शर्मा कुल के महापुरुषों का विवरण जिन्होंने अपने व्यक्तित्व तथा कृतित्व से शेरपुर गाँव को गौर्वान्वित किया है | 131 |
| | **कुलश्रेष्ठ की उपाधि से विभूषित** | 13 |
| | (अ) मानसिंह राय, हिरसिंह राय तथा पौत्र परसुराम राय | |
| | (ब) सन् 1942 में मातृभूमि की बलिवेदी पर अपने यौवनमय जीवन को समर्पित करने वाले अष्टशहीद तथा कतिपय अन्य पुरुषों को "विशिष्ट कुल भूषण" की उपाधि से विभूषित किया गया है। | |
| | (द) पं0 दुल्लह शर्मा के उन कुल सेवकों का विवरण जिनके आर्थिक सहयोग से इनकी प्रतिमा प्रत्यास्थित हुई है | |
| 18. | (अ) पं0 दुल्लह राय शर्मा मानव उत्थान समिति के सदस्यों की सूची | 13 |
| | (ब) सम्पादकीय मण्डल के सदस्यों का विवरण | 13 |
| | (स) कार्यकारिणी के सदस्यों का विवरण | 13 |
| 19. | लेखक द्वारा प्रस्तुत आत्मानुभूति | 140 |



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# प्राक्कथन एवं आभारोक्ति

प्रत्येक व्यक्ति को अपने अस्तिव को जानने की जिज्ञासा होती । हम कौन हैं? कहाँ से आये हैं? हमारा इतिहास क्या है? इस जिज्ञासा ो शान्त करने के लिए ही इतिहासकार ऐसी पुस्तक की रचना करते हैं जससे विभिन्न जाति, वर्ग एवं समुदायों के इतिहास की जानकारी होती । मनु के चार वर्णों ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शुद्र के विभिन्न उपवर्गों एवं ातियों के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। वर्तमान समय में वोट की जनीति के लिये सभी वर्ग के लोग जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ, ुर्मी, गौड़, राजभर, हरिजन, चौहान, प्रजापति, नाई आदि जातियों के ंगठन देश, प्रदेश, जिला तथा ग्राम स्तर तक बन रहे हैं। परन्तु पूर्वी त्तर प्रदेश और विहार में भूमिहार ब्राह्मण नामक खेतिहर जाति का कोई च्चा इतिहास न होने के कारण प्राचीन काल से ही इस जाति के सम्बन्ध अनेक प्रकार की भ्रांतियाँ विद्वेसवश फैलायी जा रही हैं। इस जाति के म्बन्ध में सर्वप्रथम स्वामी सहजानन्द सरस्वती ने सन् 1916 ई0 में भूमिहार ब्राह्मण परिचय" नामक पुस्तक का प्रकाशन कराया तथा भूमिहार ब्राह्मण" पत्रिका भी छपवाया। बाद में सन् 1925 ई0 में इस स्तक का नाम परिविर्तित करके "भूमिहार वंश–विस्तर" कर दिया गया।

यद्यपि इस जाति का अखिल भारती भूम्हिार ब्राह्मण महासभा ान 1882 ई0 में गठित हुई थी परन्तु एकाध अधिवेशन के पश्चात् मृत प्राय ो गई थी। सन् 1935 ई. के पश्चात् इस सभा का महत्व बढ़ा और जनपद ं इस सभा का संगठन बनने लगा। मैंने स्वामी जी की पढ़ा तो मेरे मन ं यह संकल्प जगा कि इसके आधार एक छोटी पुस्तक संकलित करके ूमिहार समाज में वितरित करूँ।

अभी मैं इस पुस्तक को तैयार कर ही रहा था तो इसी बीच में मारे पड़ोसी गहमर गाँव के क्षत्रियवंश के लोगों ने मनगढ़न्त, भ्रामक, सत्य तथा तथ्यहीन विवरण छापकर हमारे वंश को लांछित करने का यास किये। यह पुस्तक जब मैंने पढ़ा तो मेरी अन्तरआत्मा को बड़ा ठेस हुँचा। उसी समय मुझे तुलसी दास द्वारा रचित चौपाई याद आ गई–



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

यद्यपि जग दारुन दुःख नाना।

सबसे अधिक जाति अपमाना।।

मैंने बचपन में स्कूल में पढ़ते समय सन् 1947 के पूर्व यह याद किया था।

जिसको निज गौरव तथा निज जाति का अभिमान है वह नर नर पशु निरा है और मृतक समान है। इन सबसे मुझे सांकृतगोत्री भूमिहार ब्राह्मण के इतिहास के बारे में लिखने की उत्कृष्ट जिज्ञासा मन में उत्पन्न हुई। इसी इतिहास को लिखने के लिये साम्रगी ढूंढ रहा था। इसी सन्दर्भ में मुझे यह श्लोक पढ़ने को मिला–

अस्मिन परिवर्तिनि संसारे मृत को वा न जायते

संजातो येन जातेन, जाति वंश समुन्नतिम्।।

स्वामी सहजानन्द सरस्वती ने भी अपनी पुस्तक ब्रह्मर्षि वंश–विस्तार में विभिन्न गोत्रीय भूमिहार ब्राह्मणों के बारे में प्रकाश डाला है। उससे मुझे अपने गोत्र के सम्बन्ध में कुछ जानकारी मिली। इसके बाद जब मैं और प्रयास किया तो हमारे कुल के ही दण्डी स्वामी परमानन्द सरस्वती द्वारा लिखित लघु पुस्तक "सांकृत गोत्रावली देखने को मिली। इस पुस्तक को पढ़ने के पश्चात् सांकृत गोत्र के बारे में पूरी जानकारी मिली। अब भी इस गोत्र के प्रवर ऋषि सांकृति से इस वंश के विस्तार के सम्बन्ध जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर रहा था। इस सम्बन्ध में मैं इस के दण्डी स्वामी विमलानन्द सरस्वती जी से मिला। उन्होंने शास्त्र सैनिक एवं धर्माचार्य ब्राह्मण" नामक रचित पुस्तक प्रदान किया। इन पुस्तकों से प्राप्त विवरण के अनुसार "सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मण परिचय" नामक विवरण तैयार किया।

मुझे तो शेरपुर के जनक पं0 दुल्लह राय शर्मा की वंशावली लिखिनी थी। अतः इस पुस्तक को अधिक तथ्य पर उपयोगी बनाने के लिये ब्राह्मण का इतिहास, भूमिहार ब्राह्मण का उद्भव एवं सांकृत गोत्र भूमिहार ब्राह्मण की उत्पत्ति एवं विस्तार आदि प्रसंग इसमें शामिल किया गया है। इस पुस्तक को अपने कुल जनक पं0 दुल्लह राय को समर्पित किया हूँ। साथ ही साथ वंशावली को एकत्रित करके लिपिबद्ध करने वा



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
स्व0 कमला राय को यह पुस्तक प्रति समर्पित किया गया है।

पं0 दुल्लह राय शर्मा की वंशावली तीनों पट्टी की अलग–अलग भाग में लिपिबद्ध किया गया है तथा घरानावार विवरण दिया गया है जिससे किसी भी वंश का कुर्सीनामा आसानी से मिल जाय। इस वंशावली को लिखने में कुछ त्रुटियाँ सम्भव हैं। जिसके लिये मैं क्षमा प्रार्थी हूँ।

इस वंशावली के तैयार कराने में मुझे अनेक व्यक्तियों का सहयोग मिला जिनमें मुख्य रूप से कृष्णादेव राय, उमाशंकर राय (बाम्बे), गंगासागर राय (डाक्टर) सुरेन्द्र राय पुत्र केशव राय, दिनेश चौधरी, अवध किशो राय, सुदर्शन राय, सुरेश राय, हेमनाथ राय शेरपुर खुर्द, गोवर्धन राय शर्मा, मधुमंगल राय पुत्र विजय बहादुर राय, डा0 शारदा चरण राय, पं0 राम सिंहासन मिश्र, भुवनेश्वर राय पुत्र जगत राय सेमरा, वेंकटेश राय शेरपुर खुर्द मुख्य हैं। इनका मैं आभारी हूँ।

शेरपुर की वीर–भूमि नाम से एक स्मारिका का भी प्रकाशन होगा जिसमें अपे पूर्वजों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व को दर्शाया जायेगा ताकि भावी पीढ़ी इससे प्रेरणा ग्रहण कर सके। इन पुस्तकों को छपवाने के लिए धन संग्रह किया जा रहा है। इस कार्य में विशेष रुचि दिखाने वाले श्री जयप्रकाश राय (ग्राम प्रधान), श्री सुदर्शन राय, श्री सुरेन्द्र नाथ राय पुत्र केशव राय, श्री हेमनाथ राय शेरपुर खुर्द, श्री भुवनेश्वर राय व नर्वदेश्वर राय सेमरा, श्री उमाशंकर राय (बाम्बे), श्री सुरेश राय, श्री शशिधर राय (टुनटुन राय) श्री गोवर्धन राय, श्री हरिहर राय पुत्र दुबरी राय, श्री मधुमंगल राय प्रभृति कुल सेवकों का विशेष रूप से आभारी हूँ।

"पं0 दुल्लह राय शर्मा की प्रतिमा का निर्माण कराने में मुझे विचार दान एवं अर्थदान देने वालों के प्रति मैं विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूँ। श्री हृदय नारायण राय हीवेदार, श्री सुदर्शन राय, श्री मधुमंगल राय, श्रीमती धीरा राय पत्नी श्री सीताराम राय तथा अन्य लोगों ने अपना आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है जिसके लिये मैं विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं अपना पूर्ण सहयोग देने वाले श्री राधाकृष्ण राय (साधू) का विशेष रूप से आभारी हूँ। जिन्होंने अथक प्रयास करके इन सभी लोगों को उपरोक्त महत्वपूर्ण कार्य करने के लिये प्रेरित किया है तथा अपना समय व श्रम दान दिया है। अन्त में पं0 रामसिंहासन मिश्र का


RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
मैं आभारी हूँ जिन्होंने अपने आशीर्वचन से मुझे इस पुनीत एवं महान का
करने के लिये अपना विचार देकर मुझे प्रेरित किया है।

मैं अपने परिवार के हर सदस्य को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इ
कार्य को आगे बढ़ाने में मुझे पूर्ण सहयोग दिया है।

पुनः अन्त में ज्ञात—अज्ञात अशुद्धि तथ्यात्मक दोष या मुद्रात्म
त्रुटि के लिये विशेष क्षमा याचना के साथ।

विनीत

चन्द्रबली मिश्र (सांकृत्यायन)

हिरसिंह पट्टी, सुलतान राय घरान

शेरपुर—गाजीपुर



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

## अपने को जानें,

# हम कौन हैं? कहाँ से आये हैं?

भूमिहार ब्राह्मण की उत्पत्ति के सम्बन्ध में प्राचीन काल से ही अनेक प्रकार की भ्रन्तियाँ विद्वेषवश फैलायी जा रही हैं। मुगल काल में कुछ स्वार्थी एवं कलुषित व्यक्तियों द्वारा बहुत सी किताबें लिखी और लिखाई गईं कि भूमिहार ब्राह्मण नहीं बल्कि ब्राह्मण की सेवा के लिये बनाये गये हैं। ये लोग क्षत्रिय हैं। जैसा कि अन्य ब्राह्मणों तथा दूसरे समाजों को कुछ न कुछ इतिहास लिखा हुआ है। वैसा ही यदि अयाचक ब्राह्मण समाज का भी कोई सच्चा इतिहास होता तो इसकी ऐसी दुर्दशा न होती। सर्व प्रथम सन् 1882 ई0 में अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण सभा गठित हुई और इसका पहला अधिवेशन पटना में हुआ। सन् 1913 ई0 में महासभा का अधि ावेशन उत्तर प्रदेश में बलिया में हथुआ नरेश की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें पूज्य स्वमी सहजानन्द सरस्वती जी ने भाग लेकर ब्राह्मण धर्म और संस्कृत भाषा पर अपना विचार प्रकट किये। उसी समय स्वामी जी से भूमिहार ब्राह्मण के सम्बन्ध में एक पुस्तक लिखने का अनुरोध किया गया। स्वामी जी लगातार तीन वर्ष तक भारत वर्ष के हर प्रान्त में भ्रमण करके सूचनायें एकत्रित करके सन् 1916 में "भूमिहार ब्राह्मण परिचय" नामक पुस्तक का प्रकाशन कराया। सन् 1925 ई0 में इस पुस्तक का नाम परिवर्द्धन कर ब्रह्मर्षि वंश विस्तर" कर दिया गया। यह पुस्तक लगभग 400 पृष्ठों की है। अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासभा की तबसे कई बैंठकें हो चुकी हैं। स्वामी जी की पुस्तक के आधार पर बहुत से विद्वानों ने भूमिहार ब्राह्मण की उत्पत्ति के सम्बन्ध में पुस्तकें लिखी हैं प्रकाशित कराई हैं।

सांकृत गोत्रत दण्डी स्वामी विमलानन्द सरस्वती ने शासक शासक, सैनिक, एवं धर्माचार्य ब्राह्मण नामक पुस्तक संवत् 2026 विक्रम (सन् 1969 ई0) लिखा था जिसका प्रकाशन हुआ। यह पुस्तक सन् 1966 में अयोध्या के "आनन्द बिहारी मठ" के उत्तराधिकार सम्बन्धी विवाद को लेकर लम्बित विवाद के प्रसंग में सबूत पक्ष की ओर से लिखी गई थी।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मठ के पदासीन महंथ मुंगेर (बिहार) के एक भूमिहार–ब्राह्मण संत महावीर शरण दास थे। प्रतिवादी का कहना था कि ये भूमिहार हैं ब्राह्मण नहीं। सन् 1966 से 1978 ई0 तक यह विवाद अदालत में ऊपर नीचे घूमता रहा। अन्त में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के लखनऊ द्वारा महावीर शरण दास बेंच के पक्ष में निर्णय हुआ कि फैजाबाद जिला जज का फैसला सही है जैसे ब्राह्मणों के विषय में "जातिविलास', जातिभास्कर एवं जाति–निर्णय आदि संकलित ग्रंथ ही प्रमाण है उसी प्रकार भूमिहार ब्राह्मण के विषय में "महर्षि मरीचि प्रणीत "जाति विलास" प्रमाण है। न्यायालय ने यह निर्णय दिया कि 'भूमिहार ब्राह्मण उत्तम ब्राह्मण है।" इसी प्रकार कान्यकुब्ज वंशावली में भी भूमिहार से ब्राह्मण प्रतिपादित किया गया है।

अस्तु यह बात सिद्ध हो गई कि ब्राह्मणों की सभी नूतन संज्ञायें 'यवन काल' में प्रचलित हो गईं। तदनुसार कान्यकुब्ज, सरयूपारी, गौड़, मैथिल, सरस्वत, सनाढ्य, दक्षिणात्य, औदिच्य, जागर, भूमिहार, त्यागी, महियाल, पश्चिमा पालीवाल आदि सभी विभिन्न ब्राह्मण वर्गों का इतिहास, उद्भव आदि एक साथ ही हैं। इन सभी ब्राह्मणों में मिश्र, चौबे, उपाध्याय, दूबे, तिवारी, पान्डे, पाठक, शुक्ल, ओझा, झा, अवस्थी, दीक्षित आदि पदवियाँ पाई जाती हैं। इन विभिन्न नामों से पहले बारवीं शताब्दी तक सबका एक ही नाम ब्राह्मण मात्र ही था।

पन्द्रहवीं शताब्दी में जब मुगलों के राज्य की जड़ अच्छी तरह जम गई तो अपने राज्य के विस्तार तथा कुशल प्रवर्धन के लिये बड़े–बड़े जमींन्दारों एवं रइसों को अपनी ओर उत्साहित करने के लिये सिंह, राय, चौधरी, दीवान, बाबू, शाही आदि पदवियों को प्रदान करना प्रारम्भ कर दिया। जो ब्राह्मण पान्डे, तिवारी, मिश्र, दीक्षित, अवस्थी, आदि उपाधियाँ रखते थे उन्हें भी मुगलों ने राय, सिंह, चौधरी, खां आदि की पदवी मिल जाती थी। बारहवीं शताब्दी तक सभी ब्राह्मण वर्ग केवल ब्राह्मण कहे जाते थे लेकिन याचक ब्राह्मण के एक वर्ग ने मुगल काल में विवाद खड़ा करके अयाजक ब्राह्मण के पूर्व "भूमिहार शब्द जुड़वा दिया। तभी कान्यकुब्जीय अयाचक ब्राह्मण भूमिहार ब्राह्मण कहे जाने लगे।

भूमिहार को बुहत जगह 'भुईहार' भी सम्बोधित किया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में यह अधिक प्रचलित है। भूमिहार लोग बाभन जमींदार



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ब्राह्मण, गृहस्थ ब्राह्मण और पश्चिमा ब्राह्मण भी कहे जाते हैं। अयाचक ब्राह्मण प्रथम थोड़े से मदारपुर (कानपुर) के कान्यकुब्ज ब्राह्मण थे परन्तु धीरे–धीरे इनमें धनी और शक्तिशाली अयाचक जमींदार मिल गये जिससे इनकी संख्या ज्यादा हो गई। पूरे देश में इस समय दो करोड़ से ज्यादा भूमिहार ब्राह्मण हैं जो भारतवर्ष के कोने–कोने में सुदूर तक फैले हुंये हैं किनवार, सकरवार, वेमुवार, वरूवार, कस्तुवार, कुढनियाँ, तटिहा, सोन पकरिया, भृगुवंशी, जिझौतिया, दसवार, एक सरिया, सहदौलिया, नकतीवार, करपाई और गौतम आदि इनके गोत्र हैं।

भूमिहार ब्राह्मण का एक सीधा अर्थ भूमि वाला ब्राह्मण है।

भूमि हरति, प्रापयति, वलादधि करोति,
केन चिदु पायेन स्वीकारोति वेति भूमिहार।।

अर्थात् जो ब्राह्मण पृथ्वी के ऊपर अस्त्र–शस्त्र आदि के बल से अधिकार कर ले या किसी उपाये से प्राप्त भूमि को स्वीकार करे वह भूमिहार है। पं0 शिवसम्पति सुजान मिश्र ने अपने ग्रन्थ 'भूमिहार भूसुर भूषण' नामक पुस्तक में लिखा है–

भृगुपति हति क्षत्रिन्, दियो भूमि द्विजादि दान।
भूमिहार भूसुर भये, तबसे जगत प्रधान।।

इसी प्रकार भूमि से सम्बन्ध रखने के कारण पंजाब के अयाचक ब्राह्मण महियाल से मरियाल बन गये। भूमिहार शब्द का प्रयोग बिहार में 1860 ई0 कें पूर्व के कागजातों में नहीं मिलता। उत्तर प्रदेश की सन् 1865 की जनगणना रिपोर्ट में भूमिहार ब्राह्मण शब्द मिलता है। इस्ट इण्डिया कम्पनी के सनदों में हथुआ, टिकरी, बेतिया आदि रियासतों के राजाओं को केवल ब्राह्मण कहा गया है। काशीराज की सनद में लिखा है– राजा मनसा राय वल्द मनोरंजन मिश्र कौम ब्राह्मण। मदारपुर के युद्ध में पराजित होकर कन्नौज के क्षेत्र से आकर काशी क्षेत्र में जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर व वाराणसी में जा बस गये। वह भूमिहार ब्राह्मण कहलाये।

**सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मणों के सम्बन्ध में फैलाई गई भ्रान्तियाँ–**

सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मण के पूर्वज सोलहवीं शताब्दी के



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पूर्वार्ध में यवनों के अत्याचार से पीड़ित होकर कान्यकुब्ज क्षेत्र फतेहपुर से पलायन करके कई जगह चले गये। जनश्रुति यह कहती है। काममिश्र, धाम मिश्र व विरनदेव मिश्र तीन भाई थे। इनमें से विरनदेव मिश्र फतेहपुर से गुजरात की तरफ चले गये। काम मिश्र व धाम मिश्र वहाँ से घूमते घामते रेवतीपुर से 7 किमी पूरब सकरा नाम स्थान पर आ बसे। धाम मिश्र वहाँ कुछ दिन रहकर गया तीर्थ करने चले गये और वहाँ से वापस नहीं आये। कालान्तर में यह ज्ञात हुआ कि धाम मिश्र गया जिले के जहानाबाद कस्बे से पूरब 25 किमी0 फालगुनदी के किनारे बस गये और उनका परिवार आज भी कई गाँवों में फैला हुआ है जो अपने को मिश्र लिखता है।

सकरा स्थान पर काम मिश्र बसे और उनका परिवार 3 पीढ़ी तक वहाँ रहा। स्थान परिवर्तन के कारण बहुत से छोटे दलों के नाम जैसे दोनवार, सकरवार, किनवार, वरूआर, वेमुआर, सोनपरवरिया, कुढ़निया, गौतम, भृगवंश, दीक्षित, कौशिक आदि आकर कई स्थानों पर बसे। यह नाम स्थान विशेष में रहने के कारण ही हुये हैं। जैसे क्यूना के दीक्षित, सीरू के अवस्थी, देवकली के पान्डे इत्यादि। यवन काल में इधर उधर भगदड़ मची तो पहचान के लिये डीह या मूल का व्यवहार थोड़े दिन तक चलता रहा। इस तरह फतेहपुर से सकरा आकर बसने के कारण सकराडीहा नाम पड़ा है यहाँ पर बसने वाले भूमिहार ब्राह्मण सांकृत गोत्रज हैं।

**विशेष उल्लेख–**

आचार्य नन्दा जी गहमरी द्वारा कामाख्याधाम–महात्म नामक एक लघु पुस्तिका का प्रकाशन कराकर वितरित की गई है। उसको मुझे पढ़ने का अवसर मिला। "कामाख्या मन्दिर सकरहर का इतिहास" नामक अध्याय में यह उल्लेख है कि सकरहर नाम से गहमर के जमीदारों के 32 मौजों में एक मौजा था। इसे मौंजें की जमीनें गहमर गाँव की थीं। गहमर गाँव के लोगों ने ही मन्दिर की देखरेख के लिये मन्दिर के पुजारी को साढ़े तीन एकड़ जमीन दी थी जो अब मन्दिर की समिति के नाम से है। इसी क्रम में आगे लिखा है कि सन् 1530 ई0 के पूर्व सकरागढ़ पर चेरू राजा शशांक का अधिकार था। तथा वीरपुर और उसके आसपास



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

टीकमदेव का अधिपत्य था। सन् 1530 ई0 में चैरू राजा को पराजित कर क्षत्रिय सिकरवारों ने अपने अधिकार में ले लिया और सकरागढ़ को गढ़ी के रूप में विकसित कर यहाँ पर रहने लगे। सन् 1700 ई0 तक महाराज धामदेव के वंशज एवं उनके प्रजाजन इसके आस पास के क्षेत्रों पर खेतीबारी कर जीवन यापन करते रहे। उसके बाद सभी लोग सकरागढ़ स्थान को छोड़कर आस पास के क्षेत्रों के बाँट कर जमींदार बन कर रहने लगे। सन् 1707 तक सकरागढ़ केवल डीह रूप में रह गया।

इसी क्रम में यह भी लिखा है कि धामदेवराव बड़े पराक्रमी, रणनिपुण, विवेकी तथा दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी थे। माँ कामाख्या की प्रेरणा से ही धामदेव राव ने मन्दिर का निर्माण कराया। इसी से इस स्थान को कालान्तर में कामाख्या धाम कहा जाने लगा।

**वंश फैलाव–** धामदेव राव के दो पुत्र रूपराम राव तथा दीवान राम राव थे। रूपराम राव के कुँवर शैन्यूमल एवं पूरनमल हुये। शैन्यूमल के छः पुत्र हुये। इन्हीं 6 पुत्रों की सन्तान गहमर क्षेत्र के अनेक गाँव में बसे हैं। इस पुस्तक वर्णन के अनुसार शैन्यूमल के पूरनमल सगे छोटे भाई थे। पूरनमल की तीन पत्नियाँ थीं। इनके सात पुत्र थे जिनके नाम नरहरिदेव, रतनदेव, सहजमल, तेजमल, हिनूदेव, ठकुराईदेव तथा जटामदेव थे। नरहरिदेव बड़े साहसी एवं बहादुर थे। औरंगजेब के शासन काल के समय टांका में फँसने के कारण ये इस्लाम धर्म में जाने को मजबूर हुये। इनके वंशज 16 गांवों में बसे हैं। जिन्हें कमसार कहते हैं। ये सिकरवार पठान हैं।

**सिकरवार भूमिहार–** इसी पुस्तक में यह उल्लेख है कि पूरनमल के बाकी 6 पुत्रों ने भूस्वामी के अर्थ में अपने को राय" कहने में गर्व महसूस करने लगे और जमीन्दारी के प्रभाव के कारण "राय" शब्द जनप्रिय हो गया। इन्हीं 6 भाईयों के वंशज रेवतीपुर, हरिहरपुर हसनपुर, वसुका, शेरपुर, रामपुर, सेमरा, अहठ्ाठा, उघरनपुर, वच्छलपुर, पकड़ी आदि गाँवों में बसे हैं। ये सभी लोग सकरतट (सकरागढ़) से जाकर बसे हैं। पूरनमल के वंशज पच्चीस हजारी कहलाते हैं। सन् 1707 ई0 में सभी लोग सकरागढ़ से जाकर बाहर बसे। ऐसी ही मनगढ़न्त, भ्रामक असत्य तथा तथ्यहीन भ्रान्तियाँ भूमिहार ब्राह्मण के सम्बन्ध में कई सौ वर्षों से फैलाई जाती रही हैं। इन सभी भ्रान्तियों का निवारण स्वामी सहजानन्द सरस्वती जी ने



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

अपनीं बहुचर्चित पुस्तक सन् 1916 में भूमिहार ब्राह्मण परिचय प्रकाशन कराकर कर दिया था। पुनः 1925 ई0 में अपनी वृहद् पुस्तक ब्रह्मर्षि वंश–विस्तर'' का प्रकाशन कराकर उन्होंने सभी प्रकार की भ्रान्तियाँ दूर कर दी और यह प्रमाणित रूप में लिखा है कि भूमिहार ब्राह्मण कान्यकुब्ज ब्राह्मण की ही शाखा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भी इन भ्रांतियों को अपने फैसले से दूर कर दिया है। स्वामी जी ने अपनी पुस्तक में सकरवार भूमिहार ब्राह्मण को फतुहाबादी मिश्र माना है जिनके पूर्वज सन् 1530 के लगभग फतेहपुर जनपद से आकर जमानियाँ तहसील के सकरा नामक स्थान पर बसे थे।

इसी क्रम में स्वामी विमलानन्द सरस्वती ने अपनी पुस्त सैनिक, शासक तथा धर्माचरण ब्राह्मण'' में सांकृत गोत्री भूमिहार ब्राह्मण की उत्पत्ति तथा विस्तार का उल्लेख करके ऐसे अनर्गल प्रचार को समाप्त कर दिया है। सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मण वंशावली से यह स्पष्ट हो गया है कि शैन्यमूल फतुहाबादी काममिश्र की संतान थे जो प्रतिलोम शादी कर लिये थे जिससे वे क्षत्रिय हो गये। इन्हीं शैन्यूमल के वंशज गहमर गाँव के तथा अन्य कई गाँव के लोग हैं वास्तव में ये लोग सीकरवार न होकर सकरवार क्षत्रिय हैं। गहमर गाँव में राय पट्टी लिखी जाती है।

इनका यह कहना कि ये लोग धामदेव राव के वंशज है सही नहीं लगता। वास्तव में 1530 ई0 के लगभग कामदेव मिश्र व धामदेव मिश्र दो भाई सकरा नाम स्थान पर आये थे। धामदेव मिश्र कालान्तर में गया तीर्थ करने गये और पुनः वापस नहीं आये। ज्ञात हुआ कि वे गया जिले के जहानाबाद कस्बे से 25–30 किमी पूरब फाल्गु नदी के किनारे जाकर बसे गये थे। वहाँ उनके वंशज के लोग निवास करते हैं, और अपने को मिश्र लिखते हैं।

आइने अकबरी में जिन जमीन्दार ब्राह्मणों की चर्चा है वे भूमिहार तो हैं ही उनमें प्रधान सकरवार ही हैं। जिनका गाजीपुर के सकरवार के सिलसिले में वर्णन आया है। खासकर मदन बनारस (जमानियाँ) और चौसा परगना की जमींदारी इन्हीं की थी। स्वामी विमलानन्द सरस्वती की उपरोक्त पुस्तक के अनुसार सकरवार भूमिहार ब्राह्मणों की जमीन्दारी 65584 विगहा की थी और मालगुजारी 2,76000 दाम थी।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सांकृत कुल ने विद्या, तपस्या तथा वीरता सभी क्षेत्रों में अपना चमत्कार दिखाया है। इस कुल परम्परा में वर्तमान युग में बहुत से दण्डि सन्यासी हुये हैं। जिन्होंने अपनी तपस्या, त्यागवृत्ति और सेवा से भूमिहार ब्राह्मण की मर्यादा की रक्षा की है और वंश के गौरव को बढ़ाया है।इनमें पहले दण्डि स्वामी अच्छुता नन्द सरस्वती हुये। इनका संन्यास काल वि0सं0 1950 फाल्गुन कृष्ण शिवरात्रि है। ये गाजीपुर जिले के रामपुर ग्राम के निवासी फतुहावादी सांकृत गोत्रीय ब्राह्मण थे।

(2) इसी गाँव के दूसरे दण्डि स्वामी सर्वज्ञानन्द सरस्वती सांकृत गोत्र के थे। इनका संयास काल वि0 स0 1951 फाल्गुन कृष्ण पंचमी था।

(3) रामपुर गाँव के ही सांकृत गोत्रीय फतुहावादी मिश्र दण्डि स्वामी परमानन्द सरस्वती हुये इनका संन्यास काल वि0 स0 1970 फाल्गुन शुक्ल तृतीया है। इन्होंने "सांकृत गोत्रीय भूमिहार ब्राह्मण विस्तार" नाम की पुस्तक भी लिखा है।

(4) गाजीपुर के हरिहरपुर के निवासी सांकृत गोत्रीय फतुहावादी मिश्र ब्राह्मण दण्डि स्वामी मकसुदनानन्द सरस्वती हुये। इनका सन्यास काल वि0 स0 1995 माघ शुक्ल अचला सप्तमी है।

(5) वर्तमान में जीवित दण्डि स्वामी विमलानन्द सरस्वती सांकृत गोत्रीय भूमिहार ब्राह्मण चौसा परगना के मगराँव गाँव के निवासी हैं।

शेरपुर गाँव के के भी कई ख्याति प्राप्त साधु सन्यासी हुये हैं। जिनमें सन्त सुखराम दास व रामेश्वरानन्द व शौनक ब्रह्मचारी ने काफी ख्याति प्राप्त की थी।

दण्डि स्वामी विमलानन्द सरस्वती ने अपनी पुस्तक "सैनिक शासक व धर्माचरण ब्राह्मण" में सांकृत गोत्र के उद्‌भव एवं विस्तार के सम्बन्ध में निम्न विवरण लिखा है।

ब्रह्मा के पुत्र. भृगुवंश में सांख्यायन ऋषि हुये। इनके गगन या गौर्वे तथा सांकृत हुये। इनके जीवश्व तथा इनके वंश में पृथ्वीधर बड़े पराक्रमी हुये। पृथ्वीधर को बुलाकर कौशिकपुर के राजा ने 'अवस्थ यज्ञ' किया और पृथ्वीधर को अवस्थी कहा। इसी वंश में आगे चलकर क्षत्रपति के तीन पुत्र गंगा राम, माधव राम व शालग्राम हुयें। गंगाराम बड़े तपस्वी



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

और प्रतिभाशाली थे। वे "छिन्नमस्ता" (दश महाविद्या) देवी के उपासक थे। गंगा राम फतेहपुर जिले के खजुहा गाँव में बसे थे बाद में अकबर राजा के शासन काल में इस गाँव का नाम "फतुहाबाद" पड़ गया। यहाँ के कान्यकुब्ज ब्राह्मण फतुहाबादी मिश्र कहलाते थे। ये कान्यकुब्ज ब्राह्मण में उत्तम माने जाते हैं। ये षटटकुल में हैं इन मिश्र ब्राह्मणों की मर्यादा 20 विस्वा है। इस गोत्र में दो मूल के ब्राह्मण है। फतुहाबादी मिश्र, सकरवार सरयूपारियों में गये शाखा के लोग भलाँव के पान्डे कहे जाते हैं सकरवार मूल वाले फतुहाबाद के मिश्र ब्राह्मणों के मूल पुरुष कान्यकुब्ज देश से दो भाई काम मिश्र और धाम मिश्र इधर आये। ये बड़े शूरवीर तपस्वी एवं विद्वान ब्राह्मण थे। गाजीपुर जिले में गंगातट पर ये लोग सकराडीह पर पहले आकर बसे। इस वंश के ब्राह्मण शासक सेनापति और सूरवीर होते आये हैं।

सांकृत गोत्रज ब्राह्मण की उत्पत्ति का मूल स्थान काश्मीर बताया जाता है। हजारों वर्ष पूर्व सांकृतऋषि की वंश परम्परा में निर्मल ऋषि हुये थे। जिनका कार्य क्षेत्र काश्मीर था। दशवीं शताब्दी में काश्मीर, पंजाब और काबुल में ब्राह्मणों का राज्य था। बारहवीं व तेरहवीं शताब्दी में यवनों के आक्रमण से आक्रांत काश्मीर के ब्राह्मण दक्षिण दिशा में मैदान में चले आये जैस इस समय आतंकवादियों के डर से कश्मीरी पंडित वहाँ से हट गये हैं। ऐसी सम्भावना प्रबल है कि ये लोग काश्मीर से कुछ काल तक आगरा में भी बसे हों। चौदहवीं शताब्दी में मुगलों का अत्याचार पूरे देश में फैल गया था। सन 1414 ई0 के बाद दिल्ली के सलतनत का पतन हो गया था। उस समय सकरवार ब्राह्मण वहाँ से मध्य गंगाघाटी में कान्युब्ज क्षेत्र चले आये होंगे क्योंकि उस समय यहाँ पर ब्राह्मणों का राज्य था। कान्य कुब्ज क्षेत्र कानपुर, फतेहपुर, सीतापुर, आदि स्थानों तक फैला था। सांकृत भूमिहार ब्राह्मण के पूवज अपनी जनश्रुति में अपने को आगरा से आना बताते रहे हैं। यद्यपि इसका कोई सही प्रमाण नहीं है। सकराडीह से सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मण का विस्तार हुआ है। यह प्रमाणित है कामाख्याधाम इन्हीं भूमिहार ब्राह्मणों का पूजा स्थल रहा है। आज भी विहार प्रान्त, गाजीपुर जनपद में तथा अन्यत्र बसे इस गोत्र के भूमिहार ब्राह्मण अपने पुत्रों का मुंडन संस्कार कामाख्याधाम मन्दिर पर ही कराते



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शेरपुर का प्राचीनतम बैलगाड़ी युग, सामान ढुलाई तथा बारात ले जाने में प्रयोग होता था

गंगा नदी में नौका द्वारा उस पार जाते लोग

शेरपुर के पुरानी कांवर और कहार की व्यवस्था का चित्रण

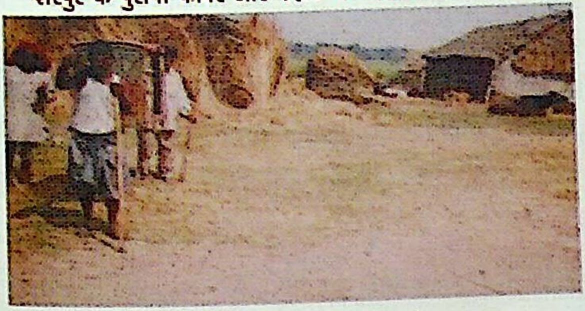

इस गाँव की प्राचीनतम व्यवस्था डोली और कहार

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
हैं। विदेशों में बसे इस गोत्र के लोगों के बच्चों का मुंडन संस्कार भी यहीं होता है। दण्डि स्वामी परमानन्द सरस्वती ने सांकृत गोत्र वंश विस्तार नामक एक लघु पुस्तिका लिखी थी जिसका प्रकाशन बहुत पहले हुआ था। उन्होंने बिहार प्रदेश के कई जनपदों तथा गाजीपुर के सांकृत गोत्रज गाँवों का भ्रमण करके सांकृत गोत्रीय वंशाली तैयार किया था। उसी को आधार मानकर इस पुस्तक में सांकृत गोत्रीय भूमिहार ब्राह्मण विस्तार का वर्णन किया गया है।

**सांकृत गोत्रीय वेद, उपवेद आदि–**

सांकृत गोत्र का वेद यजुर्वेद है, उपवेद–धनुर्वेद है मध्यान्दिनीय शाखा, तथा कात्यायन सूत्र है। प्रवरतीन सांकृति के सांकृति, साख्ययन, किल या शक्ति, गौरूवार सांकृति या अंगिरस, गौरूयसि, सांकृति तीन प्रवर हैं। दाहिनी शाखा, दाहिना पांव तथा शिव देवता हैं। यह प्रत्येक सांकृत गोत्र के ब्राह्मण को स्मरण रखना चाहिये।

**गोत्र प्रवर, और साधारण गोत्र–**

विवाह आदि संस्कारों में और साधारणतया सभी धार्मिक कामों गोत्र प्रवर और शाखा आदि की आवश्यकता हुआ करती है। गोत्र नाम है कुल संतति, वंश, वर्ग का। तपस्वी और मेधावी ऋषियों के वंश का विस्तार हुआ। जिस ब्राह्मण के जो ऋषि गोत्र हैं उन्हीं के वंश में उनकी उत्पत्ति मानी गई है। अन्य जातियों के गोत्र उनके पुरोहित गोत्र से स्थिर हुआ है। पुरोहित गोत्र ही उनके यजमान का गोत्र माना गया है। आठ ऋषियों को गोत्रों का प्रधान प्रवर्तक माना गया है, विश्वामित्रो, जगदग्नि, भरद्वाजोऽय, गौतमः, अत्रिवशिष्ठ, कश्यप इत्येते सप्तर्षयः, सप्तानां ऋषिणां अगस्तय ये आठ गोत्र प्रवर्तक ऋषि हैं। भृगु और अंगिरा दो ऋषियों को और गोत्र प्रवर्तक माना गया है इस प्रकार दश ऋषियों को मत्रं द्रष्टा माना गया है जिससे गोत्रों की संख्या बढ़ गई है। इस समय भारतवर्ष में 80 से 100 गोत्र हैं।

पुनः अंगिरा की परम्परा से (1) अयास्थ, उतच्यं (2) वाम्देव (3) औशिज (4) भारद्वाज (5) सांकृत (6) गर्ग (7) कष्यरेथीतर (8) मुद्गाल (7) विष्णुवृद्ध (10) हरीत (11) कृपि (12) रक्ष भारद्वाज (13) आर्षभ



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

(14) कितव इस प्रकार 33 ऋषिमंत्र कृत कहलाते हैं। इन्हें अंगरिस कहते हैं। इसलिये सांकृत ऋषि अंगिरा के वंशज हैं। श्लोक–

काश्यपेषु वशिष्ठेषु भृग्वांशीरोऽभिषु
पश्चसु एतेषुजापन्त गोत्रेषु ब्रह्मवादिनः ।

उक्त श्लोक से यह स्पष्ट है कि ब्रह्मवादियों में सांकृति ऋ अंगिरा के गण होने से ब्रह्म वेता भी हुये। उपर्युक्त प्रमाणों से म सांकृति का मंत्रद्रष्टा भी होना सिद्ध है। वेदों का जो समाधि साक्षात्कार करते हैं वे मंत्र द्रष्टा कहलाते हैं। उपर्युक्त प्रमाणों से म सांकृति का मंत्रद्रष्टा होना और ब्रह्मवादी गोत्र के होने के कारण ब्रह होना भी सिद्ध है।

कान्यकुब्ज वंशावली में सांकृत गोत्र के वर्णन में यह आया है ब्रह्मा से सांख्यायन और सांख्यायन के संकृति हुये। इस गोत्र के अंगिर गौरवीत, तथा सांकृति तीन प्रवर हैं। सकरवार, मलैया पान्डे, फतुहाब मिश्रा आदि गोत्र के ब्राह्मण हैं। सांकृत गोत्र का वेद यजुर्वेद, उपवेद–धनु मध्यादिनी शाखा तथा कत्यायनी सूत्र है। दाहिनी शाखा दाहिना पांव त शिव देवता हैं यह प्रत्येक सांकृत गोत्र के ब्राह्मण को स्मरण रख चाहिये। बहुत लोगों का यह मत है कि ब्राह्मण होते हुये भी पुरोहिती क नहीं करना चाहिये क्योंकि पुरोहिती कभी भूमिहार ब्राह्मण नहीं करते दण्डि स्वामी परमानन्द सरस्वती ने इस धारणा को निर्मूल बताया प्राचीन काल से ही भूमिहार ब्राह्मण दान लेते आये हैं। राजा जयचन्द समय में भी काशी नरेश के पूर्व पुरुष श्री कृष्ण मिश्र (कित्यू मिश्र) राजा एक गाँव दान में दिया था। झारखण्ड के हजारी बाग जिले प्राचीन काल से ही भूमिहार ब्राह्मण पुरोहिती कार्य करते रहे हैं। अब प्रायः प्रत्येक जिले में जहाँ जहाँ भूमिहार ब्राह्मणों का निवास है अपने लं अपने ही समाज के पुरोहित और गुरु बनने लगे हैं। भूमिहार ब्राह्मणों द्वा कई सांकृत पाठशालायें अपने समाज के लिये चल रही हैं। शेरपुर गां के गोवर्धन शर्मा सेमरा तथा बिहार के सिमरी गाँव में पुरोहिती का कार्य करते हैं। इसी गाँव के डा0 गंगासागर राय पुत्र रामवरन रा हिरसिंह राय पट्टी, रुद्रसिंह घराने के संस्कृत के उद्भट विद्वान हैं और महाराज काशीनरेश के रामनगर में संस्कृत में शोध कार्य करते रहे है



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

इसी गाँव के पं0 रामसिंहासन मिश्र दूर–दूर तक के स्थानों पर यज्ञ कराने व जप का अनुष्ठान कराने व अन्य पूजन कराने जाते हैं। ये नारायणबलि की पूजा कराने में पारंगत हैं। यही नहीं सन्यासी समाज से दण्ड बांधने का अधिकार भी प्राप्त है ये हर वर्ष कुछ साधुओं को दण्ड भी बाँधते हैं। पढ़ना, पढ़ाना, दान देना, दान लेना, यज्ञ करना और यज्ञ कराना ये सब कार्य ब्राह्मणों के हैं अध्यापन, यज्ञ कराना और विशुद्ध प्रतिग्रह ये तीन कर्म ब्राह्मणों की जीविका के लिये हैं।

**ब्राह्मण धर्म–** नैमाषिकों के अनुसार जीवधारियों में सभी मनुष्यएक जाति के हैं क्योंकि सभी मनुष्यों की उत्पत्तिं एक समान ही है। हाँ शारीरिक बनावट के अन्तर के कारण उनमें भी विभेद पाया जाता है। कहा जाता है कि सृष्टि के आदि काल में मनु (पुरुष) और शतरूपा (स्त्री) दो ही थे। इन्हीं से सम्पूर्ण सृष्टि की वृद्धि हुई है। ब्राह्मणस्यां ब्राह्मणों नैवमुत्यत्रौ ब्राह्मणा स्मृतः। अर्थात् ब्राह्मणी के रज और ब्राह्मण के वीर्य से जो विधिवत उत्पन्न होता है उसे ब्राह्मण कहते हैं। ब्राह्मणों को सभी जीवधारियों और मनुष्यों में श्रेष्ठ माना गया है।

भूतानां प्राणिनः श्रेष्ठाः प्राणिनां वुद्धि जीविनः
वुद्धिमत्सु नराः श्रेष्ठाः नरेषु ब्राह्मणा स्मृता।

अर्थात् जीवों में प्राणधारी, प्राणधारियां में बुद्धिमान, बुद्धिमानों में मनुष्य तथा मनुष्यों में ब्राह्मण श्रेष्ठ है।

**ब्राह्मण कर्म–** शास्त्रों के अनुसार मोह, अहंकार, संग, परिग्रह, राग, द्वेष आदि से मुक्त तथा सत्य इंन्द्रिय निग्रह और सब जीवों पर दया करने वालों को सच्चा ब्राह्मण कहा गया है।

निर्ममो, निरहंकारो, निःसंगो निः परिग्रह।
रागद्वेष विनिर्मुक्त देवा ब्राह्मणं विप्रः।
सत्यव्रत तपो ब्रह्म, ब्रह्म चेन्द्रय निग्रहः
सर्वभूते दया ब्रह्म एतद् ब्राह्मण लक्षणम्।

मनुस्मृति में ब्राह्मण के छः गुण बताये गये हैं जैसे–

अध्यापनमध्यनं याजनं तथा



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

दान प्रतिग्रहचैव विशुद्धाच्च प्रतिगहः।

अर्थात पढ़ना, पढ़ाना, यज्ञ करना, यज्ञ कराना, दान तथा प्रतिग्र लक्षण ब्राह्मण के है।

अत्रि स्मृति में लिखा है कि–

कर्म विप्रस्य यजनं दानमध्यनं तप।

प्रतिगंह अध्यापनं च याजने चेति ब्राह्मस्थः।

ब्राह्मण के छः उपरोक्त प्रमुख कर्मों के अतिरिक्त "पराशर स्मृ के अनुसार ब्राह्मणों के छः कर्म इस प्रकार हैं–

सन्ध्या स्नानं जपो होमो देवतानाम च पूजनम्।

आतिथ्यं वेश्वदेवं च षट्कर्मणि दिने–दिने।।

अर्थात दिन रात्रि की संध्या और स्नान गात्री जप अग्नि होम दे का पूजन, आतिथ्य सत्कार वैश्व देव ये छः ब्राह्मण को नित्य कर चाहिये। ब्राह्मण का आधार उसकी सात्विक वृत्ति तथा उसका निश्च स्वभाव है। ब्राह्मण को चाहिये कि वह सदा वेद का अभ्यास करता तथा ज्ञान का अर्जन करता रहे। वह उसका तप है। ब्राह्मण का क पढ़ना, पढ़ाना, यज्ञ करना और कराना, दान देना और दान लेना है पर दान का अवसर प्राप्त होने पर भरसक प्रयत्न यही करे कि दान न क्योंकि दान ग्रहण करने से उसका ब्रह्म तेज कम हो जाता है। जैसा मनु जी ने कहा है–

प्रतिग्रह समर्थोऽपि प्रसंग तत्र वर्जयते।

प्रतिग्रहे ग्रहन्तु ब्रह्मतेजं दुष्य जीवनम्।।

आगे शास्त्रों में ब्राह्मण के कुछ लक्षण इस प्रकार बतलाया ग है। परम्परा से (गुण, कर्म और धर्म) ब्राह्मण बुद्धिमान, विद्वान, अ अध्यात्मिक व्यक्ति है। वह सत्य व धर्मावलम्बी होता है। सिर पर चो रखता है, माथे पर तिलक तथा गर्दन से कमर तक जनेऊ पहनता है। व कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण के गुणों का अवतार होता है। वह जीव पर्यन्त ज्ञान को खोजने वाला होता है। ब्राह्मण अपने घर में जन्में बच्चे क शुद्ध, वैष्णवी, सात्विक और वौद्धिक एवं कलात्मक उपविधियों से यु



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

करता है।

**ब्राह्मण के भेद–**

ब्राह्मण अपनी सुविधा के अनुसार अलग–अलग वेदों को अध्ययन करने लगे और वे उसी के अनुसार ययुर्वेदी, सामवेदी आदि कहलाने लगे। जो अपने शिष्यों को वेदों का मंत्र एवं व्याकरण को पढ़ाता है उसे उपाध्याय कहते हैं। जो ब्राह्मण चारों वेदों का ज्ञाता हो उसे "चतुर्वेदी" जो तीन वेंदों का ज्ञाता हो उसे 'त्रिवेदी" जो दो वेदों का ज्ञाता हो उसे "द्विवेदी" तथा जो थोड़ा थोड़ा सभी वेदों को पढ़ता और पढ़ाता हो उसे "मिश्र" कहा गया। कालान्तर में उपरोक्त चतुर्वेदी, त्रिवेदी, द्विवेदी पदवियाँ विगड़कर चौबे, तिवारी और दूबे हो गई। शुद्धता के साथ राज्य करने में दक्षता प्राप्त करने वाले को "वाजपेयी" तथा अग्नि में हवानादि कार्य करने वाले पुनीत ब्राह्मण को अग्निहोत्री व "अवस्थी" कहा गया है। राजा प्रजा के यहाँ छोटे छोटे यज्ञ आदि संस्कार करने वाले 'दीक्षित' कहलाते हैं।

भौगोलिक कारणों से भी स्थान, काल या देश के नाम पर उनके नामकरण भिन्न–भिन्न हुये और एक ही तरह के ब्राह्मण आपस में विभेद करने लगे जैसे मैथिल, गौड़, कान्यकुब्ज, सरयूपारीण, सनाड्य, जुझौतिया, भूमिहार, त्यागी, मोहियाल, चितपावन, अनाविल, नम्बूदरी, आदि। हांलाकि वैदिक काल या मनु तक देशपरक या कर्म के अनुसार नाम नहीं था। और न मिश्र, पान्डेय, उपध्याय, द्विवेदी, त्रिवेदी, चतुर्वेदी आदि नाम आकर ब्राह्मणों के लिये मात्र विप्र, द्विजोत्तम आदि शब्द हैं अतः विदित है कि सभी मूल में ब्राह्मण ही हैं। उपरोक्त पदवियाँ तो बाद में व्यवस्था, सुविधा एवं परिस्थिति वश बनाई गई हैं।

**देश काल के अनुसार ब्राह्मणों में विभेद–**

आदि शंकर (788–820 ई0पूर्व) जिनका मूलनाम उमादत्त शर्मा था ने ब्राह्मण का वर्गीकरण करते हुये संस्कृतियों के विभाजन रेखा के रूप में मध्यभारत में विद्यमान विन्ध्याचल पर्वत के उत्तर में बसने वाले ब्राह्मण को "गौड़ ब्राह्मण" तथा दक्षिण में बसने वाले ब्राह्मण को "द्रविण' ब्राह्मण कहते हैं।

सारस्वतः कान्यकुब्जः गौडश्च मैथिलोत्मः



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गौड़ पन्च समाख्याता विन्ध्यामोत्तर वासिन:

अर्थात्– विन्ध्याचल के उत्तर में निवास करने वाले सारस्व कान्यकुब्ज, गौड़, मैथिल और उत्कल (उड़िया)। ये भेद गौड़ ब्राह्मणों हैं। तथा

"कर्नाटश्चक तैलंगा: द्रविण महाराष्ट्रका:
गुर्जराश्चेति पन्चैव, द्रविड़ा विन्ध्य दक्षिणो।।

कर्नाटक, तैलंग, द्रविण, महाराष्ट्र और गुजरात मं पांच भेद द्रवि ब्राह्मण के हैं।

इन उपर्युक्त दस भेदों के अतिरिक्त शाकद्वीपी, कौंचद्वीपी आ भी ब्राह्मणों के विभेद हैं। सरयूपारी, सनाड्य, भूमिहार, जिझौतिया, आ चितपावन ब्राह्मणों में भी अनेक भेद हैं।

**कान्यकुब्ज ब्राह्मण**– कान्यकुब्ज एक क्षेत्र का नाम था जो उत्तर प्रदे के कानपुर, फतेहपुर, हरदोई, इटावा, लखनऊ, उन्नाव, राय बरेल र्स...पुर, फरुखाबाद, शाहजाँपुर, आगरा जिले आते थे! इस क्षेत्र निवास करने वाले ब्राह्मणों को कान्यकुब्ज कहा गया है। तेरहवीं त चौदहवीं शताब्दी तक यहाँ ब्राह्मणों का राज्य था। सन् 1526 ई0 ब्राह्मणों का मुगल बादशाह बाबर के सैनिकों से भयानक युद्ध हुअ मुगलों की सेना अस्त्र–शस्त्र से सुसज्जित थी। अत: ब्राह्मण परास्त गये और अधिकांश लोग मौत के घाट उतार दिये गये। जो ब्राह्मण श बचे, पूर्व काशी क्षेत्र की तरफ पलायन किये और गाजीपुर जनप आजमगढ़, गोरखपुर, देवरिया तथा बिहार के कई जिलों में जाकर ब गये। इन क्षेत्रों में जो भी ब्राह्मण हैं इनमें अधिकांश कान्यकुब्ज ब्राह्मण व शाखा है जो सकरवार, किनवार, वेमुआर, दोनवार, कस्तुवार, आदि अने गोत्रज हैं।

भूमिहार ब्राह्मण के सम्बन्ध में यह उल्लेख है –

भारत में एक ऐसी जाति निवास करती है जिसमें क्षात्र–बल त ब्रह्म तेज दोनों समान अनुपात में पाया जाता है। जब वह अन्याय औ उत्पीड़न देखती है तो उसकी धमनियों में तप्त रक्त प्रवाहित होने लग है और वह भगवान परसुराम बनकर निरंकुश शासकों का इक्कीस ब



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

संहार करती है किन्तु जब कभी भारत का दार्शनिक चिन्तन मतमतान्तर एवं कपोल कल्पित मिथ्याडम्बर से झंझावात में आच्छादित हो जाता है तब यह पुनः स्वामी दयानन्द सरस्वती तथा स्वामी सहजानन्द सरस्वती बनकर अपनी ऋतम्भरा प्रज्ञा के द्वारा समाज की आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र बिन्दु बन जाती है।

**वेद के पाँच आदेश हैं–**

1. अक्षैर्मादिव्यः कृषिमित्कृपस्व वित्ते रमस्व वहुमन्य मानः। तत्र गावः कितव तत्र जाया, तन्मे विचष्टे सविताय मर्यः (ऋ0वे0)

   1. जुआ मत खेलो 2. कृषि कर 3. अपने धन पर ही संतोष कर 4. गौओं का पालन कर 5. पत्नीव्रत रहें।

2. शतहस्त समाहर – सहस्रस्य हस्त संकिर, सौ हाथों से संग्रह करो और हजार हाथों से दान करो।

3. या भ्राताः भ्रातरं दिक्षन मा स्वसारयुतं स्वसा। (अर्थववेद)

   भाई भाई से द्वेष न करे , बहिन बहिन से द्वेष न करे।

4. **भूमि हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं (वेद)**

– स्वर्ग या नरक कहीं अन्यत्र नहीं, उसका निवास हमारे विचार में है। (स्वामी विवेकानन्द)

– विश्वासघात का प्रायश्चित नहीं होता है। (हक्सले)

– बड़प्पन धन से नहीं, हृदय की विशालता से आती है।

– सहनशीलता मानव की पराकाष्ठा है। (सुकरात)

– प्रायः सायं नियमित संध्या करने वाला ही ब्राह्मण होता है। (स्वामी सहजानन्द सरस्वती)

– स्वाध्याय से ब्राह्मणत्व की प्राप्ति होती है। (डा0 राधाकृष्णन)

**साधारण होम विधि–** सभी होम प्रारम्भ में सात प्रायश्चित आहुतियाँ और पांच पंचवारूणी कुल बारह आहुतियाँ दी जाती हैं। वह इस प्रकार हैं–

1. ऊँ प्रजापते स्वाहा इदं प्रजापतये नमम्।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

2. ऊँ इन्द्राय स्वाहा इदं इन्द्राय नमम्।

3. ऊँ आग्नेय स्वाहा इदं आग्नेय नमम्।

4. ऊँ सोमाय स्वाहा इदं सोमाय नमम्।

5. ऊँ भू: स्वाहा इदं अग्नेय नमम्।

6. ऊँ भुवः स्वाहा इदं वायवे नमम्।

7. ऊँ स्वः स्वाहा इदं सूर्याय नमम्।

इसके बाद नीचे लिखे मंत्र पढ़कर जल छिड़कें या केवल मंत्र पढ़ दें। यथावाया प्रहाराणां कवचं वारकं भवेत्। तद्वछैवोप – धाता शान्तिभर्वति वारिका। शान्तिरस्तु पुष्टिस्तु वृद्धिस्तु यत्पापं तत्प्रतिहतम द्विपदे चतुष्पदे सुशान्तिर्भवतु।

1. ऊँ त्वन्नो अग्नेवरूणास्य विद्वान्देवस्य, हेडो अवयासिसीष्ठा। यजि वहिनतमः शोशुचानो विश्वाद्वेषासि प्रभुमुग्धास्स्सत् स्वाहा इदमग्नी वरूणाभ नमम्।

2. ऊँ सत्यन्नोऽअग्नेवमोभवोति नेदिष्ट अस उषसो व्युष्टौ।। अवयक्ष्व वरुणं रण्णो वीहि मृडीकं सुहवो न एधि स्वाहा इदमग्नी वरूणाभ नमम्।

3. ऊँ अयाश्चाग्नेस्यनभि शस्ति पाश्च सत्यमित्वमयाअसि। अयसो यः वहोस्ययानो धेहि भेषजं स्वाहा इदमग्नेय नमम।

4. ऊँ येते शतं ये सहस्त्रं यज्ञियाः पाशा वितता महान्तः। तेमिर्नोऽअ सवितोत विष्णुर्विश्वे मुच्चन्तु मरुतः स्वर्का स्वाहा इदं वरुणाय सवि विष्णवे विश्वेभ्यां देवेभ्यो मरुद्‌भयः स्वर्केभ्यश्च नमम।

5. ऊँ उद्त्तमं वरूणापाशमस्यरत्वाधवं विमध्यमं श्रयास। अथवयमांदत्य व्र तवानागसोऽअदितये स्याम स्वाहा इदं वरूणाय नमम।

इसके बाद थोड़ा जल गिराकर नवग्रह आदि देवताओं के नाम लेकर और जिस देवता का होम करना हो उसका भी नाम लेकर स्वाहा शब्द के साथ चतुर्ध्यन्ता उच्चारण करके आहुतिया देवें और पूर्णाहुति करें।

होम के आरम्भ में संकल्प करके होम शुरु करें और अंत में भी



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पूर्णाहुति का संकल्प करें।

**ब्राह्मण को प्रातः तथा सायं गायत्री मंत्र का जप करना चाहिये।**

ॐ भू भर्वः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण का अर्थ है मन की उच्च भूमिका में प्रवेश करना। आध्यात्मिक दृष्टिकोण को प्रकट करने वाला एक अत्यंत संक्षिप्त साधन है और वह है अपनी आत्मा का विकास। शक्ति का एक वृहत्त् परिमाण इस भंडार में एकत्रित है, उसे संकल्प, सूचना तथा मनोबल से विकसित करना पड़ता है। हमारी आत्मा में महान शक्ति इसीलियें दी गई है कि हम उसका जितना भी संभव हो सदुपयोग करें, उससे यथेष्टलाभ उठायें और उस अनंत चेतन तत्व की समीची रूप से अभिवृद्धि करें।

**गायत्री मंत्र के जप से यह संभव है।**

**मानसिक पूजा विधि–** आज मानव जीवन इतना व्यस्त हो चुका है कि उसे अपने दैनिक जीवन में पूजा उपासना के लिये समय ही नहीं मिलता। अल्पावधि में मानसिक पूजा की विधि दी जाती है। एक ही स्थान पर बैठे–बैठे भक्त पूर्ण रूप से पूजा कर सकता है।

1. ॐ पादयोः पाद्यं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर शुद्ध जल से श्री भगवान् के चरण–कमलों को धोकर उस जल से अपने मस्तक पर धारण करना।

2. ॐ हस्तयोर्ध्यं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्री हरि भगवान के हस्त कमलों पर पवित्र जल छोड़ना।

3. ॐ आचमनीयं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्री नारायण देव को आचमन करना।

4. ॐ गन्धं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्री हरि भगवान के ललाट पर रोली लगाना।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

5. ऊँ मुक्ताफलं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्री भगवान के ललाट पर मोती लगाना।

6. ऊँ पुष्पं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्री भगवान के मस्तक पर और नासिका के सामने आकाश पुष्प छोड़ना।

7. ऊँ मालां समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर पुष्पों की माला श्री हरि के गले में पहनाना।

8. ऊँ धूपमाघ्रापयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्रीभगवान के सामने अग्नि में धूप छोड़ना।

9. ऊँ दीपं दर्शमामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर घृत का दीपक जलाकर श्री विष्णु भगवान के समाने रखाना।

10. ऊँ नैवेद्यं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्री भगवान को मिश्री का भोग लगाना।

11. ऊँ आचमनीयं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्री भगवान को आचमन कराना।

12. ऊँ ऋतुफलं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर ऋतुफल (केला आदि) से श्री भगवान को भोग लगाना।

13. ऊँ पुनराचमनीयं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर श्री भगवान का फिर आचमन करना।

14. ऊँ पूँगीफलं सताम्बूलं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर सुपारी सहित नागरपान श्री भगवान को कराना।

15. ऊँ पुनराचमनीयं समर्पयामि नारायणाय नमः। इस मंत्र को बोलकर पुनः श्री हरि को आचमन कराना। फिर सुवर्ण के थाल में कपूर को



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रदीप करके श्री नारायण देव की आरती करना।

16. ॐ पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि नारायणाय नमः।

इस मंत्र को बोलकर सुन्दर–सुन्दर पुष्पों की अंजली भरकर श्री हरि भगवान के मस्तक पर छोड़ना। फिर चार प्रदक्षिणा करके श्री नारायण देव को साष्टांग दण्डवत प्रमाण करना।

उक्त प्रकार से श्री हरि भगवान की मानसिक पूजा करने के पश्चात् उनका अपने ह्वदय–आकाश में शयन कराके भक्त अपने मन ही मन में श्री भगवान् के स्वरूप और गुणों का वर्णन करता हुआ बारम्बार सिर से प्रणाम करता है।

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं
विश्वाधारं गगन सदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यान गम्यं।
वन्दे विष्णुं भवभयहरणं सर्वलोकैकनाथम्।।

नमः समस्त भूता नामादि भूताय भुभृते।
अनेक रूप रूपाय विष्णवे प्रभविष्णवे।।

अन्त में यह स्तुति करें।

त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं ममदेव देव।।

इस प्रकार से प्रेम–भक्ति में लगे हुये भक्त का जब परमात्मा में अतिशय प्रेम हो जाता उस काले में उसको अपने शरीरादि की सुधि नहीं रहती।

## सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मण वंश विस्तार

**काम मिश्र की वंशावली–** 1530 के पश्चात् से काम मिश्र की वंशावचली सकराडीह से शुरु होती है। इनके 4 पुत्र अचल मिश्र, विचल



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मिश्र, सरंग मिश्र व रोहित मिश्र हुये।

**विहार में वंश विस्तार– सारंग मिश्र–** बिहार के शाहाबाद (बक्सर) जिले के गाँव दुमका में आकर बसे। इनके चार पुत्र हुये। इनके वंशज सरगहा परगने में भरे पड़े हैं। प्रथम पुत्र के वंशज दुमदुमा, कटरा, लुदुपुर और कुछिला में हैं। दूसरे पुत्र के वंशज चड़ेस, मुखराँव, तियरा, जलहरा, सुजाकपुर, रासेन, छीतनडेहरा, आवनवनु, खुदरू, मनीडेहरी, गरी, इन्दारी, कुढ़नी, वनकवहुअरा, कामदरी, सलभुआ, साहेड़पुर, तुर्की, और मोरथ में हैं। चौथे पुत्र के वंशज सारंगपुर, वावूकबहुरा, कोरा, सानिवरसा, विशुनपुरा, सकरवलिया और उपरि में हैं।

**रोहित मिश्र–** शाहाबाद (बक्सर) के सिमराद गाँव में जाकर बस गये। इनके वंशधर चौसा परगने के गाँव मंगराव, सिसराढ़, रामपुर, जगहरा, डेहरी, सागपुर, राजापुर, पिपराढ़, वरहना, चुनी, कमरपुर, मिश्र वलिया, कतपुरा, करहसी, अतरवना, विजवली, हरपुर, चिलविला, कहरिया, कासिमपुर, सिराही, सतोनया, सरजा, सटौरा, सिकरौरा, सईवाना, देवरिया, चिमनपुर, जैतपुरा आदि गाँवों में बसे हैं। कहीं कहीं मिश्र तो कीं कहीं राय व सिंह की पदवी है।

**विचल मिश्र– असम प्रदेश में कामक्षाधाम तीर्थ करने गये और वापस नहीं आये।**

**गाजीपुर में वंश विस्तार– अचल मिश्र–** इनके दो पुत्र हरिश्चन्द्र व खेरसड़ मिश्र हुये।

**हरिश्चन्द्र मिश्र–** चार पुत्र राजमल, संसार मिश्र, गोसाई मिश्र व पूरन मिश्र हुये।

**राजमल मिश्र–** इनके वंशज तिलवा गाँव में हैं।

**संसार मिश्र–** के पुत्र रामदेव मिश्र थे। इनके दिलीप मिश्र और भोइ मिश्र नाम के दो पुत्र हुये। सुहवल में पूरब पट्टी दिलीप मिश्र व पश्चिम पट्टी भोइ मिश्र के नाम से है।

**गोसई मिश्र–** की संतान धर्म परिवर्तन करके मुसलमान हो गये और रमवल में बसे हैं।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
**पूरन मिश्र**– 1707 में ये रेवतीपुर में आकर बस गये। यहाँ पर इनके सात पुत्र हुये।

**1. नरहर देव 2. रतन मिश्र 3. सहजमल मिश्र, 4. तेजमल मिश्र, 5. ठकुराई मिश्र, 6. हिनू मिश्र, 7. जटाम मिश्र**

नरहरदेव– मुसलमान हो गये। इनके वंशज कमसार आदि 14 गाँवों में रहते हैं। रतन मिश्र के वंशज वसुका गाँव में रहते हैं।

सहजमल मिश्र और तेजमल मिश्र के वंशज रेवतीपुर व पकड़ी गाँव में बसे हैं। तेजमल मिश्र के हररव मिश्र हुये इनके तीन पुत्र हृदय मिश्र रामधीन मिश्र व शाहवाज मिश्र हुये। शाहवाज मिश्र मुसलमान हो गये और शहवाज खाँ के नाम से प्रसिद्ध हुये।

**रतन मिश्र**– इनके तीन पुत्र राज मिश्र, मोहन मिश्र व विक्रम मिश्र हुये, विक्रम मिश्र कौशिकपुर चले गये। शेष लोग वसुका मे रह गये।

**सजमल मिश्र**– इनके तीन पुत्र वहोरिक राय, मामदेव राय व भीषमदेव राय हुये। इस समय मिश्र से राय की पदवी हो गई।

मामदेव और भीषमदेव के वंशज रेवतीपुर, हरिहरपुर व हसनपुरा में रहते हैं।

मामदेव राय के तीन पुत्र खेमकर छत्रसेन राय व वाहन राय हुये। इनके वंशज की रेवतीपुर, हरिहरपुर व हसनपुरा में रहते हैं।

भीषमदेव राय के चार पुत्र धीनहर राय, घूरा राय, श्रीकान्त राय व दुरपत राय हुये।

ठकुराई मिश्र के वंशज केवल रेवतीपुर गाँव में रहते हैं। हिनू मिश्र के वंशज भी इसी गाँव में रहते हैं। जटाम मिश्र के वंशज डेड़गाँवा में रहते हैं। इनके दो पुत्र नोखराज मिश्र व नौनसी मिश्र हुये। इन्हीं से इनके वंश का विस्तार हुआ।

**बहोरिक राय**– चार पुत्र दुल्लह राय, गनेश राय, वैरिसाल राय व नागमल राय हुये।

गनेशराय के वंशज रामपुर मे रहते हैं। नागमल राय व वैरिसाल


RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
राय के पुत्र रेवतीपुर में ही रहते हैं।

**दुल्लह राय–** के चार पुत्र हिरसिंह राय, सिरसिंह राय, मानसिंह राय व गम्भीर राय हुये। गम्भीर राय रेवतीपुर से ही मुहम्मदाबाद में जाकर बस गये। हिरसिंह राय सहित तीन पुत्र शेरपुर चले गये।

## रेवतीपुर गाँव से बाहर जाकर बसे परिवारों का विवरण

**प्रयाग–** इलाहाबाद में सिरसा रामनगर के निकट दो एक गाँव तथा ऊचाडीह स्टेशन के पास एवन्ता गाँव में रेवतीपुर के सकरवार भूमिहार बसे हैं।

**वाराणसी–** वाराणसी शहर में हिन्दू विश्वविद्यालय के समीप चितईपुर गाँव, पिण्डरा बाजार के पास उसरा गाँव में रेवतीपुर के कुछ परिवार बसे हैं।

**विहार प्रदेश में–** छपरा जिले के ढेववा आदि बहुत से गाँव में संकरवार भूमिहार रेवतीपुर से जाकर बसे हैं।

**बक्सर–** के समीप दुधारक चक में मिश्र लोग रेवतीपुर से जाकर बसे हैं इनकी मिश्र की उपाधि अब भी चल रही है।

**डुमका–** डेढ़गाँवा से जटाम मिश्र के वंशज सेंधरिया गाँव में जाकर बसे हैं।

**पटना–** मोर मोकामा के संकरवार ब्राह्मण मूलतः रेवतीपुर के हैं।

**भागलपुर–** इस जिले के रानाडीह आदि गाँवों में सकरवार भूमिहार रहते हैं। जो शेरपुर व रेवतीपुर से गये। मुंगेर इस जिले के शिवुकुण्ड में संकरवार ब्राह्मण हैं।

**बंगलादेश–** बंगलादेश में सांकृत गोत्रीय भूमिहार ब्राह्मण खुलना में हैं पं0 बंगाल के चन्दनपुर, चौबीस परगना, के चावर, जैसार के रंगटा ससटा, वाड़री, मुर्शिदाबाद, के लालगोला, मोहदिया, गोपालपुर, दादपुर मड़ीचक, शेरवालिपुर, मिर्जापुर, इसमालीपुर, रंगपुर, जिले में बदरगंज उलीपुर, मालदह जिले के ऐरो, हवड़ा जिले के गंगाधरपुर, धूमा, सिराव आदि स्थानों में समृद्ध और प्रतिष्ठित लोग वास करते हैं। चन्दनपुर चतरा के मिश्र वंशज बहुत ही प्रतिष्ठित हैं, टंगराके मिश्र वंशज दीपाराम मिश्र



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
गाजीपुर सकराडीह से ही गये थे। वीरता के कारण नवाब ने उनके पुत्र को "हजारी" उपाधि दी थी। तब से हजारी कहलाते हैं। (मुर्शिदाबाद) में माणिक चक का राय वंश प्रसिद्ध है। आरा के कुछिल दुमदुमा से इस गाँव के आदि पुरुष वहाँ गये थे। लाल गोला के राय वंश के पूर्वज आरा चौसा के विनौली से गये थे। शेरवालीपुर के राय वंशजौ पूर्वज गाजीपुर के रामपुर से गये थे।

## पं० दुल्लह राय शर्मा के वंशजों की प्राचीन तथा अर्वाचीन अवस्थाओं का वर्णन

**पं० दुल्लह राय शर्मा के परिवार का रेवतीपुर से शेरपुर आगमन–**

सहजमल राय के 3 पुत्र भीषमदेव, भामदेव व वहोरिक राय हुये। वहोरिक राय के 6 पुत्र नागमल राय **दुल्लह राय**, गनेश राय, वेरिसाल राय, इनलसी राय व सावलदेव राय हुये। रेवतीपुर में वहोरिक राय का बहुत बड़ा परिवार हो गया। खेती ही मुख्य धन्धा था।

दुल्लह राय का जन्म सन् 1690 के लगभग हुआ था। ये छः भाई थे। कालान्तर में परिवार में बँटवारा हो गया। गनेशराय का परिवार रामपुर में जाकर बसे। अन्य लोग भी इधर उध्र जाकर बसने लगे। दुल्लह राय के चार पुत्र हिरसिंह राय, सिरसिंह राय, मानसिंह राय व गम्भीर राय हुये। इनमें गम्भीर राय सबसे छोटे थे। वे अपने तीनों भाइयों का साथ छोड़कर मुहम्मदाबाद जाकर बसे गये। रेवतीपुर में उन्हें जमीन से कोई हिस्सा नहीं मिला। हिरसिंह राय, सिरसिंह राय व मानसिंह राय जब बड़े हो गये तो इन लोगों ने रेवतीपुर से पूरब गंगा के पूरब दियारे में जाकर गो पालन शुरु किया। इन तीनों भाइयों में मानसिंह राय सबसे हृष्ट–पुष्ट, निर्भीक व पहलवान थे। 6 फुट से अधिक लम्बाई गौर बदन व अत्यधिक मिलनसार थे। उन्होंने रेवतीपुर में बसे अन्य जातियों को साथ लेकर गंगा के दियारे में आकर डेरा डाले। उस समय 50 से अधिक गायें रखते थे। दियारे में गायों को चराकर केवल खुले मैदान में रात को गायों को बाँध दिया जाता था।

वीरपुर के काश्यप गोत्रीय भूमिहार ब्राह्मणो का इस दियारे पर अधिकार था। मानसिंह मिलनसार थे उन्होंने वीरपुर वालों से अनुमति



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
लेकर 500 बीघा भूमि धरमपुरवा के निकट खेती योग्य बनाया। इस का में अन्य जाति के लोगों ने इनका साथ दिया। सन् 1755 के लगभ हिरसिंह राय व सिरसिंह राय का परिवार भी आ गया। कुछ दिनो त शेरपुर गाँव के पूरब पूरवा पर डेरा डाले और खपरैल का मकान बनाये लेकिन बाढ़ से घर हर साल बह जाता था। बाद में ये लोग वर्तमान शेरपु खुर्द में जाकर बसे। यहाँ पर तीनों भाइयों के परिवार का विस्तार हुआ इस पुरवे का नाम शेरपुर रखा गया क्योंकि सकराडीह के निकट शेरपु नामक स्थान से आये थे। सन् 1755 के लगभग पं0 दुल्लहराय शर्मा क देहावसान हो गया था।

शेरपुर का गंगा का दियारे रेवतीपुर के पूरवी छोर से वीरपुर त उत्तर में तमलपुरा गाँव से पूरब आमघाट तक लगभग 14 किमी0 क्षेत्र फैला था। यह पूरी भूमि कटीली झाड़ियाँ, मूंज (पतलो) कास आदि आच्छादित थी। इसमें जंगली शूअर, हिरन, नीलगाय तथा जहरीले सां रहते थे। हमारे पूर्वजों में पहले वीरपुर गाँव से पश्चिम धरमपुरवा के कि कुछ भूमि साफ करके खेती योग्य बनाये। रेवतीपुर से पं0 दुल्लह राय क परिवार 1765–1780 तक शेरपुर में आकर बस गया था। पहले शेरपु खुर्द में कच्चा मकान बनाये। कच्चा कुंआ खोदकर पानी पीने की व्यवस्थ किये। जो बाद में 1800 के लगभग लाखौरी ईंटों को पकाकर पक्का कुंअ बनवाये। इसी कुयें के समीप शिव जी का लिंग स्थापित करके पूज करने लगे। वह कुआँ तथा वह शिवलिंग आज भी हमारे पूर्वजों की आस्थ का प्रतीक मौजूद है। उस समय तक तीनों भाइयों के परिवार में बंटवार हो गया था तीनों भाईयों का देहावसान सन् 1780 से 1795 तक हो चुक था।

शेरपुर खुर्द से दक्षिण दियारे में ऊँची भूमि देखकर तीनों भाइय का परिवार सन् 1785 के लगभग आकर बसना प्रारम्भ कर दिया था। ज बाद में बड़ी बस्ती हो गई और शेरपुर कलाँ के नाम से पोस्ट आफिस पता दर्ज हुआ। इस प्रकार हमारे पूर्वजों की लगभग 4 पीढ़ी खेती योग्य बनाने, मिट्टी खोदकर खपरैल का घर बनाने में समाप्त हो गई। गाँव के तरफ जो गड़ही दिखाई पड़ती है वह हमारे पूर्वजों के कठोर श्रम की गवाह है। कुछ लोग शेरपुर से सेमरा में जाकर डेरा डाले और वहाँ मकान



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

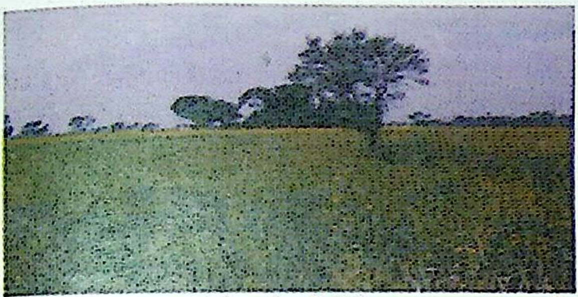

गंगा जी का दियारा जिसे हमारे पूर्वजों ने सन् 1750 से 1800ई0 तक खेतीं योग्य बनाया था।

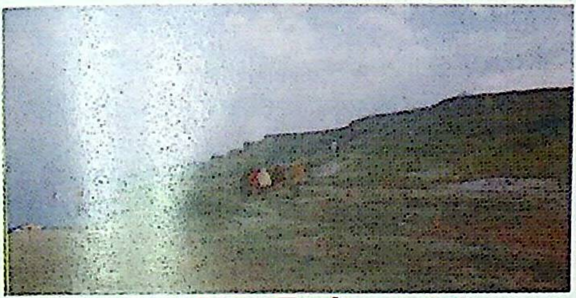

गंगा जी का दियारे का दृश्य

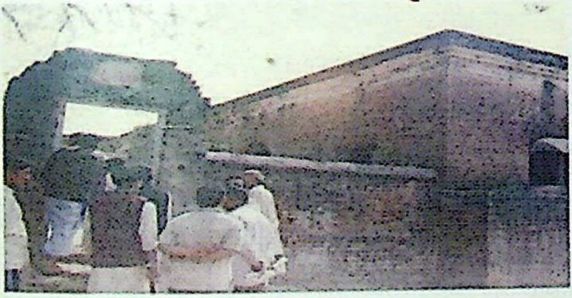

शेरपुर का प्राचीनतम पूर्वी प्राइमरी पाठशाला जहाँ 1945 में पं0 जवाहर लाल नेहरू ने भोजन किया था

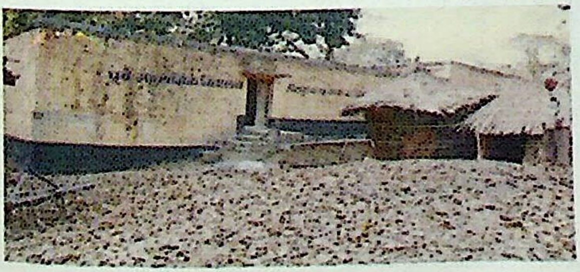

शेरपुर का प्राचीनतम पूर्वमाध्यमिक विद्यालय

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ना लिये। शेरपुर के दियारे की भूमि को खेती योग्य बनाने में भूमिहार ाह्मणों के साथ–साथ ब्राह्मण कुर्मी, गड़ेरिया, मल्लाह, कमकर, अहीर, ोड़, लोहार, हरिजन आद जातियों के लोग भी मदद किये लेकिन इन ोगों ने भूमि में कोई हिस्सा नहीं लिया। कालान्तर में ब्राह्मणों को दान तथा अन्य जातियो को उनकी सेंवा के बदले कुछ भूमि दी गई। सन् 952 में जमींदारी समाप्त होने के पश्चात् सिकमी में भूमिहार ब्राह्मणों की ामीन अन्य जातियों को भी कुछ न कुछ मिल गई। सन् 1880–85 में ारपुर की भूमि का बन्दोबस्त हुआ था। सन् 1910 में शेरपुर पूरी भूमि ोनों पट्टी में तकसीम हो गयी। इसके पूर्व अकबर बादशाह का न्दोवस्त लागू था जिसे टोंडरमल बन्दोंबस्त के नाम से जाना जाता था। ागान अच्छी किस्म की भूमि व मध्य किस्म की भूमि के अनुसार निर्धारित ाती थी। भूमि लट्ठा और कड़ी में नापी जाती थी। लगान दस साल के ौसत पैदावार और औसत मूल्य पर निर्धारित होती थी। इस प्रकार ौसत पैदावार का 1/3 भाग लगान के रूप में वसूल होती थी।

लगान न जमा करने के कारण इस गाँव की भूमि सन् 1802 ई0 नीलाम होने जा रही थी। लेकिन परसुरामपट्टी के चौधरी घराने के ालीचरण राय ने लगान जमा करके नीलामी से बचाया था। दूसरी बार न् 1812 ई0 में यहाँ जमीन नीलाम हुई थी लेकिन 9 मई 1819 के ीलामी रद्द हो गई। बड़े थोक करके शेरपुर व रेवतीपुर तालुक को 35 ाँजों में कर दिया गया। जमीन के बंटवारे के आधार पर शेरपुर 15166 0 3 आना 3 पाई तथा रेवतीपुर 9834 रु0 12 आना 9 पाई कुल 25001 0 मालगुजारी देने लगे। कुल भूमि 29843 एकड़ थी।

शेरपुर की भूमि तीनों भाइयों के परिवार में बराबर हिस्से में टवारा हुआ था।

**ेती की स्थिति**– शेरपुर की भूमि गंगा जी के बाढ़ की मिट्टी और ालू से बनी है। पूरी मिट्टी दोमट मटियार है। गंगा के निकट की भूमि लुई है। सन् 1964 तक सिंचाई का कोई साधन नहीं उपलब्ध था। पूरी ी पूरी खेती जाड़े की बरसात पर निर्भर थी। खरीफ की फसल गंगाजी ी बाढ़ की स्थिति पर निर्भर थी। खरीफ में कोदो, सांवा, ज्वार, बाजरा, रहर, आदि की बुवाई होती थी। बाढ़ कम या ज्यादा प्रतिवर्ष आती थी



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

जिससे खरीफ की फसल शायद ही मिल पाती थी। यदि देर से आती थी तो सांवा, टागुन, कोदो जैसी फसलें मिल जाती थीं। अन्य पूरे परिवार का भरण पोषण मुश्किल होता था। गरीब जनता तबाह थी। खेती भी पुराने ढंग से, पुराने बीज के प्रयोग से होती थी पैदावार भी प्रति बीघा बहुत कम होती थी।

इस समय आधुनिक ढंग से खेती होने लगी है। अच्छा उर्वरक, कीटनाशक दवायें एवं अन्य तकनीक विकसित होने से अब में आमूल परिवर्तन हो गया। अब केवल मशीन से खेती होती है। हल अब देखने को भी नहीं मिलते। इस गाँव में 300 से अधिक ट्रेक्टर का हैं। सबके पास कुछ न कुछ अपना सिंचाई का साधन है। सर नलकूप भी भारी संख्या में कार्यरत है। खेत की कटाई मड़ाई आदि मशीन से होने लगी है। किसान अब नकदी फसल जैसे आलू, मसूर, मटर; सरसो आदि अधिक बोने लगे हैं। अब यहाँ की खेती भी लाभ हो गई है।

**आवागमन के साधन–** आज से 250 वर्ष पहले जब गाँव बसा था समय बरसात में नाव से या तैर कर बाहर जाना पड़ता था। अन्य में केवल पद यात्रा करनी पड़ती थी। विवाह आदि अवसर पर डोली प्रयोग होता था वह भी केवल उच्च वर्ग में। अन्य जाति के लोग जाकर ही विवाह शादी करते थे। सन् 1870 ई0 के पूर्व तो कलक बनारस आदि शहरों में भी लोग पैदल ही जाते थे। सामान बैल या या गदहे से ढोया जाता था। बड़ी नावों से भी कलकत्ता, पटना, बन आदि शहरों से सामान आता था। कच्ची या पक्की सड़क का निशान नहीं था। सन् 1936 में प्रथम बार इस गाँव के माननीय वीरेश्वर राय वकील गाजीपुर जिला बोर्ड के चेयरमैन बने थे। उन्होंने कुन्डेसर शेरपुर के बड़का भागड़ तक कच्ची सड़क बनवाकर कंकड़ विछवाया लेकिन दो भागड़ों में पुल न होने से बरसात में कोई लाभ नहीं था।

इस गाँव से कुण्डेसर तक पक्की सड़क सन् 1975 के पश बनी। सन् 1947 के पूर्व इस गाँव में शायद ही किसी के पास बाईसिकि रहीं हो। आज आवागमन कितना सुलभ हो गया है। अधिकांश लोगों पास अपना साधन मोटर साइकिल, साइकिल, जीप, कार, टेम्पो आदि



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

एक सरकारी बस भी गाजीपुर तक इस गाँव से आती जाती है। सन् 1954 के पूर्व इस गाँव में किसी ने रेडियो, टेलफोन, टी0वी0 आदि नहीं देखा था। सन् 1954 में पंचायती रेडियो इस गाँव के अयोध्या राय तत्कालीन गाँव सभापति के दरवाजे पर आई उसे देखने और सुनने के लिये सैकड़ों लोग एकत्रित होते थे।

आज अधिकांश घरो में रडियो टी.वी. मोबाइल फोन, आदि मौजूद है। छोटी छोटी जाति के लोग भी इन साधनों का प्रयोग बड़ी अधिक संख्या में करने लगे हैं। इस गाँव में 15 से अधिक पी0सी0ओ0 केन्द्र काम कर रहे हैं।

**शिक्षा की स्थिति–** गाँव के बसने यानि 1750 ई0 से 1900 ई0 तक शिक्षा नगण्य थी। 1850 के पश्चात् कतिपय सम्पन्न लोग बाहर वाराणसी, गाजीपुर आदि शहरों में जाकर शिक्षा ग्रहण करने लगे थे। गाँव में कोई प्राइमरी पाठशाला नहीं था। संस्कृत की पढ़ाई स्थानीय ब्राह्मण परिवारों द्वारा होती थी। 1900 तक बाहर से विद्यार्थी आकर शेरपुर में संस्कृत भाषा पढ़ते थे। उनको यहाँ के लोग अपने घर रखकर भोजन व्यवस्था करते थे। संस्कृत के अच्छे अच्छे विद्वान यहाँ 1900 शताब्दी में हुये हैं। शिक्षा के लिये गाँव में प्राइमरी स्कूल सर्वप्रथंम 1890 या 1900 में पश्चिमी स्कूल नाम से खुला था। सन् 1926 ई0 में मिडिल स्कूल तथा 1931 में एक दूसरा प्रइमरी स्कूल पूरब तरफ खुला था। सन् 1960 के लगभग राजकीय प्राइमरी स्कूल खुला सन् 1975 तक शिक्षा की बहुत कमी थी। आजकल प्राइवेट स्कूल खुलने से शिक्षा का प्रसार तेजी से होने लगा है। एक हायर सकेन्डरी स्कूल है। लड़कियो के लिये अलग से स्कूल की नहीं व्यवस्था है। शिक्षा के क्षेत्र मं आज भी यह गाँव सन्तोषजनक उन्नति नहीं कर सकः है। बहुत कम लड़के लड़कियाँ आज के वैज्ञानिक युग में तकनीकी शिक्षा का लाभ उठा पा रहे हैं। शहरों में जिन लोगों के पढ़ने की व्यवस्था हो पा रही है वहीं लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

बीसवीं शताब्दी में इस गाँव में कतिपय विद्वान भी हुये हैं। डा0 तिलेश्वर राय डा0 गंगासागर राय आदि शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी ख्याति प्राप्त किये हैं। डा0 गंगासागर राय का एक लड़का भौतिक विज्ञान में पी0एच0डी0 करके अमेरिका के विश्वविद्यालय में नौकरी पाया है। हायर



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2
सेकेन्डरी स्कूल के प्राचार्य के पद पर भी इस गाँव के कई व्यक्ति रहे डा0 व इन्जीनियर भी इस शताब्दी में इस गाँव के लोग हुये हैं। शारदाचरण राय इस गाँव से प्रथम एम.वी.एस. हुये, श्री मधुमंगल प्रथम इन्जीनियर बने और बिहार में मुख्य अभियन्ता के पद तक पहुँचे अजय कुमार पुत्र चन्द्रबली राय मेधावी छात्र इस गाँव का यू0पी0 बोर्ड सन् 1987 की परीक्षा में बारहवीं कक्षा में 8वां स्थान प्राप्त किया तथा वर्ष इन्जीनियर परीक्षा में भी 16वां स्थान प्राप्त किया। अजय कुमार ने 1997, 1998 व सन् 1999 की भारतीय सिविल परीक्षा में भी सफलता प्र करके इस गाँव का नाम रोशन किया। इसने भारतीय इन्जीनियर परीक्षा में एलक्ट्रानिक्स में 9 वां स्थान प्राप्त किया। डॉ0 सिद्धेश्वर भौतिकी में डी0फिल किये हैं। भारत सरकार में भौतिक विज्ञान प्राध्यापक रहे हैं।

अन्य भी कई लड़के इस गाँव का नाम बाहर रोशन किये हैं। गाँव के बच्चे भरतवर्ष में कई शहरों में उच्च पद पर नोकरी कर रहे इस गाँव के डा0 बृजभूषण राय अतिरिक्त कृषि निदेशक उ0प्र0 रहे

**सामाजिक व्यवस्था–** इस गाँव में सभी जाति के लोग मिलजुल रहते हैं। दशहरा, दीपावली, होली, रामनवमी, ईद, मुहर्रम आदि त्योह को समरसता के साथ मनाते हैं। यहाँ पर पुराने समय से वृद्धजनों सम्मान होता रहा है। उच्च जाति के लोग भी निम्न जाति के बुजुर्गों भइया, चाचा, बाबा कहकर सम्बोधित करते हैं। ब्राह्मणों का पूरा सम्म किया जाता है। उनके बैठने के लिये श्रेष्ठ आसन दिया जाता है त त्योहारों पर उनको विशेष रूप से सम्मानित किया जाता है। काशीद की पूजा यद्यपि युदंवशी लोग करते हैं लेकिन सभी जाति के लोग अप पूरा सहयोग प्रदान करते हैं सहभोज में सभी जाति के लोग एक स बैठकर भोजन करते हैं।

प्राचीन समय के समय में पारिवारिक व्यवस्था बड़ी उत्तम थी संयुक्त परिवार था एक छत के नीचे सैकेड़ों सदस्यों का परिवार रहता था परिवार के मुखिया का सभी सम्मान करते थे। घर के अन्दर सास जेठानी का शासन चलता था। बहुयें सास, सुसर, एवं बुजुर्गों की से करना अपना धर्म समझती थीं। पुत्र अपने माता–पिता, चाचा–चाची आज्ञाकारी होता था। परिवार के सब लोग मिलजुल कर सुख–दुख


RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शेरपुर गाँव की चौपाल का दृश्य

गौ पूजन

शेरपुर गाँव के गंगातट पर सन् 1949 के नागा यज्ञ का दृश्य

यज्ञ का अनुष्ठान

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

हाथ बंटाते थे। पारिवारिक जीवन सुखमय था। आज पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव परिवार पर पड़ रहा है। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। पारिवारिक जीवन कष्टमय हो रहा है। सरकार भी हम दो हमारे दो को प्राथमिकता दे रही है, सास–बहु के रिश्ते में काफी खटास हो गयी है। माता–पिता का पवित्र सम्बन्ध भी पुत्र नहीं मानने को तैयार हैं। शिष्य गुरु का मखौल उड़ाता है। गुरु भी शिष्य से हाथ मिलाता है और साथ–साथ पान, बीड़ी, सिगरेट आदि पीता है। ऐसा बदलाव गत दो दशक से आने लगा है। सेवक मालिक का सम्बन्ध भी समाप्त हो चुका है। चारो ओर निराशा ही दिखाई पड़ रही है। राजनीतिक पार्टियाँ वोट प्राप्त करने के लिये जातिगत भावना पैदा करके सामाजिक समरसता को समाप्त कर रही हैं। आरक्षण का लाभ कुछ विशेष जाति को देने से उच्चवर्ण के बच्चों में हीनता की भावना, निराशा एवं तनाव हो गया है जिससे अनेक सामाजिक बुराइयाँ पैदा हो रही हैं।

**स्वास्थ्य**– गंगाजी की गोदी में बसने के कारण इस गाँव के लोगों का स्वास्थ्य सदैव अच्छा रहा है। पहले दूध की प्रचुरता थी। इस गाँव में कई पहलवानी अखाड़े चलते थे। शेरपुर का पूरब का पहलवानी अखाड़ा जो भीमलराय के समय से चल रहा था बड़ा नामी था। कुश्ती के क्षेत्र में इस गाँव के बहुत अच्छे पहलवान हुये हैं। उन्नीसवीं शताब्दी में भीमल राय, मुरली उपाध्याय, भगवान सरन उपाध्याय अच्छे कुश्ती लड़ाकू रहे हैं। बीसवीं शताब्दी के प्रथम तीन दशक में रामसुमेर राय, रामलक्षन राय, सीरी उपाध्याय, करिया उपाध्याय, फकीर गड़ेरिया व इन्द्रदेव राय कुश्ती में काफी नाम कमाये हैं। पश्चिम के अखाड़े में रामलक्षन राय पहलवान, इन्द्रदेव राय पहलवान, देवरिया जनपद में तमकुही स्टेट में कुश्ती लड़ने जाया करते थे और काफी इनाम जीत कर लाते थे। सन् 1947 के पश्चात के पहलवान नागा यादव, जगदीश राय, हरिहर राय व विनय कुमार राय शेरपुर खुर्द तथा शिवकुमार राय, राम आधार राय, राम नारायण राय,बैजनाथ राय आदि अच्छे पहलवान हुये हैं। नौजवानों में नारायन राय एक वर्ष मिस्टर बी० एच० यू० रहे हैं।

कुश्ती के अलावें खेलकूद में भी इस गाँव के कुछ युवक बाहर नाम किये हैं। शेरपुर खुर्द के विनय कुमार राय सीमा सुरक्षा बल में कार्य



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant
करते हुये पहलवानी तथा खेलकूद में काफी ईनाम पाये हैं। वालीवाल
खेल इस गाँव का प्रमुख खेल है। इस क्षेत्र में कई नवयुवक प्रदेश
के वालीवाल के खिलाड़ी हुये हैं। इस खेल के आधार कई युवकों को
कोटा से नौकरी भी प्राप्त हुई है। स्वर्गीय नारायण राय साट पुट
जेवलिन थ्रो में प्रदेश स्तर पर नाम किये हैं।

**चिकित्सा सुविधा–** शेरपुर गाँव के बसने के समय से 50 वर्ष
स्थानीय रूप से चिकित्सा सुविधा नहीं थी। आयुर्वेद की प्रचलित द
लोग प्रयोग करते थे जो स्थानीय रूप से स्वयं बनाते थे। बुखार आने
तुलसी की पत्ती का काढ़ा, शिहोर की पत्ती का काढ़ा बनाकर लोग
थे। ज्यादा बीमार होने पर चारपाई पर सुलाकर चार आदमी कन्धे
रखकर स्थानीय मुहम्मदाबाद कस्बे तक दवा कराने को ले जाते थे।19
तक इस गाँव में केवल आयुर्वेदिक दवायें ही प्रयोग की जाती थीं। इस
पश्चात् डा0 शिवपूजन उपाध्याय होमियोपैथिक दवा देने लगे थे। 18
के पश्चात् से 1960 तक इस गाँव में दो वैद्य जवाहर पान्डे, केदार पा
घरेलू चिकित्सक थे। झाड़ फूँक ज्यादा होता था। एक राजकीय आयुर्वेदि
चिकित्सालय बाद में काम करने लगा। इस समय एक अस्पताल का भव
बन गया है। अस्थायी रूप से एक डाक्टर कुछ दवायें बाँट रहे
एलोपैथिक दवाओं की कई दुकान खुल गई हैं जहाँ लोग अन्दाज से
दवायें खरीदकर सिरदर्द, बुखार आदि में प्रयोग करते हैं। मुहम्मदाबाद
चिकित्सा कराने ज्यादातर लोग जाते हैं।

पहले जच्चा–बच्चा केन्द्र इस गाँव में नहीं था। स्थानीय स्थानी
दाइयाँ अपने अनुभव के आधार पर प्रसव कराया करती थीं जिसे जच्
बच्चा की जान भी चली जाती थी। बाल मृत्युदर पहले इसीलिये अधि
थी। अब इसमें काफी सुधार हुआ है। प्रसव कराने अस्पताल में औ
जाने लगी हैं जहाँ सरकार द्वारा विशेष सुविधा प्रदान की जा रही
असाध्य बिमारियों का इलाज शहरों में जाकर लोग कराने लगे हैं। झा
फूंक कम हो गया। ओझा, सोखा भी कम हो गये हैं।

**सांस्कृतिक स्थिति–** इस गाँव में आज भी पुरानी परम्पराओं ए
संस्कारों का पालन हो रहा है। बच्चे के जन्म से लेकर मृत्योपरान्त त
सभी संस्कार वैदिक रीति से पूरा किये जाते हैं। लड़के के जन्म के सम



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

हमारे संस्कार, तुलसी पूजन का दृश्य

मुन्डन संस्कार

गंगा पूजन का दृश्य

पद्म श्री सीताराम के भेड़ों का झुण्ड

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
ोहर, मुन्डन संस्कार, विद्यारम्भ, यज्ञोपवीत, विवाह आदि संस्कार बड़ी द्धा से पूरे किये जाते हैं। मृत्योपरान्त श्राद्ध गयाश्राद्ध, पितृपक्ष में श्राद्ध ादि कार्य भी वैदिक रीति से सम्पन्न होते हैं। इस अवसर पर समाज के र वर्ग के लोग सम्मिलित होते हैं। देवी–देवताओं की पूजा, यहाँ के लोग ड़ी श्रद्ध से करते हैं। मूर्ति पूजा में इनका अटूट विश्वास है। गंगा की ूजा, तुलसी की पूजा, पीपल वृक्ष की पूंजा, महावीर जी की पूजा, ामाख्या भवानी एवं रेवतीपुर की भवानी की पूजा बहुत धूम धाम से की ाती है।

**ाध्यात्मिक उन्नयन–** शेरपुर के लोगों की भक्ति भावना एवं साधु सन्तों ी सेवा में विशेष रूचि रहती है। यहाँ के गंगा के तट पर प्राचीन काल े ही साधु सन्त आकर चौमास बिताते रहे हैं। उन्नीसवीं शताब्दी के ड़े–बड़े संत यहाँ आये हैं और सम्मान पाये हैं। जनसंख्या के बढ़ने के ाथ अध्यात्मिक क्षेत्र में काफी रूचि बढ़ी है। बीसवीं शताब्दी में इस गाँव ं कई बड़े बड़े यज्ञ सम्मादित हुये हैं। अठारहवीं शताब्दी तक केवल शिवजी एवं भगौती जी मुख्य देवता थे। उन्नीसवीं शताब्दी में हनुमान जी ा मन्दिर बना और रामायण तथा हरिकीर्तन का प्रचलन अधिक हुआ। सन् 1950 के लगभग गंगा जी के तट पर नागा बाबा का भारी यज्ञ सम्पादित हुआ। सन् 1995 में गंगाजी के तट पर 4 माह तक सीताराम संकीर्तन हुआ था सीताराम महायज्ञ त्यागी बाबा ने कराया। इस समय इस गाँव में प्रत्येक सप्ताह कहीं न कहीं 24 घण्टे का अखण्ड रामायण पाठ, तथा हरिकीर्तन होता रहता है।

पहले ज्यादातर दरवाजों पर रात को या दिन में दोपहर को रामायण की कथा हुआ करती थी। भौतिकवादी युग में अब किसी के पास इतना समय नहीं रह गया है। फिर भी हरिकीर्तन में विशेष रूचि है।

**कुटीर उद्योग–** यह गाँव पूर्ण रूपेण कृषि पर निर्भर है कोई उद्योग धन्धा नहीं है। कुटीर उद्योग के रूप में पहले कोल्हू, कुम्हार का चाक, पत्तल बनाने का कार्य, मूज से रस्सी बनाने का कार्य, बढ़ई गिरि, सोनारी का कार्य, जुलाहों द्वारा कपड़ा बुनने का कार्य होता था। जो अब समाप्त हो गया है। मूज से रस्सी बनाने, कुम्हार द्वारा मिट्टी के बर्तन बनाने तथा धरिकारों द्वारा बांस से खंचिया, आदि बनाने का कार्य थोड बहुत हो रहा



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

है। प्लास्टिक की गिलास, पत्तल, प्लेट आदि बाजार में उपलब्ध होने कारण कुम्हार का उद्योग प्रभावित हुआ है। डीजल तथा बिजली के इं द्वारा तेल की पेराई होने से कोल्हू समाप्त हो गये हैं। अब कोल्हू का खोजने पर भी नहीं मिलता। घर में धान कूटने, चकरी से दाल द जाता में आटा पीसने का कार्य तो बिल्कुल समाप्त हो चुका है।

**पानी पीने के जलश्रोत–** अठारहवीं शाताब्दी में इस गाँव में हमारे पू जब आये तो पीने के पानी का श्रोत एक मात्र गंगाजी का जल कालान्तर में एक कच्चा कुंआ शेरपुर खुर्द में बना। उसी को बाद स्थानीय रूप से ईंट पकाकर पक्का बनाया गया। शेरपुर कलाँ गाँव बसने पर 1820 के पश्चात् पक्के कुये तैयार हुये थे। इस समय हर में हैन्ड पाइप अपना निजी लगा है। सरकार द्वारा भी हैन्ड पाइप लग जा रहा है। नलकूप द्वारा भी पानी की व्यवस्था की जा रही है।

**पहनावा–** हमारे पूर्वजों के समय में कपड़ा का बहुत अभाव था अंग्रे के शासन के समय इस देश से रूई लन्दन चली जाती थी। वहाँ कपड़ा बनकर आता था। स्थानीय रूप से कुछ जुलाहे मोटिया कप मारकीन बनाकर बेचते थे। मुख्य रूप से मारकीन ही की धोती, कु गमछा व बांहदार बनियाइन तैयार होती थी। इसी का लंगोटा भी बन था। आज सूती कपड़ा देखने को नहीं मिल रहा है। या है भी तो ब महंगा। अब बनावटी कपड़ा सब लोग पहनने लगे हैं।

पहले स्थानीय रूप से तैयार किया हुआ गाँव के मोची का च का जूता लोग पहनते थे। बाजार में केवल लुधियाना जूता मिलता था विवाह आदि अवसरों पर पहना जाता था। आज की तरह हवाई चप्प तथा फैन्शी जूते नहीं मिलते थे। चप्पल की जगह पर काठ की ब कठिनई जिसमें रस्सी का फीता तथा खड़ाऊँ लोग पहनते थे। ज्यादात लोग नंगे पैर रहते थे।

**प्रकाश व्यवस्था–** हमारे पूर्वज जब गंगा की दियारा में बसने आये त प्रकाश की कोई व्यवस्था नहीं थी। अठारहवीं शताब्दी तक मिट्टी का तेल भी उपलब्ध नहीं था लोग सरसों का तेल या वरे (कुसुम) के तेल क दीपक जलाकर प्रकाश व्यवस्था करते थे। आज बिजली ने सर्वत्र प्रकाश फैला दिया है। आज भोजन भी बिजली से ही बनने लगा है।

●



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

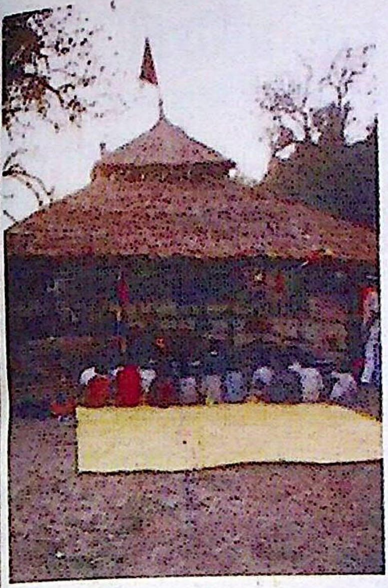

सन् 1994 का सीताराम महायज्ञ का मंडप

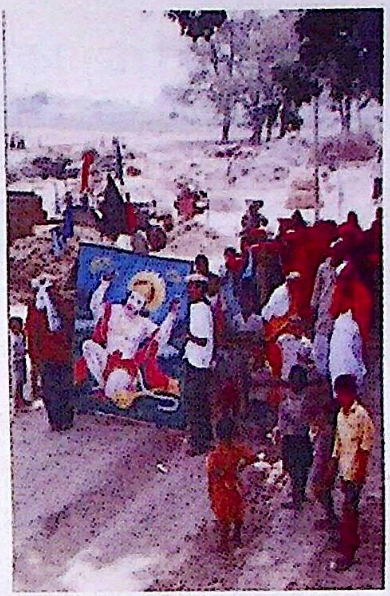

शेरपुर के हनुमान जी की पूजा का दृश्य

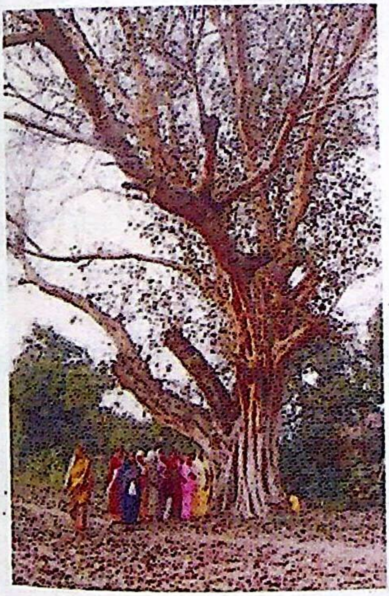

शेरपुर की सांस्कृतिक धरोहर पीपल का पूजन

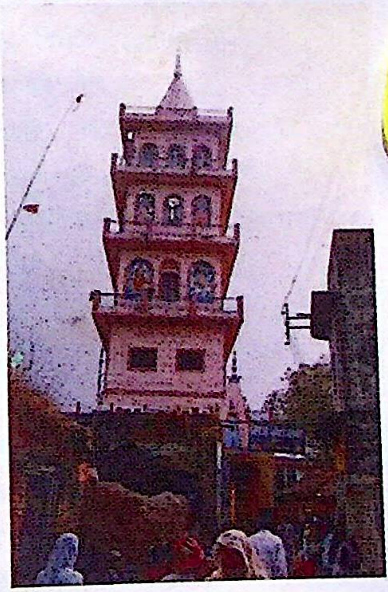

रेवतीपुर की भगौती जी का मन्दिर जहाँ से हमारे पूर्वज आये हैं

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# पं० दुल्लह राय शर्मा के ज्येष्ठ पुत्र हिरसिंह राय की वंशावली

**हिरसिंह राय–** इनके पाँच पुत्र तारापति राय, सुलतान राय, जगनारायण राय, रुद्रसिंह राय व कल्ली राय हुये।

1. **तारापति राय का कुर्सीनामा–** इनके दो पुत्र सुमिरन व मनराखन राय हुये। ये लोग सेमरा गाँव में जाकर बसे गये।

**प्रथमपुत्र सुमिरन राय का परिवार–** इनके 6 पुत्र गयन्द राय, जैश्री राय, सीरी राय, नन्हकू राय, घनश्याम राय व गोपाल राय हुये। इनमें केवल गयन्द राय का वंश चला। शेष 5 नवाल्द हो गये।

**गयन्द राय–** इनके चार पुत्र अविलास राय, रामप्रसाद राय, रामदास राय व रमेसर राय हुये।

**अविलास राय का परिवार–** इनके एक पुत्र पराहू राय तथा इनके भी एक पुत्र दरबारी राय हुये जा नावल्द हो गये।

**रामदास राय–** एक पुत्र त्रिभुवन राय– इनके दो पुत्र खेदू राय व राम गोविन्द राय। राम गोविन्द राय नावल्द। खेदूराम के एक पुत्र रामचन्द्र राय हुये। इनके 4 पुत्र जीता राय, सर्वजीत राय, सीमाधार राय व रामाधार राय हुये। आगे का विवरण अप्राप्त है।

**रामदास राय–** इनके परिवार का विवरण अप्राप्त।

**रमेसर राय–** इनके दो पुत्र रामसकल राय व सागर राय। दोनों नावल्द।

2. **मनराखन राय–** इनके दो पुत्र रामखेलावन व रामजियावन राय हुये।

1. राम खेलावन राय – दो पुत्र राम बहोर व टीमल राय हुये।

राम बहोर राय– दो पुत्र जगरनाथ व देवराज हुये। ये नावल्द।

जगरनाथ राय– दो पुत्र गौरीशंकर व बालरूप हुये।

गौरीशंकर– दो पुत्र शिवमुनि व नारायण राय हुये।

शिवमुनि राय– दो पुत्र वंश नारायण व ओम नारायण। वंश नारायण नावल्द।

ओमनारायण– के पुत्र तेज नारायण राय हैं।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

बालरूप राय– एक पुत्र देव मुनिराम।

टीमल राय– दो पुत्र लखराज व नन्दकिशोर राय। ये नावल्द।

लखराज राय– एक पुत्र रमाशांकर राय। नावल्द।

2. रामजियावन राय– दो पुत्र हरिवंश राय व सुखन राय। दोनें नावल्द हो गये।

2. **सुलतान राय का कुर्सीनामा–** इनके दो पुत्र निश्चल राय व परमानन्द राय हुये।

1. **निश्चल राय–** इनके एक पुत्र पहाड़ राय हुये। इनकी दो पीढ़ी गाँव से बाहर अन्यत्र रही। तीसरी पीढ़ी में दो पुत्र दवर राय व फेरा राय हुये।

**दवर राय–** इनके एक पुत्र महादेव राय हुये। इनका एक पुत्र था जिसकी मुत्यु हो गई। इन्होंने सन् 1952 में सुलतान राय घराने के ही इन्द्रदेव राय के पुत्र चन्द्रबली राय को गोद लेकर दत्तक पुत्र बनाया।

**चन्द्रबली राय–** इनके तीन पुत्र सन्तोष कुमार, विनोद कुमार व अजय कुमार हुये।

सन्तोष कुमार– का एक पुत्र प्रखर राय। विनोद कुमार के दो पुत्र अंकित राय व अर्पित राय।

**फेरा राय–** इनके दो पुत्र रमेसर राय व विशेषर राय हुये। रमेसर राय– दो पुत्र सामरथी राय व भदेसर राय हुये। सामरथी राय– दो पुत्र मुन्शी राय व इन्द्रदेव राय हुये। मुन्शीराय– दो पुत्र कमला राय व मंगला राय हुये। कमला राय के एक पुत्र बाल्केश्वर राय राय। मंगला राय नावल्द।

बाल्केश्वर के दो पुत्र मोहित व रोहित हैं। विशेषर राय के दो पुत्र पतिराज राय व भवानी दीन हुये।

पतिराज राय– इनके एक पुत्र वासदेव राय–नावल्द।

भावानीदीन राय– एक पुत्र सीताराम राय–इनके दो पुत्र रामचन्द्र राय व शम्भू राय हुये।

शम्भू राय– दो पुत्र जगदीश राय व पारस राय हुये।

जगदीश राय– 4 पुत्र शिवमंगल, मारकन्डे, ओमनाथ व उपेन्द्र।

शिव मंगल– दो पुत्र रत्नेश व नीपूर।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मारकन्डे राय– दो पुत्र दीपक व रोशन राय

ओमनाथ– 4 पुत्र मनोज, विनोद, शिप्पू और सोनू।

उपेन्द्र राय– 2 बल्लू राय व अम्बुज राय।

2. **परमान्द राय–** इनके चार पुत्र दोकराय, श्रद्धा राय, नील व घूर राय। दोक राय नावल्द।

**श्रद्धा राय–** इनके आठ पुत्र मेघू राय, हरिकिसुन राय, रतन राय भगत राय, शिवदयाल राय, गंगादयाल राय, गुरुदयाल राय व शिवदयाल राय हुये। इनमें मेघू राय, हरिकिशुन राय व शिवदयाल राय नवाल्द हुये।

**रतन राय–** इनके एक पुत्र तवकल राय हुये–इनके दो पुत्र बालक राय व ठाकुर राय हुये।

1. **बालक राय–** इनके चार पुत्र रघुनाथ राय, रामसवारथ राय, महावीर राय व विन्देश्वरी राय हुये। इनमें रघुनाथ व महावीर राय नावल्द हुये।

1. राम सवारथ राय– इनके तीन पुत्र तपेसर राय, हरेसर राय व इन्द्रदेव राय। तपेसर राय– दो पुत्र विभूति राय व लालता प्रसाद राय। विभूति राय नवाल्द। लालता प्रसाद राय– एक पुत्र राममोहन राय। इनके तीन पुत्र रामानन्द, संजय व धनंजय राय। रामानन्द राय– एक पुत्र मयंक राय।

2. हरेसर राय– एक पुत्र वंश नारायण राय। नावल्द

3. इन्द्रदेव राय– तीन पुत्र कपिलदेव राय, पुरुषोत्तम राय व चन्द्रबली राय। कपिल देव राय–एक पुत्र प्रेमशंकर राय– दो पुत्र श्री प्रकाश व सत्य प्रकाश राय। पुरुषोत्तम राय– दो पुत्र अनिल कुमार व जयशंकर राय। अनिल कुमार राय– को दो पुत्र कृष्णानन्द राय व राम प्रकाश रा। कृष्णानन्द राय– एक पुत्र आदित्य कुमार राय। जयशंकर राय– दो पुत्र ओम प्रकाश राय वं अरुण राय।

**चन्द्रबली राय का कुर्सीनामा दवर राय में है।**

2. बिन्देश्वरी राय– इनके चार पुत्र तिलेश्वर राय, जदूराय, मुन्नी राय व सुदेसर राय– एक पुत्र वशिष्ठ राय। वशिष्ठ राय– दो पुत्र अंजलेश रा व ज्ञानेन्द्र कुमार राय।

2. **ठाकुर राय–** इनके दो पुत्र कृतारथ राय व दशरथ राय। नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

कृतारथ राय– दो पुत्र रामनरेश राय व मुसाफिर राय। नावल्द।
राम नरेश राय– एक पुत्र रामराज राय। नावल्द

**(श्रद्धा राय)** भगत राय – एक पुत्र सरनाम राय। इनके दो पु
विरंज राय व गोपाल राय हुये। विरंजराय–एक पुत्र शिववरन राय–
पुत्र बन्धू राय व रामसकल राय। बन्धू राय नावल्द।
रामसकल राय– दो पुत्र पशुपति राय व चन्द्रदीप राय। पशुपति रा
नावल्द। चन्द्रदीप राय–दो पुत्र विश्वनाथ राय व नारायण राय–नावल्
विश्वनाथ राय– तीन पुत्र शिवमंगल शिवकुमार व राजकुमार राय
गोपाल राय– एक पुत्र जगेसर राय। इनके 6 पुत्र सखरज राय, रा
सुमेर राय, रामटहल राय, राम नियादी राय, सतराम व नरसिंह राय
सखरज राय– दो पुत्र राधाराय व बद्री राय।
राधा राय– पाँच पुत्र बैजनाथ, रामनाथ, देवनाथ, जगरनाथ व उद
राय।
बैजनाथ राय– दो पुत्र देवर्षि व धीरेन्द्र राय।
देवऋषि राय–एक प्रभुनाथ–धीरेन्द्र–दो विजयशंकर, बृजेश राय।
रामनाथ राय– तीन रविन्द्रनाथ, महेन्द्र नाथ व वीरेन्द्र कुमार।
रविन्द्र नाथ राय– प्रमोद कुमार, संजय व जोगिन्दर राय।
प्रमोद कुमार राय– एक प्रवीण कुमार
महेन्द्र नाथ राय– तीन पुत्र धनंजय, मृत्युंजय व रणञ्जय राय
वीरेन्द्र नाथ राय– तीन पुत्र
देवनाथ राय– दो पुत्र अभिलेष व मनोज राय।
जगरनाथ राय– एक मिथिलेश– दो दीपक व जय कृष्ण राय।
उदय राय– दो पुत्र राजेन्द्र व मुनीन्द्र राय।

2. **सुमेसर राय**– एक पुत्र श्री पति राय– नावल्द।
3. रामटहल राय– एक पुत्र महँगू राय नावल्द।
4. रामनियादी राय– दो पुत्र रामचन्द्र व लक्ष्मी राय। नावल्द
5. सतराम राय– एक पुत्र राजनेति राय–नावल्द।
6. नारसिंह राय– नावल्द।

**(श्रद्धा राय)** गंगादयाल राय– दो पुत्र रामहित व रामजियावन राय।
रामहित राय– एक पुत्र कुंज विहारी राय– नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रामजियावन राय– एक पुत्र विशम्भर राय– इनके 5 पुत्र इमृत राय, रामसुभग राय, शिवसेवक राय, द्वारिका राय व रामसुन्दर राय। इमृत राय नावल्द। राम सुमगग राय– दो पुत्र भागवत व रामनरायन। दोनों नावल्द।

शिवसेवक राय– एक पुत्र राम गुलाम राय–इनके एक रामसूरत राय। नावल्द। द्वारिका राय– एक मुखेसर राय नावल्द। रामसुन्दर राय– एक ऋखेसर राय– एक अनिरुद्ध राय– दो पुत्र शैलेश व बहुगुना राय। शैलेश– दो पुत्र।

**(सुलतान राय) (परमानन्द राय)– कुर्सीनामा क्रमशः**

3. नील राय– दो पुत्र शिवनाथ नाथ व मरदन राय। शिवनाथ राय 4 पुत्र निरंजन राय, मनोरंजन राय, गौरी राय व पृथ्वी राय। नावल्द मनोरंजन राय– 2 पुत्र टीमल राय व नन्दकुमार राय। टीमल राय– एक पुत्र करीमन राय– नावल्द। नन्द कुमार राय– दो पुत्र रामलक्षन राय व राजपति राय। रामलक्षन राय– 2 पुत्र जगदीश राय व फकीर राय। जगदीश राय– एक पुत्र राजनरायन राय। इनके 4 पुत्र उमांशकर, वरमेश्वर, अमरनाथ व रामजी राय।

उमाशंकर राय– दो पुत्र गजाधर व श्रीकान्त राय।

परमेश्वर राय– तीन पुत्र श्रीधर, विद्याधर व प्रेम प्रकाश।

अमरनाथ राय– एक शांशाक राय

रामजी राय–

**(नील राय का कुर्सीनामा)–**

फकीर राय– एक पुत्र नागेन्द्र राय– नावल्द

राजपति राय– 3 पुत्र चन्द्रदेव राय, बुझारत राय, रामसुमेर राय।

चन्द्रदेव राय– एक सूर्यनारायण राय–तीन पुत्र जनार्दन, रमेश व ओंकार राय।

जार्नादन राय– तीन आशुतोष, अच्छुतानन्द व सच्चिता राय।

आशुतोष राय– एक आशीष– अच्छुतानन्द– दो शुभम् व हिमांशु

रमेश राय– दो पुत्र अवधेष व राधेश्याम राय।

अवधेश राय– एक अभिषेक।

ओंक़ार राय– 4 हृषिकेश, त्रिलौकी, त्रयम्बक व विवेक राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

**रामसुमेर राय–** दो पुत्र हरिवंश राय व उदयनारायण राय
हरिवंश राय– दो पुत्र श्रीकृष्ण राय व हरेराम राय
श्री कृष्ण राय– एक सोनू राय
उदय नारायण राय– 3 पुत्र सत्यप्रकाश राय, शिवविनय राय, धनं... राय।

**मरदन राय–** एक पुत्र हर सहाय राय। इनके तीन पुत्र शिव गुल... राय, हरखू राय व हरिशंकर राय। दो नावल्द।

**हरिशंकर राय–** एक पुत्र सुखदेव राय–एक पुत्र राम वदन राय... दो पुत्र गंगासागर राय व विभूति नारायण राय।
गंगासागर– एक मनोज राय–विभूति के दो पुत्र।

**गयाराय–** 3 पुत्र रामचन्द्र राय, रामदेव राय व देऊ राय।
रामचन्द्र राय– 2 पुत्र कमच्छा राय व वलेसर राय।
कमच्छा राय– दो पुत्र सूरज राय व मारकन्डे राय।
बलेसर राय– 2 पुत्र गोरख व गोपाल राय।

**रामदेव राय–** दो पुत्र दीपनरायन राय व हरिनारायण राय।
दीप नारायन राय– रामसुमेर राय–एक रामजी राय– दो पुत्र लल... राय व पिन्टु राय।
हरिनारायन राय– 3 पुत्र मुरली राय, कन्हैया राय व काशीनाथ रा... नावल्द।
कन्हैया राय– 2 पुत्र रामविशाल व मुनीन्द्र नाथ राय।
काशी राय– 3 ब्रह्मशंकर, कृष्णानन्द व नन्दकुमार राय

**देऊ राय–** एक पुत्र नन्दकिशोर राय– 3 पुत्र भोला राम, वासदे... राय व गिरिजा प्रसाद राय। भोला राय– दो अनिरूद्ध राय व महेन्... नाथ– दो नावल्द।

**वासदेव राय–** 2 पुत्र जयगनेश व व परमेश्वर राय।
गिरिजा प्रसाद राय– 3 पुत्र सुधीर, सुनील, व सुशील राय
सुधीर राय– 3 पुत्र

**(परमानन्द राय–)**

4. **घूर राय–** एक पुत्र नीनुथ राय– 4 पुत्र हरनाथ राय, रामभवन राय... रामजन्म राय व राम प्रसाद राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

हरनाथ राय– एक शिवभरत राय– नवाल्द

रामभवन राय– एक पुत्र मेघू राय– एक पुत्र विन्देसरी राय– तीन पुत्र बुद्धू राय, ब्रह्मदेव राय व हरदेव राय।

1. बुद्धू राय– दो हरनारायण व शम्भू राय। हरनारायण राय– दो रामनाथ राय व रमेश राय। रामनाथ राय– दो प्रदीप कुमार व सर्वजीत राय। रमेश राय– दो श्रवण कुमार व बांके बिहारी राय।

शम्भू राय– एक दुर्गा राय

2. ब्रह्मदेव राय– दो दीनानाथ राय व रामवचन राय। दीनानाथ राय–एक संजय राय। रामवचन राय– तीन विनोद, जयशंकर व अजय राय।

3. हरदेव राय– दो काशीनाथ व वैजनाथ राय। काशीनाथ–एक उपेन्द्र राय। बैजनाथ राय–नावल्द। उपेन्द्र–एक पुत्र अभिषेक कुमार राय

**रामजन्म राय**– 3 पुत्र महावीर राय, गया राय व ईश्वरदयाल राय। महावीर राय– एक राम किसुन राय– एक शिवमुनि राम– 3 पुत्र श्री नरायन राय, उमाशंकर राय व अभय राय।

श्री नारायन राय– 2 पुत्र रामनिवास व रामकुमार राय।

उमाशंकर राय– 4 पुत्र कृष्णकुमार, शिवकुमार, कृष्णदेव व अवधेश

अभय राय– एक पुत्र निर्भय कुमार राय।

गया राय– दो पुत्र रामदेनी राय व रामस्वरूप राय– दोनों नावल्द।

**रामप्रसाद राय**– 3 पुत्र श्री राम राय, जयनारायन राय व जानकी राय।

श्रीराम राय– 2 पुत्र अकलू राय व देवमुनि राय। अकलू राय– एक पुत्र निधि राय– 2 पुत्र गुरुदत्त राय व हरिहर नाथ राय।

गुरुदत्त राय– एक पुत्र राजेन्द्र राय– 2 पुत्र

हरिहर राम– दो पुत्र चन्द्रहाँस राय व रामजी राय।

देवमुनि राय– दो सिद्धि राय व राधाकृष्ण राय–नावल्द

सिद्धि राय– एक विश्वनाथ– एक विश्वनाथ राय– दो ओमनारायन राय व दरोगा राय

जय नरायण राय– एक पुत्र रज्जू राय– दो पुत्र परमहंस व गनपति राय।

परमहंस राय– रघुनाथ राय व जदुनाथ राय– नवाल्द।

रघुनाथ राय– 3 पुत्र शिवशंकर, गुलाब शंकर व चन्द्रमोहन राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

शिवशंकर राय– 4 पुत्र विद्यापति, शशिकान्त, रमाकान्त व दीपक राय
गुलाब शंकर– विद्यासागर, सन्तोष कुमार व धीर राय।

जानकी राय– 2 पुत्र नकछेदी राय व व रामनन्दन राय।
रामनन्दन राय– एक पुत्र जगरनाथ राय-- एक जयगनेश राय। इनका पुत्र।

**हिरसिंह राय के तीसरे पुत्र जगनारायण राय का कुर्सीनामा**

जगनारायण राय– 4 पुत्र राजमल राय, चकनारायन राय, वुधू राय पीताम्बर राय हुये। इसमें वुधु राय, राजमल राय, व पीताम्बर राय नावल्द
चकनारायण राय– 4 पुत्र छत्तरशाह राय, लक्षन राय, अजब राय सुरजन राय।

1. छत्तरसाह राय– इनके एक पुत्र परेऊ राय हुये। इनके एक पुत्र रामबक्स राय, इनके भी एक पुत्र शिवसरन राय हुये जो नावल्द हो गये इनके वसीयत पर वत्स गोत्र के खेदू राय कायम हुये जो हीवेदार के नाम से जाने गये।

खेदू राय– इनके दो पुत्र राम, लगन राय व शिवकुमार राय हुये। राम्य लगन राय से एक पुत्र श्री भागवत राय हुये। इनके तीन पुत्र केदारनाथ राय, हृदय नारायन व रमाशंकर राय हुये।
केदार नाथ राय– इनके एक पुत्र मुनीन्द्र नाथ– इनके दो पुत्र निखिल नीरज राय।
हृदय नारायण राय– एक पुत्र प्रवीण कुमार राय– दो पुत्र
रमाशंकर राय– दो पुत्र अनिल कुमार व अरुण कुमार राय–एक पुत्र
अनिल कुमार राय–दो पुत्र अमित कुमार व समीर राय।
शिवकुमार राय–एक पुत्र रामसिंहासन राय–एक पुत्र अशोक कुमार राय

2. लक्षन राय– 2 पुत्र केशरी व नल राय। केशरी राय नावल्द।
नल राय– एक पुत्र बदल राय– दो पुत्र कीनू राय व अजनाथ राय
कीनू राय– दो पुत्र दत्तू राय व पतरू राय हुये।
दत्तू राय– दो पुत्र केशव राय व विसेसर राय हुये।
केशव राय– 4 पुत्र महादेव राय, गुलजार राय, सकल राय व रामलखन। अंतिम 3 नावल्द।
महादेव राय– मकून राय व रामधारी राय– नावल्द



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

कून राय– एक सियावर राय– दो पुत्र गरजन राय व घूर राय
रजन राय– 3 पुत्र सोदिक राय, हरगगन व प्रानपति राय।
ोदिक राय– हर नारायण राय– 4 पुत्र चन्द्रमा, गिरिजा प्रसाद
रगगन राय– दो पुत्र देवपति राय व वशिष्ठ राय।
र राय– एक देऊ राय–नावल्द– रामवृक्ष राय हीवेदार
तरु राय– एक रेवती राय– एक शिवदान राय– दो सर्वजीत राय व
रजन राय–नावल्द।

ल राय– **अजनाथ राय**– 4 पुत्र दुनिया राय, रामसहाय रा, लौटन
य व श्रीकिसुन राय। रामसहाय– नावल्द।
निया राय– एक अधीना राय नावल्द
ौटन राय – दो पुत्र हरवंश राय व वक्सू राय
रवंश राय– दो पुत्र शिवगुलाम व रामगुलाम राय– दोनों नावल्द।
क्सू राय– रामदीन राय व रामरूप राय। रामदीन नावल्द।
मरूप राय– एक पुत्र नौबत राय– एक पुत्र देऊ राय–नावल्द, रामवृक्ष
य हीवेदार।
किसुन राय– एक कवलेश्वर राय– एक रामनन्दन राय– एक पुत्र
मचरित राय– दो पुत्र देवमुनि राय व महामुनि राय।
वमुनि राय– दो पुत्र सीताराम राय व केदारनाथ राय नावल्द।
ीताराम राय– 3 पुत्र प्रमोद कुमार, रमेश कुमार व रजनीश कुमार।
मोद कुमार– 3 पुत्र संदीप, मनीष व आशीष राय।
जनीश कुमार राय– 3 पुत्र प्रवीण, ज्ञान प्रकाश, वलिस्टर।

**चकनारायण राय– अजव राय–** इनके दो पुत्रहरनन्दन राय व
दू राय।
रनन्दन राय– दो पुत्र उमराँव राय व राम दीहल राय। उमराँव राय
वल्द।
मदीहल राय– एक पुत्र आलम राय–दो पुत्र नकछेदी व सदाफल राय
कछेदी राय– एक गंगाफल राय नावल्द।
दाफल राय– दो पुत्र प्रगास राय व सुमेसर राय। प्रगास राय नावल्द।
मेसर राय–एक कपिलदेव राय–3 पुत्र मदन राय, हृदय व रामप्रवेश राय
दू राय– 4 पुत्र बैजनाथ राय, रघुनाथ राय, बृजलाल व विश्वनाथ राय
बैजनाथ राय व रघुनाथ राय नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बृजलाल राय– 3 पुत्र जयश्री राय व सुमिरन राय, जयनाराय्रण राय–ना
जय श्री राय– एक पुत्र रामदीन राय– नावल्द।
सुमिरन राय– एक तिलक राय– दो पुत्र शिवकरन व नन्दकुमार
शिवकरन राय नावल्द।
नन्दकुमार राय– दो पुत्रतपेसर राय व शिनन्दन राय। तपेसर
नावल्द। विश्वनाथ राय–दो रक्षा राय व सौंगन्ध राय–नावल्द।
शिवनन्दन राय– दो पुत्र रामचन्द्र व रामनाथ राय। रामनाथ राय ना
रक्षा राय– 3 पुत्र जालिम राय, रामबन्धन रा, व शिव बहाल राय ना
जालिम राय– एक कुंजबिहारी राय– नावल्द।
रामबन्धन राय– एक रामगयन्द राय–नावल्द।
अर्जुन राय– एक भवानीदीन राय–नावल्द।
**चकनारायण राय– 4. सुरजन राय–** दो पुत्र हृदय राय व बाल
राय। हृदय राय पौहारी बाबा हो गये। नावल्द
बलजीत राय– 3 पुत्र आसरे राय, गंगादयाल राय व हिकमत राय
रामआसरे राय– दो पेवारू राय व काशी राय। पेवारू राय नावल
काशी राय– एक आत्मा राय– इनके तीन पुत्र मथुरा, शिवल
करीमन राय। मथुरा व करीमन राय नावल्द। शिवलखन राय-
महेसर राय। इनके एक पुत्र जगरदेव राय– इनके दो पुत्र रामचन्द्र
व दयाशंकर राय।
रामचन्द्र राय– एक राकेश राय – 2 पुत्र अभिषेक व उत्कर्ष राय
दयाशंकर राय– एक पुत्र राहुल राय।
**2. गंगादयाल राय–** 4 पुत्र मोहन राय, भागीरथ, मधूक राय व
राय। भागीरथ राय– एक सुरजू राय– एक देवी राय नावल्द।
मघूक राय– 3 पुत्र भृगुनाथ राय–नावल्द, अलख राय व गुरूचरन
अलख राय– एक अन्नत राय–नावल्द।
गुरुचरन राय– एक शुकालू राय– नावल्द।
आलन राय– दो पुत्र भवन राय व ढोढ़ा राय। भवन राय नावल्द
ढोढ़ा राय– एक शेषमन राय–इनके दो पुत्र राजपति व शिवदेव राय–
**हिमकमत राय–** एक पुत्र अंगद राय– इनके दो पुत्र शिवराज राय–
व धूमराय, शिवराम राय–नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

धूमराय– दो पुत्र छोटू राय व घिन्नू राय।

छोटू राय– एक महावीर राय–नावद।

घिन्नू राय– 3 पुत्र प्रयाग राय व नगेसर राय– व पलकू राय– तीनों नावल्द।

## हिरसिंह राय के चौथे पुत्र रूद्रसिंह राय का कुर्सीनामा

रूद्रसिंह राय– इनके सात पुत्र दुर्गासाह राय, तेजी राय, गज राय, भुवन राय, नरेश राय, औसान राय व साँवल राय।

1. दुर्गसाह राय– दो पुत्र उत्तम साह व सांवल साह राय हुये।

उत्तम साह– इनके 4 पुत्र रखवन्त राय, बसन्त राय, घीसा राय व दलसिंगार राय।

1. रखवन्त राय– एक पुत्र महीपति राय– दो पुत्र बेचन राय व अगरधत्त राय। बेचन राय नावल्द।

अगरधत राय– एक पुत्र महादेव राय– एक पुत्र वासू राय– इनके दो पुत्र नन्दकशोर राय व अवध नरायन राय। नावल्द।

नन्दकिशोर राय– दो पुत्र कमला व कृष्ण देव राय। कमला राय नावल्द।

कृष्णदेव राय– दो पुत्र मृत्युंजय राय व विजय कुमार राय।

2. बसन्त राय–एक पुत्र हर गोविन्द राय–इनके एक पुत्र शिवजोर राय–नावल्द।

3. घीसा राय–एक पुत्र रामसहाय राय–एक पुत्र वजीर राय–दो पुत्र महावीर राय व रघुनायक राय। महावीर राय। नावल्द।

रघुनायक राय– 3 पुत्र देवसरन, शिवदेवनारायण व राजनारायण राय।

**राजनारायण राय**– एक पुत्र शिवदेव नारायण राय।

शिवदेव नारायण राय– 2 पुत्र इद्रदेव राय व राजकिशोर राय–दोनों नावल्द।

**(उत्तम शाह)– दलसिंगार राय**– दो पुत्र रामप्रताप व रामसरन राय।

राम प्रताप राय– 3 पुत्र अलख राय, शिवपरसुन राय, अनजान राय–नावल्द।

अलख राय– एक पुत्र बाज बहादुर राय– इनके एक पुत्र शिधारी राय इनका एक पुत्र शिवचन्द राय–इनके 3 पुत्र जगरनाथ, हरीराय व श्री भागवत राय।

जगरनाथ राय– 3 पुत्र ओमप्रकाश राय, सत्यप्रकाश राय व संजय कुमार



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

शिवपरसन राय– एक गंगाविसुन राय–इनके दो पुत्र कुलदीप व रामध्यान राय।

कुलदीप राय– दो पुत्र धूपनारायण व सूर्यनारायण राय।

धूपनारायण राय– 3 पुत्र महेन्द्र राय, रामबरन राय व रामकरन राय।

महेन्द्र राय– एक कैलाश राय– एक धनंजय राय।

राम वरन राय– दो पुत्र दिनेश प्रकाश व सत्य प्रकाश राय।

सूर्य नारायण राय– 2 पुत्र महेश राय व गौरी शंकर राय–नावल्द।

महेश राय– दो पुत्रजनार्दन राय व कमलदेव राय–नावल्द।

जनार्दन राय– एक पुत्र अजय कुमार राय।

**रामध्यान राय–** दो पुत्र राधाकृष्ण राय व करीमन राय–नावल्द।

राधाकृष्ण राय– एक रामचन्द्र राय व रामसरन राय। रामचन्द्र नावल्द।

राम सरन राय– एक पुत्र ऋतु राय– एक पुत्र नरसिंह राय–इनके 3 पुत्र सहदेव राय, रामवृक्ष राय व सीताराम राय–नावल्द।

रामवृक्ष राय– 3 पुत्र हरेसर राय, राजकुमार राय व शिवकुमार राय–दो नावल्द।

शिवकुमार राय– दो पुत्र मारकन्डे व प्रेमशंकर राय–नावल्द

मारकन्डेय राय– दो पुत्र चन्द्रशेखर व केशरी कुमार राय।

चन्द्रशेखर राय– एक विकास राय।

केशरी कुमार राय– एक पुत्र विशाल राय।

**रूद्रसिंह राय–**

**2. तेजी राय–** एक पुत्र विजई राय– इनके दो पुत्र हनुमान राय व घोंघी राय, हनुमान राय–नावल्द। धोंधी राय के 4 पुत्र सलहन्त राय, चन्द्रन राय, रघुवर राय व छतरधारी राय हुये।

सलहन्त राय– एक पुत्र दुबरी राय – इनके तीन पुत्र गोपी राम, विसेसर राय व हरवल्लभ राय।

गोपी राय– एक पुत्र दिलीप राय– इनके दो पुत्र इन्द्रजीत राय व समरजीत राय हुये।

समरजीत राय– 3 पुत्र रामनाथ राय, श्याम नारायण व लल्लन राय।

रामनाथ राय– 3 पुत्र ब्रह्मानन्द राय, रविशंकर राय व भार्गवदेव राय।

रविशंकर राय– दो पुत्र रोशन व आसु।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

भार्गवदेव राय– एक जय प्रकाश राय।
लल्लन राय– दो पुत्र मुकुन्दी राय व दीपू राय।
श्यामनारायण राय– दो बैकुण्ठ राय व राधा राय।
हरबल्लभ राय– 4 पुत्र अष्टभुजा राय, सामरथी राय, बलदेव राय व त्रिलोक राय।
अष्टभुजा राय– दो पुत्र मुसाफिर राय व परगास राय।
मुसाफिर राय– एक पुत्र कामता राय– नवल्द।
परगास राय– एक पुत्र चण्डी प्रसाद राय– एक पुत्र शेषनाथ राय। इनके दोपुत्र अरविन्द राय व अवधेश राय।
2. **सामरथी राय**– दो पुत्र गुप्तेश्वर राय व शिवपूजन राय। गुप्तेश्यव राय नावल्द।
शिवपूजन राय– दो पुत्र सूर्यनारायण राय व रामवृक्ष राय।
सूर्यनाथ राय– 3 पुत्र कपिलदेव राय, रामनगीना राय व रामअधार राय–नावल्द।
कपिलदेव राय– एक विजय शंकर राय– दो पुत्र
रामनगीना राय– दो पुत्र कमलाकान्त व दिनेश कुमार राय।
रामवृक्ष राय– दो पुत्र जोगेन्द्र राय व रामब्यास राय।
जोगेन्द्र राय– एक विवेक कुमार राय
रामव्यास राय– एक प्रद्युम्न राय

**(हरबल्लभ राय)– का कुर्सीनामा**

3. बल्देव राय– तीन पुत्र साहेब राय, बोधा राय, सुमू राय
साहब राय– इन्द्रदेव राय
सुमू राय– दो पुत्र उग्रह राय व हरदत्त राय।
उग्रह राय– 2 पुत्र राजा राय व विन्ध्याचल राय। राजाराय शहीद।
विन्ध्याचल राय– एक श्रीकृष्ण राय–एक अनिल कुमार राय। इनको दो पुत्र आनन्द व आदर्श राय।
हरदत्त राय– एक विक्रमा राय–नावल्द।
चन्दन राय– एक परमेश्वर राय– नावल्द।
रघुवर राय– 5 पुत्र बलराम राय, भृगुनाथ राय, देवी राय–नावल्द, सुअम्बर राय–नावल्द व आसव राय–नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

बलराज राय– दो पुत्र शीतल राय व ठूडी राय

शीतल राय– एक रामप्रसाद राय– इनके 4 पुत्र महावीर राय, रामल राय, रामहरख राय व अनिरूद्ध राय। महावीर नावल्द।

रामलखन राय– एक बासदेव राय। नावल्द।

रामहरख राय– 3 पुत्र जयनारायण, गंगासागर व हृदय नारायण रा

ठूड़ी राय– 2 पुत्र महादेव राय व रामरतन राय–नावल्द

महादेव राय– एक रामनरेश राय–दो पुत्र परसोतिय व वंशनारयण रा

3. भृगुनाथ राय– दो पुत्र रामपरसन राय व रामसरन राय। रामपर राय–नावल्द

रामसरन राय– दो पुत्र भगवान राय व बृंज नारायण राय।

4. छत्रधारी राय– दो पुत्र भिखारी राय व मेघू राय। भिखारी राय परिवार रेवतीपुर में में बसा है।

मेघूराय– 4 पुत्र कालिका राय, विन्देसरी, बेनी व जगनारायण राय।

कालिका राय– तीन पुत्र हरनन्दन राय, जिउत राय, रामदासराय।

जिउत राय– एक पुत्र–श्रीनारायण राय–नावल्द

रामदास राय– तीन पुत्र बच्चा राय, राधाकिशन राय व शिवनायक रा

बच्चा राय– 4 पुत्र वंशनारायण राय, ललिता राय, महेश राय, व शिवद राय।

वंशनारायण राय– एक पुत्र रमेसर राय–दो पुत्र नैमनारायण राय जयराम राय।

ललिता राय– एक पुत्र राममोहन राय–एक विनय कुमार राय।

राधाकिशुन राय– एक शम्भूराय–एक बलराम राय–नावल्द

बेनी राय– एक श्याम सुन्दर राय–नावल्द

## रूद्रसिंह राय के तृतीय पुत्र गजराम का कुर्सीनामा, शेरपुर खुर्द

गजराम राय– दो पुत्र बलवन्त राय, व हरजन राय। बलवन्त राय–नावल्द

हरजन राय– तीन पुत्र सुदीन राय, लौटन राय व लालू राय। दो नावल्द

सुदीन राय– रामनेवाज राम–इनके तीन पुत्र पृथ्वी राय, सालिग राय शिवपाल राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पृथ्वी राय– तीन पुत्र शिवरन राय, हरपिल राय व बोधा राय।

वरन राय– एक सत्यनारायण राय–एक जय ठाकुर राय–एक रामअधार
य।

धाराय– दो पुत्र रघुपति राय व पशुपति राय।

घुपति राय– 6 पुत्र ब्रदी नारायण राय, मंगलम राय, चन्द्रकेश्वर राय,
शिष्ठ राय–शहीद, भुवन राय व औसान राय।

शुपति राय– एक दुखनारायन राय

लिक राय– एक पुत्र छोटू राय–एक हरगुन राय–दो पुत्र ललिता राय
कामता राय।

लिता राय– 6 पुत्र केदार राय, राजेन्द्र राय, योगेन्द्र, विश्वनाथ, बलेशर
वंशनारायण राय–शहीद

**शिवपाल राय**– दो पुत्र सहदेव व महादेव राय।

हदेव राय– दो पुत्र विभूति व कपिलदेव राय। विभूति राय–एक पुत्र
रिजाशंकर राय–नावल्द।

पिलदेव राय– पारसनाथ, ओंकार व वैंकटेश राय तीन पुत्र।

रस नाथ राय– दो पुत्र अजित कुमार व सुनीत कुमार।

ओंकार नाथ राय– तीन पुत्र बृजेश, विकास व विवेक राय।

कटेश राय– एक रामआशीष राय।

**मआधार राय**– तीन पुत्र गौरी शंकर, नाथशरण व कृष्णकान्त राय।

ौरी शंकर राय– एक नित्यानन्द राय।

ृष्णकान्त राय– एक ज्ञानेन्द्र राय।

**बोधा राय) जयठाकुर राय**– एक सत्यानन्द राय।

**रघुपति राय)**–मंगला राय– दो पुत्र हृदय राय व प्रताप राय।

हृदयराय– एक मृत्युंजय राय। प्रताप राय–एक विनय कुमार राय।

न्द्रशेखर राय– जगरनाथ राय–नावल्द, बैजनाथ राय, शिवपूजन, देवपूजन
रामपूजन राय।

बैजनाथ राय– दो रोशन कुमार व शंकर राय।

शिवपूजन राय– एक रामनिवास राय।

देवपूजन– एक सत्यप्रकाश राय।

रामपूजन– एक प्रवीण कुमार राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant


**4. भूलन राय का कुर्सीनामा–** एक घूरा राय–एक जयजीत राय–ना

**6. औसान राय का कुर्सीनामा–** एक फकीर राय–एक दीन राय–एक गिरधारी राय–नावल्द।

**रूद्रसिंह राय के पाँचवें पुत्र नरेश राय का कुर्सीनामा, शेर खुर्द।**

**रूद्रसिंह राय पाँचवा पुत्र नरेश–** गाना राय व खुशी राय।

गाना राय– एक चिरकिट राय। इनके तीन पुत्र प्रभुराय, दमरी रा महाबल राय।

प्रभु राय– एक भदेसर राय–एक शिवदेव राय–इनके दो पुत्र शिवरन व मुन्नी राय।

शिवरन राय– एक बुद्धू राय–दो राधेश्याम राय व गोपाल राय–नाव

राधेश्याम राय– दो अंजनी राय व आसू राय।

मुन्नी राय– दो राजनारायण राय व रामाशंकर राय। राजनारा राय– नावल्द

रामाशकर राय– दो पुत्र ओम प्रकाश व घनश्याम राय।

महावल राय– चार पुत्र रामकिशुन राय–नावल्द, रामटहल राय–नाव कालिशंकर राय, व नाथु राय।

कालिशंकर राय– तीन पुत्र ब्रह्मदेव राय–नावल्द, जगबहादुर राय वासुदेव राय–नावल्द।

जंगबहादुर राय– एक तारकेश्वर राय–तीन पुत्र

नाथू राय– दो पुत्र सहदेव राय व हरदेव राय।

सहदेव राय– एक रामवरन राय–इनके चार पुत्र महातिम राय–नाव केदारनाथ राय–नावल्द, रामचन्द्र राय व गंगासागर राय।

रामचन्द्र राय– एक चन्द्रशेखर राय।

गंगासागर राय– दो पुत्र संजय राय व अक्षय राय।

**खुशी राय (रिवतीपुर)** – तीन पुत्र गांगू राय, नीनुथराय व मनोरथ रा

गांगू राय– दो पुत्र अजय राय व सुभान राय।

सुभान राय– दो पुत्र करतार राय–नावल्द व कलन्दर राय।

कलन्दर राय– चार पुत्र कुंज विबहारी राय, रामदास राय, ठाकुर राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरूचरन राय।
कुंजविहारी राय– 4 पुत्र देव कृष्ण राय, रामलाल राय–नावल्द, दीपन राय व रामलगन राय।
देवकृष्ण राय– एक कतवारू राय–नावल्द
दीपन राय– एक सूर्यनाथ राय– इनके 5 पुत्र हरदेव राय, ब्रह्मदेव राय, हरिनारायन राय, उदयनारायन राय व ह्रदयनारायण राय।
रामलगन राय– एक जगदम्बा राय– एक रघुनायक राय–एक सच्चितानन्द राय–ठाकुर राय– दो देवराज राय–नावल्द, व माधव राय।
माधो राय– 3 पुत्र विश्वनाथ राय, राजनारायन राय–नावल्द व रामलक्ष राय।
रामलक्षन राय– 4 पुत्र कालिका राय, कपिलदेव राय, गिरिजा राय व परमहंस राय।
**गुरुचरन राय–** एक रामगोविन्द राय– इनके 3 पुत्र धनपतू राय, नन्दलाल राय–नावल्द, सामू राय।
सामू राय– तीन पुत्र रामदेव राय, हरद्वार राय व रमाशंकर राय।
**नरेश राय – नीनुथ राय–** 2 पुत्र भुवावल राय व अविलाख राय।
भुवावल राय– 3 पुत्र रामगुलाम राय, महावीर राय, व भैरो राय
रामगुलाम राय– दो बैजनाथ राय व दशरथ राय–नावल्द
बैजनाथ राय– एक लक्ष्मी राय–एक परसोतिम राय–दो पुत्र उत्सनारायण राय व ईश्वरजन राय।
भैरो राय– एक रघुवीर राय– इनके 4 पुत्र हरनन्दन राय–नावल्द, जगदीश राय, गया राय व पशुपति राय–नावल्द।
जगदीश राय– एक तारकेश्वर राय। गया राय– एक राजकुमार राय– इनके तीन पुत्र सदानन्द राय, शिवानन्द राय, शिवप्रसाद राय, महादेव राय–नावल्द व रामसकल राय–नावल्द।
शिवनन्दन राय– 3 पुत्र देवदत्त राय, अमर राय व सुभग राय।
**(नरेशराय)–खुशीराम राय के तीसरे पुत्र मनोरथराय का कुर्सीनामा–**
मनोरथ राय– 3 पुत्र परसू राय व सरूप राय। परसू राय– 3 पुत्र रिसाल राय–नावल्दपलटन राय व रामगत राय।
पलटन राय– दो पुत्र अनन्त राय व नकछेदी राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

अनन्त राय– 3 पुत्र रामचरित राय, लखन राय–नावल्द व जगनरायण राय–नावल्द।

रामचरित राय– दो पुत्र दुनिया राय व तालूका राय–नावल्द।

दुनिया राय– दो पुत्र राजकुमार व चन्द्रकेश राय।

तालूका राय– एक शिवकुमार राय। नकछेदी राय–एक जद्दू राय–दो पुत्र इश्लोक व त्रिलोक राय।

**सरूप राय**– एक कालीचरन राय– दो हरपाल राय व रमेसर राय।

हरपाल राय– 4 पुत्र शिवदेव राय व सहदेव राय– नावल्द।

रमेसर राय– एक जगरनाथ राय– इनके तीन सत्यनारायण राय, देवनारायण राय व हरदेव राय। दो नावल्द।

सत्यनारायण राय– एक शिवपूजन राय।

**रूद्रसिंह के 7 वें पुत्र सांवल राय का कुर्सीनामा**

सांवल राय– इनके तीन पुत्र अवधूत राय व अभिमान राय।

अवधूत राय– दो पुत्र भिक्षुक राय व रामजी राय।

भिक्षुक राय– एक अयोध्या राय।

रामजी राय– 4 पुत्र धवकल राय, अचम्भित, अक्षैवर राय व अयोध्या राय।

धवकल राय– 3 पुत्र निहोरी राय, भरोसी राय व समुझावन राय।

निहोरी राय– एक वंशी राय,–तीन पुत्र हरखू राय, हरदेव व इन्द्रदेव राय।

हरदेव राय– एक भुवनेश्वर राय–दो अभयनारायन राय व सुरेन्द्रनाथ राय

अभयनारायण राय– 4 पुत्र रामप्रवेश राय,रामविलास राय, रामनिवास राय व शिवनारायण राय।

**इन्द्रदेव राय**– एक विश्वनाथ राय–एक शिवशंकर राय–इनके 5 पुत्र ओमप्रकाश, वेंकटेश्वर राय, दीनेश राय, वीरेन्द्र राय व शशिभूषण राय।

**सांवल राय–दूसरे पुत्र भरोसी राय**– एक गोपी राय–इनके दो कछेदी राय व वसगित राय।

नकछेदी राय– 4 पुत्र जगपति राय–नावल्द, ऋषिमुनि राय–नावल्द, भुवनेश्वर राय–नावल्द व महेश्वर राय– दो पुत्र राधेशम राय व मन्धाता राय।

वसगित राय– 2 पुत्र गंगाधारी राय व विसुनधारी राय।

**धवल राय–तीसरा पुत्र समुझावन राय**– एक त्रिभुवन राय– 2 पुत्र



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आदित राय–नावल्द व उदित राय–नावल्द।

2. **अचम्भित राय**–एक पदारथ राय–इनके दो जोखू राय व उग्रह राय

बेनी राय– 3 पुत्र प्रभास राय, नन्दराम राय व सर्वदेव राय।

प्रभास राय– 3 पुत्र शिवदेवी राय–नावल्द, शिव प्रसाद राय–नावल्द व रामदेव राय।

रामदेव राय–एक मारकन्डे राय–दो पुत्र अनिरूद्ध व रामविलास राय।

नन्दराम राय– 5 पुत्र शिवपूजन, विन्ध्याचल राय, रामप्रसाद–नावल्द, मुन्नी राय–नावल्द व जगदीश राय–नावल्द।

शिवपूजन राय– 2 गिरिजाशंकर राय व जनार्दन राय।

गिरिजाशंकर राय– एक गंगासागर राय।

विन्ध्याचल राय– 4 पुत्र रामजी राय, चन्द्रकेश राय–नावल्द, राजकिशोर राय–नावल्द व राजेन्दर राय।

सर्वदेव राय– दो पुत्र बलेसर राय व राजेश्वर राय।

बालेश्वर राय– दो पुत्र सीताराम व बब्बन राय।

3. **अक्षैवर राय**– दो महावीर राय–नावल्द व रामलखन राय।

रामलखन राय– बृजनारायण राय–इनके 4 पुत्र चन्द्रदेव राय–नावल्द, जगरदेव राय, सत्यदेव राय व ईश्वरदेव राय।

जगरदेव राय– एक आदित्य कुमार राय।

सत्यदेव राय– दो अंजनी कुमार व ओम प्रकाश राय।

4. **अयोध्या राय**– पुत्र गया राय व गजाधर राय।

गया राय– तीन पुत्र धवल राय, बिहारी राय व सामू राय।

धवल राय– 4 पुत्र नन्द राय, पालू राय, सूखन राय व वल्देव राय

नन्दू राय– दो पुत्र रामदीन राय व रामनाथ राय।

रामदीन राय– एक शिवनारायण राय–एक हरिहर राय।

पालू राय– 3 पुत्र वामदेव राय,रामसूरत राय व रामनाथ राय–इनके सूरज राय व सरवन राय–दो पुत्र गया राय–नावल्द व रामलक्षन राय–नावल्द

वल्देव राय– एक सत्यनारायण राय–इनके एक मंगरू राय।

बिहारी राय– 4 पुत्र परसीधन राय, शिवगोविन्द राय, शिवसरन–नावल्द व गनपत राय।

शिवगोविन्द राय– 3 पुत्र रघुनाथ, दौलत राय–नावल्द व जयनाथ राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

रघुनाथ राय– एक हरिवंश राय–एक मंगला राय।
जयनाथ राय– एक जोगिन्दर राय।

**हिरसिंह राय के पांचवें पुत्र कल्लीराय का कुर्सीनामा**

**कल्ली राय– इनके दो पुत्र लक्कू राय व राघव राय हुये।**

**1. लक्कू राय– दो पुत्र सांवलसाह राय व जंगलसाह राय।**

**सांवलसाह राय– 3 पुत्र हजारा राय, शिवदान राय व भरोसा राय**

1. हजारा राय– दो पुत्र फुलमान राय व केशरी राय
फुलमान राय– दो पुत्र दवर राय व सालिक राय
दवर राय– दो मन्नू राय व राजोकुंवर–दोनो नावल्द
सालिक राय– 3 पुत्र सिलवंत राय–शिवदान राय व परयाग राय
सिलवन्त राय– एक पुत्र द्वारिका राय। इनके तीन पुत्र महादेव राय ब्रह्मदेव राय व राजनारायण राय।
महांदेव राय– एक पुत्र रामसुभग राय–नावल्द
ब्रह्मदेव राय– एक रामराज राय–एक रमाकान्त राय
राजनारायन राय– दो पुत्र कपिलदेव राय व सिंहासन राय–दोनों नावल्द।
कपिलदेव राय– एक कृष्णचन्द्र राय।
2: शिवदान राय– एक पुत्र रूपनारायण राय। इनके दो पुत्र नान्हू राय व भग्गू राय। नान्हू राय– एक टीमल राय–एक हनुमान राय–एक शिवानन्द राय–दो पुत्र भागीरथी व चन्द्रिका राय। भागीरथी––नावल्द चन्द्रिका राय– एक तारकेश्वर राय।
भग्गू राय– दो पुत्र परयाग राय व रामसुन्दर राय। परयाग राय–दो पुत्र देवराज राय व श्रीकिसुन राय। देवराजराय–एक परमाराय–नावल्द श्रीकिसुन राय–एक कलश राय–इनके दो तिलेश्वर राय व कृपाशंकर राय।
रामसुन्दर राय–3 पुत्र राधा राय, सिरवान राय व रामराज राय।
राधा राय– 2 पुत्र शंकर दत्त राय व नेउर राय–नावल्द
शंकर दत्त राय– दो पुत्र रमेश राय व उमेश राय।
सिरताज राय– एक सुखदेव राय–इनके दो नगीना राय व विश्वनाथ राय–नावल्द



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

नगीन राय– 3 पुत्र रामऔतार राय, महेन्द्र राय व जितेन्द्र राय।
रामराज राय– दो पुत्र विभूति राय व हरदेव राय। विभूति राय–नावल्द
हरदेव राय– दो छवीला राय व त्रिभुवन राय–नावल्द
छबीला राय– एक केशव राय।

**3. भरोसा राय–** दो पुत्र मेहरबान राय व हरगन राय
मेहरबान राय– 3 पुत्र शिवरतन, प्रहलाद व अकबर राय
शिवरतन राय– 3 पुत्र रामदीन राय–नावल्द, गंगाविसुन राय व प्रताप राय–नावल्द।
गंगा विसुन राय– एक बहाल राय–दो पुत्र चन्दगोविन्द व सूर्यनारायण राय।
प्रहलाद राय– एक प्रभु राय–3 पुत्र दीपनारायन–नावल्द, परगास व सनेही राय।

**भरोसा राय (मेहरबान राय)–** परगास राय– एक शिवदरस राय।
सनेही राय–दो देवसरन व रामनरेश–नावल्द
अकबर राय– एक दरबार राय। 3 पुत्र विसुनधारी–नावल्द, महावीर व राजपति राय
महावीर राय– एक देवकीनन्दन राय–दो पुत्र उदय नारायण व जदू राय।
राजपति राय– 3 पुत्र हरनारायन राय, जनार्दन राय व महामुनि राय–नावल्द
हरनारायन राय–एक रामदेव राय–दो पुत्र राजेन्द्र व महेन्द्र राय।
जनार्दन राय– 2 पुत्र सर्वदेव राय व चन्द्रकेश राय–एक पुत्र कुवेर राय
सर्वदेव राय– एक पुत्र विश्वनाथ राय।
हरजन राय– 4 पुत्र आसू राय, सहलत राय, रंगलाल राय व रमई राय
आसू राय– एक डोमन राय–3 पुत्र टहलू राय, परगास राय व राजीतन सभी नावल्द।
सहलत राय– 3 पुत्र हरदयाल राय, कुरदयाल राय, व रामसहाय राय।
हरदयाल राय– एक रघुवंश राय–नावल्द। कुरदयाल राय– 5 पुत्र करीमन राय–नावल्द, लगन राय–नावल्द, नन्दन राय, वीरन राय–नावल्द व रोगू राय–नावल्द।
नन्दन राय– दो पुत्र गंगा राय व रामरूप राय–नावल्द।
रामसहाय राय– 4 पुत्र राम राय, भगत राय, भगवानराय व मनराज राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gra

रामू राय–एक छांगुर राय–3 पुत्र दमरी, महीप नारायन व जई राय–नावल्द।
दमरी राय– 2 पुत्र नगेसर राय व इन्द्रदेव राय–दोनों नावल्द।
भगवान राय– एक ईश्वरी राय– एक प्रेम प्रकाश राय–इनके तीन कोमल, रामवृक्ष व चतुरगुन राय–तीनों नावल्द।
मनराज राय– 3 पुत्र रामदहिन राय, बालक राय व बरत राय।
रामदहिन राय– दो पुत्र दुखन राय–नावल्द, पियारी राय–एक कालिका राय इनके तीन पुत्र तारकेश्वर, हरिकेवल व नर्वदेश्वर राय।
बालक राय– दो पुत्र रामकरन–नावल्द, समुझावन राय–3 पुत्र चुन्नी राय, जागा राय नावल्द। रामचन्दर राय–एक निठाली राय– एक सुदर्शन राय इनके दो पुत्र संजय कुमार व अवधेश राय।
वरत राय– 5 पुत्र मोती राय–नावल्द, सकल राय, अजुर्न राय, गनपति राय व जीउत राय। मोहित, गनपत व जिउत–नावल्द।
सकल राय– एक सपार राय। अर्जुन राय– 3 पुत्र नारमल राय–नगीना व सूर्य नारायण। नारमल व नगीना नावल्द।
सूर्यनारायण राय– दो पुत्र विनोद व प्रमोद राय।

## लक्कुसाह के दूसरे पुत्र जंगलसाह का कुर्सीनामा

**जंगलसाह**– दो टेकमनि व बहादुरसाह राय–रेवतीपुर में बसे हैं।
1. टेकमनि राय– 4 पुत्र रामदीहल राय, भिक्षुक, गरीब राय व सेवक राय
रामदीहल राय–एक शिनागर राय– इनके एक भीनिक राय–इनके तीन पुत्र रघुनन्दन राय, शिवदेनी राय व मुक्तेश्वर राय–सभी नावल्द।
2. भिक्षुक राय– 4 पुत्र शिवसहाय राय, रामरक्षा, सुअम्बर व शीतल राय।
शिवसहाय राय– रामध्यान राय– एक पुत्र रामधवन–इनके तीन पुत्र लालचन्द, शम्भू व वरन राय। शम्भू राय–एक वगेसरी राय इनका एक भोलाराय–एक कमला राय–इनके तीन शिवशंकर, हरिशंकर व दीनानाथ राय।
वरन राय– 3 पुत्र हरनन्दन राय, जयपति राय व देवनन्दन राय। हरनन्दन नावल्द।
जयपति राय– एक शिवदेव राय–इनके दो पुत्र शोभनाथ व सिद्धिनाथ
शोभनाथ राय– 4 पुत्र विजय शंकर, वीरेन्द्र राय, कुबेर राय व धीरेन्द्र राय
सिद्धिनाथ राय– एक अरविन्द कुमार राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

**भिक्षुक राय 2. सुअम्बर राय**– 5 पुत्र घौताल राय, सदाफल राय, जियावन राय, घोटू राय––नावल्द

रघुवीर राय– दो पुत्र शिवटहल राय–नावल्द। भागीरथी राय–इनके एक पुत्र कुवर राय–नावल्द

**3. शीतल राय**– दो पुत्र दल्लू राय व शिवदान राय।

दल्लू राय– 4 पुत्र जयनारायण राय, रघुनाथ–नावल्द, धनपति राय व दुखन राय–नावल्द।

जयनाथ राय– एक परमहेस राय– एक बलेसर राय–एक दयाशंकर राय

धनपति राय– एक इश्लोक राय– 4 पुत्र राजेश्वर, रामचन्द्र, रामकरन व हरिश्चन्द्र राय हुये।

**शिवदान राय**– 3 पुत्र रामपति राय, जगत राय–नावल्द, हरखू राय–दो सूरत राय व रामनरेश राय–दोनों नावल्द।

**3. गरीब राय**– दो पुत्र जयश्री राय व बैजनाथ राय। जयश्री राय–एक केथाराय–नावल्द। बैजनाथ राय– 4 पुत्र अयोध्या राय, अभिलाख राय, टेंगरी राय व फल्लू राय। अयोध्या राय– एक दोक राय– इनके दो पुत्र तपेसर राय व उग्रह राय हुये।

तपेसर राय– 3 पुत्र शम्भू राय, मुसाफिर राय–नावल्द, राम किशोर राय

फल्लू राय– 3 पुत्र सुभग राय–नावल्द, शिवनन्दन राय व जीउत राय

शिवनन्दन राय– 2 पुत्र परमेश्वर राय व वरधू राय। परमेश्वर–एक कान्धार राय। रघू राय– एक नागेन्द्र राय–एक हृदय नारायण राय।

जीउत राय–एक भदेसर राय– 4 पुत्र जोगिन्दर, इन्द्रदेव, रामचन्द्र तीन नावल्द, हरिद्वार राय।

हरिद्वार राय– एक सीताराम राय।

रामसेवक राय– 3 पुत्र रामबक्स, देवनारायन व जगनारायन राय।

रामबक्स राय– दो पुत्र गुदरी राय व जालिम राय। गुदरी नावल्द।

जालिम राय– 5 पुत्र सवारथ राय–नावल्द, जतन राय, जगेसर राय, विसेसर राय व ठाकुर दयाल राय। सवारथ राय–नावल्द

जतन राय– एक रामचरित राय–नावल्द

जगेसर राय– एक सामरथी राय–नावल्द

विसेसर राय– एक कृतारथ राय–एक घनुषधारी राय–एक सिलहट राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

**टेकमनि राय–रेवतीपुर**– ठाकुरदयाल राय– एक शिवसहाय राय– इनके दो पुत्र विशुनधारी व राजधारी राय।

देव नारायण राय– 4 पुत्र पदारथ राय, नकछेदी राय, बुझावना राय व शिवप्रसाद राय।

पदारथ राय– 4 पुत्र नौबत, पतरू, पाल, रामसुन्दर राय–सभी नावल्द।

नकछेदी राय– 3 पुत्र परसीधन–नावल्द, दुक्खू राय–नावल्द व भृगुनाथराय

बुझावन राय– 3 पुत्र रामधारी राय, भोपे राय, रिसाल राय–नावल्द

भोपे राय– एक दूधनाथ राय– एक सहदेव राय–दो पुत्र रामसूचित व कीरत राय–नावल्द

रामसूचित राय– दो पुत्र बेचू राय व चतुरी राय।

बेचू राय– दो पुत्र परयाग राय व द्वारिका राय। दोनों नावल्द

चतुरी राय– दो पुत्र भैरोनाथ राय व जदूरोय–दोनों नावल्द।

जगरनाथ राय– दो पुत्र दुबरी राय व रनजीत राय।

दुबरी राय– दो पुत्र रामसरन व रामगिरी–एक अलराम राय–एक धनेसर राय–नावल्द

रनजीत राय– 2 पुत्र शिववरत राय व कौलेशर राय। शिवरत राय–3 पुत्र गजाधर राय, रामकिसुन राय व दशरथ राय। गजाधर राय–एक वासदेव राय–एक विश्वनाथ राय–दशरथ राय एक सूरज नारायन राय–नावल्द

जंगलसाह के दूसरे पुत्र बहादुर साह का कुर्सीनामा (रेवतीपुर)

**बहादुरसाह**–तीन पुत्रजयश्री राय, विरंजराय व शंकर राय। 1. जयश्री राय–दो पुत्र टीमल राय व तिलक राय। टीमल राय के 5 पुत्र विसेसर, महेसर, धनेसर, लखन, व सुमेसर–नावल्द। विसेसर–2 पुत्र सहदेव व दीपन राय। धनेसर राय–एक ब्रह्मेस राय–एक कपिलदेव राय।

2. विरंज राय– 3 पुत्र गोवर्धन राय, इसवू राय व शिवरतन राय।

गोवर्धन राय– 3 पुत्र रतनराय, वांका राय व भोला राय– दो नावल्द

बांका राय– एक जगदीश राय– एक राधाकिसुन राय– एक मानिक राय

शिवरतन राय– 3 पुत्र भरोसा, निहोरा राय व कालू राय– दो नावल्द।

निहोरा राय– एक गनपति राय–3 पुत्र जमुना, विश्वनाथ व सरजू राय।

**3. शंकर राय**– 3 पुत्र विसुन राय, देवी राय व ठाकुर राय।

विसुन राय– एक चन्द्रदेव राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

देवी राय– दो सतसरन राय व रामचरित राय–नावल्द
सतरसरन राय– एक महावीर राय हुये।
ठाकुर राय– 3 पुत्र देवराज राय, शिवजोर राय व शिवनन्दन राय
देवराज राय– 4 पुत्र सुखदेव, वासदेव, रामलगन राय व रामलाल राय तीन नावल्द।
रामलाल राय– 3 पुत्र गंगासागर, दलसिंगार व बनारसी राय।
शिवजोर राय– एक राजाराम राय–नावल्द
शिवनन्दन राय– दो पुत्र 3 उदित राय व गरजन राय–दोनों नावल्द।

**कल्ली राय के दूसरे पुत्र राघव राय का कुर्सीनामा (शेरपुर)**

राघवराम राय– तीनपुत्र रामदत्त, सादा राय–नावल्द, सुखवास राय।
रामदत्त राय– एक पुत्र बाबूराम राय– इनके दो पुत्र गुलाब व हुलास राय
1. गुलाब राय–एक कन्हई राय–दो पुत्र कलन्दर व शिवबालक राय–नावल्द
कलन्दर राय– 4 पुत्र परसीधन, मथुरा, गुलजार व गुदरी राय।
परसीधन राय– दूसरे परिवार में गोद गये।
मथुराराय– एक वासदेव राय–बलेसर–इनके दो पुत्र पारसनाथ राय व अनिल कुमार राय।
गुलजार राय– एक दूधनाथ राय–इनके तीन पुत्र देऊराय, जयनारायण, श्यामनारायण राय–सभी नावल्द।
गुदरी राय– दो कृतारथ राय व सुमेसर राय। कृतारथ राय–इनके तीन पुत्र रामवदन–नावल्द, हरदेव व राजनारायण राय। नावल्द
हरदेव राय– दो पुत्र श्रीकृष्ण राय व रामचन्द्र राय।
श्री कृष्ण राय– एक शशिधर राय–एक चन्दन राय।
रामचन्द्र राय– एक तारकेश्वर राय–एक विकास कुमार राय।
2. **हुलास राय**– छत्रधारी राय–परसीधन राय के गोद। नावल्द।
**सुमेसर राय**– एक रामलक्षन राय–दो पुत्र हरिहर राय व कैलाश राय
हरिहर राय– दो पुत्र अरविन्द व अमरनाथ राय।
कैलाश राय– एक शत्रुघ्न राय–दो पुत्र
**राघव राय– 3. सुखवास राय**– दो पुत्र नायक राय व मोहरी राय।
नायक राय– 2 पुत्र अचरज राय व दुल्हम राय–दोनों नावल्द।
मोहरी राय– तीन पुत्र तवकल राय, तहवर राय व जगन राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

तवकल राय– दो शिववरत राय व रामसुन्दर राय।
शिववरत राय– एक निरंजन– दो पुत्र रामलक्षन राय (पहलवान) नावल्द व रामवदन राय।
रामवदन राय– 3 पुत्र कपिलदेव राय, झारखण्डे राय व रामनरेश राय
कपिलदेव राय– दो पुत्र प्रभुनारायण राय व पारसनाथ राय।
प्रभुनाथ राय– तीन पुत्र वृजेश, अंजनी व शरद राय।
पारसनाथ राय– दो पुत्र दीबन्धु व प्रवीण राय।
रामसुन्दर राय– एक देऊ राय–नावल्द
तहवर राय– एक अविलास राय– इनके तीन पुत्र, कालू राय, गया राय प्रगास राय।
कालू राय– एक मानू राय–नावल्द
गया राय–एक सहदेव राय–एक रूपनारायण राय–एक कमला राय–नावल्द
परगास राय– तीन पुत्र रामलगन राय, हरदास राय व जानकी राय।
रामलगन राय– 5 पुत्र बैजनाथ–नावल्द, राजनारायन राय, शिवप्रसाद राय नावल्द, जगदीश राय व लक्ष्मी राय– तीन पुत्र।
राजनारायन राय– दो रामजी राय, व रामऔतार राय। रामजी नावल्द
रामं औतार राय– 3 पुत्र चेंगन राय, प्रदीप कुमार, व राहुल राय।
**मोहरी राय– (परगास राय)–जानकी राय–** दो पुत्र ब्रह्मदेव राय उग्रह राय दोनों नावल्द।
जगन राय– दो पुत्र खेदू राय व गंगा राय।
खेदू राय– शिवनन्दन राय– एक विकाऊ राय–एक वसगित राय–इनके एक चन्द्रिका राय।
गंगा राय– 3 पुत्र शिवगोविन्द राय, टीमल राय व ठाकुर राय
शिवगोविन्द राय–एक देवसरन राय–इनके दो पुत्र पृथ्वीपाल राय–नावल्द व विश्वनाथ राय।
विश्वनाथ राय– 5 पुत्र विजय बहादुर राय, वशिष्ठ राय, हरीराम ती नावल्द, श्री नारायण व रामवचन राय।
श्री नारायण राय– दो पुत्र ओम प्रकाश व जय प्रकाश राय।
रामवचन राय– तीन पुत्र आशुतोष–शिवांशु व हिमाशुं राय।
टीमल राय– 3 पुत्र माधो राय, देवमति राय व राजपति राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
देवपति राय– एक द्वारिका राय–3 पुत्र जनार्दन राय, केशव, अम्बिका राय
जनार्दन राय– 2 पुत्र मुकेश कुमार व अखिलेश कुमार राय।
केशव राय– एक बद्रीनारायन राय।
ठाकुर राय– एक शिवपूजन राय– दो पुत्र भोला राय व केदार राय।
भोला राय– नावल्द, केदार राय तीन पुत्र। अम्बिका राय– 3 पुत्र राकेश कुमार, बृजेश कुमार व सर्वेश कुमार राय।

## कल्ली राय – शेरपुर खुर्द

**धवल राय**– तीन पुत्र लालचन्द राय–नावल्द, सामूराय व वरन राय।
सामू राय– एक बगेसरी राय–एक भोला राय–एक कमला राय इनके तीन पुत्र–शिवशंकर व दीनानाथ राय, हरिशंकर राय।
हरिशंकर राय– 3 पुत्र कृष्णचन्द, मनोज व राजेश राय।
दीनानाथ राय–एक मनीष राय
वरन राय– तीन हरनन्द, देवनन्दन व जयपति राय। हरनन्दन राय–नावल्द
देवनन्दन राय– एक शिवदेव राय–दीपक शोभनाथ व सिद्धनाथ राय।
शोभनाथ– 4 पुत्र–विजय शंकर, धीरेन्द्र, वीरेन्द्र व कुवेर राय
सिद्धनाथ राय– एक अरविन्द राय।
जयपत राय– एक शिवकुमार राय– दो पुत्र रमाशंकर व रामजी राय।

## पं0 दुल्लह राय शर्मा के द्वितीय पुत्र सिरसिंह राय का कुर्सीनामा

**सिरसिंह राय**–इनके एक पुत्र परसुराय हुये। इन्हीं के नाम पर परसुराम राय पट्टी है।
**परसुराम राय**– इनके चार पुत्र रामसह राय, गाना राय, चन्द्रभान राय व मेदनी राय हुये।
रामसह राय– तीन पुत्र मोहन राय, राजाराय व जयत राय हुये।
1. **मोहन राय**– शेरपुर खुर्द में बसे। इनके तीन पुत्र प्रीतम राय, देवसिंह व जदूराय हुये।
प्रीतम राय–इनके 5 पुत्र मोती राय, भैरो राय, मनिकरन राय गुमान राय व अविलास राय हुये।
1. मोती राय– दो पुत्र डुगुर राय व भरोसा राय हुये।


RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gra

डुगुर राय– दो पुत्र बहादुर राय व महावीर राय। बहादुर राय–नावल्द
महावीर राय– एक कुवेर राय।
भरोसा राय– एक धूरपत राय–एक परसिधन राय–एक इन्द्रदेव राय–नावल्द
2. भैरो राय– एक सिंगुरी राय–एक रामकरन राय– एक तपेसर राय,
इनके एक रूपन राय–नावल्द
3. मनिकरन राय– एक सलूका राय–दो शीतल व रजवन्त–नावल्द
4. गुमान राय–नावल्द 5. अविलाख राय–एक धीरा राय–नावल्द
**2. देवीसिंह राय–** दो पुत्र परसन व बसेहर राय।
परसन राय– एक रूपन राय–एक रजवन्त राय– दो पुत्र गजाधर राय
व धवकल राय।
राजधर राय– एक देवकी राय–नावल्द।
धवकल राय– एक देवराज राय–एक देवीदयाल राय–एक हरखराय–एक
विक्रमा राय–एक गंगासागर राय–एक बालजीत राय।
बसेहर राय– एक खीरू राय–एक शिववरत राय–इनके 4 पुत्र बालू राय
जगेसर राय तिलकू राय व सालिक राय–नावल्द
बालू राय– दो पुत्र रामलगन राय व दूधनाथ राय–नावल्द
रामलगन राय– एक ईश्वर राय– 3 पुत्र रामचरित राय–नावल्द, रामसूचित
व सूर्य नारायण राय।
रामसूचित–3 पुत्र कृष्ण कुमार, अर्जुन राय, वृजविलास राय।
कृष्ण कुमार राय– 3 पुत्र वीरेन्द्र, धीरेन्द्र व प्रवीण राय।
अर्जुन राय–एक हरेन्द्र राय।
सूर्य नारायण राय– एक नन्दकिशोर राय–3 पुत्र शशिभूषण, रविभूषण व
शांतिभूषण राय।
शशिभूषण राय– अवनीश राय।
**3. जदू राय–** एक घिनहू राय–एक उरदेनी राय–एक केवल राय–एक
दीपन राय–एक श्रीपति राय–एक कपिलदेव राय–एक उदय नारायण
राय–3 पुत्र सुभाष, धर्मेन्द्र व विजेन्द्र राय।
**(डुगुर राय)–**कुवेर राय–एक शिवदत्त–4 पुत्र रामधारी राय, स्वारथ
राय, कुंजबिहारी व लालबिहारी राय–दो नावल्द।
1. रामधारी राय– दो रामजतन व रामकरन राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रामजतन राय– एक बिन्देसरीराय–दो भदेसर राय व तिलेश्वर राय।
भदेसर राय–एक शिवप्रसाद राय–दो योगेश व प्रवीण राय।
तिलेश्वर राय–4 पुत्र रामसुमेर, रामवचन, रामनगीना व अवधबिहारी राय।
रामसुमेर राय–दो जगमेन्द्र व धर्मेन्द्र राय।
रामवचन राय–दो राजकुमार व सूर्यकान्त राय।
रामनगीना राय– एक अजित कुमार राय।
अवध विहारी राय– दो अवनीश व मणिप्रकाश राय।
2. कुंज बिहारी रायं–5पुत्र टीमल राय, बहादुर, गनेस, लोचू व विसुन राय
टीमल राय–दो वल्देव व सहदेव राय।
बहादुर राय– दो पुत्र सुमेसर व परमेसर राय।
गनेश राय– एक बालेश्वर गय–नावल्द
लोचू राय– एक ज्वाला राय।
**रामसह राय–दूसरे पुत्र–राजा राय–** 4 पुत्र अरज रायं,, नृतराय, दयाराम राय, व गोसाई राय।
1. अरज राय– एक पुत्र खेदू राय–एक काशी राय–एक उमा राय।
उमाराय– 3 पुत्र रामसरन, कालीचरन व जूठी राय।
उमाराम राय– 1. रामसरन– दो पुत्र गोकुल राय व रामजतन राय।
1. गोकुल राय–3 पुत्र लक्ष्मीनारायण राय, बादूराय व रामटीकर राय।
लक्ष्मीनारायण राय–श्रीपति राय–नावल्द
बादू राय–एक शंकरदयाल राय–एक सत्यानारायण राय–3 पुत्र डा0 शारदाचरण राय, शिवमंगल राय व मधुमंगल राय।
शारदाचरण राय– 2 पुत्र राजेश कुमार व राजीव कुमार राय।
राजेश कुमार राय–एक क्षितिज राय।
राजीव कुमार राय– बरांग राय।
शिवमंगल राय–एक पुत्र अजीत कुमार राय।
मधुमंगल राय– दो पुत्र सुधीर व देवेश राय।
2. रामजतन राय– एक माधव राय–3 पुत्र रघुवीर राय, रघुपति राय व रामनाथ राय।
रघुवीर राय– आनन्दा चरण राय
रघुपति राय– कैलाश राय व विलास राय, भागलपुर में बसे हैं।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

2. कालीचरण राय–2 पुत्र रघुवंश राय व बुजभूषण राय।
रघुवंश राय–एक जयनारायण राय।
बृजभूषण राय–एक रामस्वरूप राय–इनके दो पुत्र केदार व रविन्द्र राय
3. जूठी राय– एक भदेसर राय–एक रामनारायण राय।
गोकुल राय–रामटीकर राय–. एक योगेन्द्र राय– इनके तीन पुत्र
1. अवधेश–एक पुत्र सतीश राय
2. रमेशराय– 2 पुत्र राजीव व हिमांशु राय।
3. दीनेश राय– एक पुत्र नीरज राय।
रामजनत राय–रामनाथ राय–एक बैजनाथ राय–इनके तीन पुत्र रामजी राय उमंग राय व भरत राय। आगे का विवरण अप्राप्त।
राजा राय–दूसरे पुत्र–नृत राय– एक सरनाम राय–5 पुत्र नीनुथ राय, निरंजन राय, कर्ताराय, होती राय व मोती राय।
नीनुथ राय– 4 पुत्र झगरू राय, अक्षैवर राय, कुलदीप राय व लोकार राय
झगरू राय– एक आदित राय–एक सिंहासन राय– 5 पुत्र केदारराय राजेन्दर राय, रामजी राय–नावल्द, लक्ष्मण राय व भरत राय।
केदार राय– 2 पुत्र शशिकान्त व हरिश्चन्द्र राय। शशिकान्त–दो पुत्र राजन राय व रमन राय। हरिश्चन्द्र राय के– एक सूरज राय हुये। रामजी राय नावल्द। लक्ष्मण राय–2 पुत्र जयशंकर व विजय शंकर राय। भरत राय–एक पुत्र आनन्द राय।
अक्षैवर राय– दो पुत्र प्रभु राय व कृतारथ राय।
1. प्रभु राय– 4 पुत्र गंगाराय, भृगु राय, सवारथ राय व गया राय। गंगाराय, भृगुराय व गया राय नावल्द हुये।
सवारथ राय– एक अयोध्या राय–इनके 4 पुत्र दिवाकर राय (विनोद) संजय राय, प्रमोद राय, व शालीन राय।
दिवाकर राय (विनोद)– 2 पुत्र सत्यं राय व शिव राय।
संजय राय– 2 पुत्र राहुल राय व व्यंकटेश राय।
प्रमोद राय– 2 पुत्र शुभं व शान्तनू राय।
2. कृतारथ राय– एक द्वारिका राय–एक रामआधार राय–एक प्रशान्त राय। राजा राय–के दो पुत्र दयाराम व गोसाई राय का कुर्सीनामा अप्राप्त है।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रामसह राय–3 जयत राय– रामजन्म राय–एक रामरूप राय–4 पुत्र रामखेलावन राय, रामजियावन राय, रामफल राय व राधेराय।

रामखेलावन राय– एक हरिनाम राय–3 पुत्र रघुनाथ राय, भृगुनाथ व पराहू राय। रघुनाथ राय–एक महावीर राय। पराहू राय–5 पुत्र हरू राय, महादवे राय, रूपनारायण राय, भोगी राय, वासदेव राय।

महादेव राय–एक गंगाधारी राय– 2 पुत्र रामाधार राय व रामनाथ राय।

रामाधार राय– दो पुत्र राजेश राय व देवेन्द्र राय।

देवेन्द्र राय– 2 नितीश राय व नीलेश राय।

रामनाथ राय– एक धीरेन्द्र राय– एक प्रीतेश राय।

रूपनारायण राय– दो पुत्र केशव राय व रामजी राय।

केशव राय– 4 पुत्र गंगासागर, वीरेन्द्र राय, सुरेन्द्र व कृष्णानन्द राय।

गंगासागर राय– एक धमेन्द्र राय–दो पुत्र पृथु राय व प्रारब्ध राय

वीरेन्द्र राय– एक आलोक राय। कृष्णानन्द राय–एक मनीष राय।

रामजियावन राय– दो स्वयंवर राय व जयकरन राय।

स्वयंवर राय– एक नौबत राय–एक दशरथ राय–दो पुत्र महंग राय व देवराज राय। महंग राय– एक कल्पनाथ राय–3 पुत्र रमाशंकर राय, भोला राय, व बबुआ राय–नावल्द।

रमाशंकर राय– एक सुरेन्द्र राय–दो पुत्र अविनाश राय व अतुल राय।

भोला राय– एक मंगला राय–दो पुत्र सच्चितानन्द राय व विनोद राय।

जयकरन राय–एक अर्जुन राय–3 पुत्र हरदेव, जगरदेव, व विश्वनाथ राय।

विश्वनाथ राय– दो पुत्र विभूति राय व रामचन्द्र राय।

रामचन्द्र राय– दो पुत्र रामानन्द व हृदय राय।

रामानन्द राय– दो पुत्र लल्लन राय व गिरीजा राय।

लल्लन राय– दो संजय व सन्तोष राय।

हृदय राय– 3 पुत्र बब्बन, गगन राय व गुड्डू राय।

रामफल राय– एक विशेषर राय–2 पुत्र जूठन राय व सलावी राय।

जूठन राय– एक लक्ष्मी राय–एक श्रीपति राय–दो पुत्र श्रीविसुन व लाल बिहारी राय।

श्री विसुन राय– एक रासबिहारी राय–एक विवेक राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

लालबिहारी राय– एक रवीन्द्र राय।

सलावी राय– दो इन्द्रदेव राय–नावल्द व ब्रह्मदेव राय।

ब्रह्मदेव राय– एक महेन्द्र प्रसाद राय–दो पुत्र अवध बिहारी राय व बृज बिहारी राय।

अवधबिहारी राय– एक अवन्तिका राय–एक नन्दन राय

बुज बिहारी राय– एक प्रकाश राय.।

रामसह राय–जयत राय

4. राधे राय– एक दुल्लम राय–दो पुत्र रंजन राय व विक्रमा राय।

रंजन राय– एक बगेसरी राय– 4 पुत्र जीतन राय, शिवपूजन राय, रामचेला राय व नमो नारायन राय।

जीतन राय– 2 पुत्र हरिशंकर राय व विनय कुमार राय–एक मुन्ना राय

हरिशंकर राय– दो पुत्र मुन्नन राय व झुन्नन राय।

शिवपूजन राय– एक पुत्र माधवन राय

रामचेला राय– एक हरिहर राय– 2 पुत्र अशोक राय व फुतु राय।

विक्रमा राय– 2 पुत्र बच्चू राय व उग्रह राय।

बच्चू राय– एक रामश्रय राय–इनके दो पुत्र ओंकार व विनोद राय।

उग्रह राय– एक सूरजन राय– एक बैजनाथ राय–नावल्द

जयंत राय–भटोर राय– शेरपुर खुर्द में बसा है। कुर्सीनामा अप्राप्त

**परसुराम राय के दूसरे पुत्र गाना राय का कुर्सीनामा**

गाना राय– दो पुत्र केशव राय व भवानी राय हुये।

केशव राय– एक नौहरशाह–एक रामू राय–एक घूरन राय।

घूरन राय– 3 पुत्र सुमिरन राय, सुदिष्ट राय व उदवन्त राय।

1. सुमिरन राय– एक तिलक राय– 5 पुत्र संसार राय–नावल्द, गौरी राय, शिवनायक राय, अयोध्या राय व ईश्वरी राय हुये।

2. गौरी राय– शिवसरन राय– 3 पुत्र रूद्र प्रसाद, दुर्गा प्रसाद, व रामगोविन्दराय।

रूद्र प्रसाद राय–एक गोरखनाथ राय–इनके 4 पुत्र अरूण कुमार–नावल्द, शशि कुमार, राजेश राय व रमेश राय।

शशि कुमार राय– दो पुत्र अनन्त राय व आलोक राय।

दुर्गाप्रसाद राय– एक शिवकुमार राय–4 पुत्र कौशल किशोर, शिवकिशोर



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

विजय किशोर व नन्द किशोर राय।
कौशल किशोर राय– एक मानवेन्द्र राय–एक उत्सव राय।
शिव किशोर राय– 3 पुत्र अमित, वरूण व आशुतोष राय।
राजेश– दो पुत्र गौतम व सूरज राय।
3. शिवनायक राय– एक पराहू राय–एक इन्द्रदेव राय–इनके दो पुत्र त्रिवेनी राय व बेनी माधव राय।
त्रिवेनी राय– 2 पुत्र कृपाशंकर व जयशंकर राय।
बेनीमाधव राय– 2 पुत्र प्रेमशंकर व आनन्द शंकर राय।
**4. अयोध्या राय–** 4 पुत्र कुलदीप राय, मंगला राय, सत्यनारायन राय व शिवमन्दिर राय (उधरनपुर में)
**5. ईश्वर राय–** एक नेहली राय–दशरथ राय, महावीर राय
दशरथ राय– विशेसर राय (सेसर राय)–इनके दो पुत्र बलराम राय व गंगा प्रसाद राय। बलराम राय–नावल्द
गंगा प्रसाद राय– एक पुत्र मनीष कुमार राय–एक अंशुमान राय
महावीर प्रसाद राय– एक हृदय नारायण राय–एक राघवेन्द्र राय।
**(घूरन राय)– 2. सुदिष्ट राय–** 3 पुत्र कलन्दर राय, दीनदयाल रायव चतुरशाल राय।
1. कलन्दर राय– 3 पुत्र कालीचरन राय, शिवबालक राय–नावल्द
अलख राय– दो समरजीत राय व इन्द्रजीत राय। समरजीत राय के एक परमहंस राय– इनके चार पुत्र महादेव राय–नावल्द, वटुक राय, द्वारिका राय व केदार राय। महादेव राय–नावल्द।
2. वटुक राय– 5 पुत्र रामेश्वर राय, अशोक राय, परसनाथ राय, सुनील राय, व अखिलेश्वर कुमार राय।
रामेश्वर राय– दो पुत्र अभिषेक राय व विवेक राय।
अशोक राय– एक रविप्रकाश राय–
पारसनाथ– एक शिवाजी राय। सुनील राय–एक प्रवणकुमार राय
अखिलेश– दो पुत्र सौरभ राय व गौरव राय।
3. द्वारिका राय– एक बृजेश कुमार राय–इनके 3 पुत्र प्रशांतशेखर, सशाकशेखर व रविशेखर राय।
4. केदारनाथ राय–(उधरनपुर) 6 पुत्र गोपाल राय, अनिल कुमार, सुधीरकुमार,



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

संजीव कुमार, प्रणवकुमार व राजीव कुमार राय।

**2. दीनदयाल राय–** एक जयश्री राय– एक श्यामनारायन राय–एक शिवदेव राय–इनके दो पुत्र कामता प्रसाद राय व ज्वाला प्रसाद राय।

कामता प्रसाद राय–एक संकठा प्रसाद राय, मंगला प्रसाद रायव बैजनाथ राय।

ज्वाला प्रसाद राय–एक हरिनरायण–दो पुत्र वंशनारायण व बृजनारायण राय

वंशनारायण राय– दो पुत्र अविनाश राय व राजेश चन्द्र राय।

बृजनारायण राय– दिनेश चन्द्र राय व प्रकाश चन्द्र राय।

दिनेशचन्द्र राय– एक नीरज राय।

प्रकाश चन्द्र राय– तीन पुत्र हिमांशु कुमार, रोहितकुमार, व सुभांशु कुमार

**उदवन्त राय–** एक चतुरशील राय–दो पुत्र हृदयनारायण व बद्रीनारायण राय दोनों नावल्द।

# गाना राय के दूसरे पुत्र भवानी राय का कुर्सीनामा

**भवानी राय–** एक पुत्र तुस्त राय–इनके तीन पुत्र दलराय, देऊ राय व बैजनाथ राय।

दलराय– दो पुत्र वासदेव राय व देवनाथ राय–आगे अप्राप्त।

देऊ राय– 3 पुत्र सदकू राय, नरकू राय व राधे राय।

**नरकू राय–** तीन धौताल राय, वुझावन राय–नावल्द व सनेही राय।

धौताल राय– एक रामवृक्ष राय–इनके चार सुखवास राय, शम्भू राय, हरी राय व प्रेमनारायण– दोनों नावल्द।

सुखवास राय– एक शिवमंगल राय–दो पुत्र बल्लू राय व मुन्ना राय।

शम्भू राय– एक लल्लन राय–दो पुत्र नीरज व धीरज राय।

सनेही राय– 3 पुत्र अजूर राय, रामबहोर राय व शिववरत राय।

अजूर राय– दो मौनी राय–नावल्द व सामरथी राय।

सामरथी राय– 3 पुत्र जयदेव राय, चन्द्रकेश राय व चान्दगोविन्द राय।

जयदेव राय–दो पुत्र विजय बहादुर राय व विन्देश्वरी राय–नावल्द

विजय बहादुर राय– 3 पुत्र मधुमंगल राय, छविनाथ व नरेन्द्र कुमार राय

मधुमंगल राय– दो पुत्र अशोक कुमार राय व सन्तोष कुमार राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

अशोक कुमार राय– 3 पुत्र शेषनाथ राय, प्रखर राय, व अखिलानन्द राय
सन्तोष कुमार राय– एक शिवांगशेखर राय
छविनाथ राय– एक मनोहर राय
नरेन्द्र कुमार राय– 3 पुत्र अंजु राय, विशाखा राय व नेहा राय।
चन्द्रकेश राय– एक मारकन्डे राय–इनके तीन पुत्र डा० सुरेन्द्रनाथ राय, रविन्द्रनाथ राय व छोटू राय।
डा० सुरेन्द्रनाथ राय– दो पुत्र राहुल व रोहित राय।
चान्दगोविन्द राय– एक शत्रुघ्न राय–एक ओंकार नाथ राय
**रामबहोर राय**–गोपीराय–नावल्द, रामनियादी–नावल्द व ज्ञानचन्द राय
ज्ञानचन्द राय– एक महातिम राय–इनके 4 पुत्र सत्यनारायण राय, शिवनारायण राय, श्यामनारायण राय व बृजनारायण राय।
सत्यनारायण राय– 4 पुत्र सत्येन्द्र नाथ, उमेश राय, अभिषेक व सन्तोष राय सत्येन्द्र राय–एक संदीप राय। उमेश राय–एक प्रवीण राय।
अभिषेक राय– एक अश्वनी कुमार राय।
श्रीनारायण राय– दो पुत्र राजेश व मृत्युंजय राय। राजेश–एक सत्यं राय
श्यामनारायण राय– 3 पुत्र सतीश, राकेश, व पंकज राय। सतीश–एक पंकज राय।
बृजनारायण राय– 3 पुत्र अनिल, सुनील, व सुशील रय।
अनिल राय– एक शुभं राय। सुनील–एक शिवं राय।
**शिवव्रत राय**– दो पुत्र वाजा राय व वृजमोहन राय।
वाजा राय– एक ब्रह्मदेव राय–एक जीतन राय–दो उग्रह राय व राजनारायण राय।
उग्रह राय– दो ह्रदयनारायन राय व कमला राय।
ह्रदय नारायणराय– दो पुत्र आनन्द कुमार राय व ओम प्रकाश राय।
आनन्द कुमार–एक मितुल राय। ओमप्रकाश राय– दो मानस कुमार व पावस कुमार राय।
कमला राय– दो पुत्र बब्बन राय व झब्बन राय
राजनारायण राय– एक सन्तोष कुमार राय।
सदकू राय– एक तिलेश्वर राय–3 पुत्र सुखदेव राय, परासन राय–नावल्द च फते राय– दो–नावल्द



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

सुखदेव राय– 3 पुत्र कलिका राय, गोरख राय व हरी राय।
हरी राय– एक रामजन्म राय– एक कृष्णदेव राय–इनके दो पुत्र
बुजमोहन राय– एक महामुनिराय–नावल्द
**बैजनाथ राय– (शे0खुर्द)** एक पुत्र बल्देव राय–इनके 5 पुत्र जगदीश राय, कुलदीप राय, चन्द्रिका राय, रमाशंकर राय व शिवशंकर राय
जगदीश राय– 3 पुत्र रामाज्ञा राय, महेन्द्र राय व राजेन्द्र राय
चन्द्रिका राय– एक अवधेश राय
कुलदीप राय– एक रामायन राय
रमाशंकर राय– एक बब्बन राय
शिवशंकर राय– एक विनोद राय।

## परसुराम राय के तींसरे पुत्र चन्द्रभान राय का कुर्सीनामा

**चन्द्रभान राय–** दो पुत्र हेतिम राय व गरीब राय हुये।
हेतिम राय– 2 पुत्र निर्भय राय व विशुन राय हुगे।
निर्भय राय– 4 पुत्र राम जियावन राय, सोमर राय, शिवसागर राय व हुमेल राय।
रामजियावन राय– एक पुत्र धंजू राय– एक पुत्र राधाकृष्ण राय–एक पुत्र ज्ञानचन्द्र राय–इनके चार पुत्र विन्ध्याचल राय, रामानन्द–नावल्द, केदार राय व बृजनारायन राय।
विन्ध्याचल राय– एक पुत्र जगरनाथ राय––नावल्द
केदार राय– दो पुत्र मुनीन्द्र नाथ राय व विनोद राय।
मुनीन्द्र नाथ राय– 3 पुत्र सत्येन्द्र नाथ, नरेन्द्र नाथ व सुधांशु राय
विनोद राय– एक पुत्र राहुल राय
बृजनारायन राय– 3 पुत्र अजय कुमार, विनय कुमार व संजय कुमार राय
अजय कुमार राय– 2 पुत्र रविकान्त व शचिन कुमार राय।
विनय कुमार राय– एक सौरभ राय।
**2. सोमर राय–** 2 पुत्र भंजन राय व त्रिलोक राय। भंजन रय–एक पुत्र मन्नूराय–2 पुत्र भदेसर राय व श्रीपति राय।
भदेसर राय– दो पुत्र देऊ राय व रामचरित राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

देऊ राय– एक हृदय नारायन राय– इनके 5 पुत्र सुभाष राय, लल्लन राय, रामऔतार राय, अशोक व अरविन्द राय।
रामचरित राय– एक पुत्र गया राय–4 पुत्र अम्बिका राय, बालेश्वर राय, रामयज्ञ राय व अवधविहारी राय।
अम्बिका राय– 3 पुत्र रमेसर राय,ओमप्रकाश व मृत्युंजय राय।
रामयज्ञ राय– 2 पुत्र भानू राय व गुड्डू राय।
अवधबिहारी राय– एक पुत्र लटू राय।
त्रिलोक राय–एक पुत्र नकछेदी राय–इनके एक पुत्र भरत राय–नावल्द
श्रीपति राय– दो पुत्र हरखनाथ राय व हरनन्दन राय
हरखनाथ राय– एक पुत्र एक पुत्र चन्द्रबली राय–एक पुत्र अजय राय।
हरनन्दन राय– दो पुत्र राजेन्द्र राय व रविन्द्र राय।
राजेन्द्र राय– 3 पुत्र वीरेन्द्र, पप्पू व अनिल राय।
रविन्दर राय– 3 पुत्र रमेशचन्द्र, छांगर व पिन्टूराय।
शिवसागर राय– दो पुत्र जइ राय व हरगुन राय।
जइ राय– दो पुत्र रामसुन्दर व धूरी राय।
रामसुन्दर राय– 3 पुत्र जमुना–नावल्द, केशव–नावल्द, व रामव्यास राय।
रामव्यास राय– एक पुत्र राजेश राय–दो पुत्र अमित व राजू राय।
धूरी राय– एक पुत्र भगवन राय–नावल्द
हरगुन राय– दो पुत्र देनी राय व परोति राय।
देनी राय– 4 पुत्र गंगाराय, रामधारी राय–नावल्द, सूर्यनाथ राय व भागीरथी राय।
सूर्यनाथ राय– दो शंकरदयाल राय व प्रमोद राय।
प्रमोद राय– एक पुत्र रामजी राय–एक भागीरथी राय–इनके 3 पुत्र कमला राय, अनिरूद्ध राय व कृपाल राय।
कमला राय– एक पुत्र नगीना राय–एक पुत्र रामश्रय राय।
रामनगीना राय– 3 पुत्र भूषन राय, पवन कुमार व अंजनी कुमार राय।
रामाश्रय राय– दो पुत्र गोलू व पिन्टू राय।
अनिरूद्ध राय– दो पुत्र विजय बहादुर व रामबहादुर राय।
कृपाल राय– दो पुत्र दीनानाथ व वीरेन्द्र राय।
हुमेल राय– 3 अज्ञात नाम, बोधा राय व सोधा राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

1. अज्ञात नाम– 3 पुत्र भंवर राय, वरन राय व शिवदान राय भवर राय– एक मातादयाल राय। शिवदान राय–एक लक्ष्मीसरन राय–एक इनरपति राय–इनके 5 पुत्र जगन राय–नावल्द, भोला राय–नावल्द, परसोतिम राय, सुकठ राय–नावल्द व जनार्दन राय।

परसोतिम राय– एक केदार राय–एक अनिल राय–नावल्द

केदार राय– एक हेमन्त कुमार राय–जनार्दन राय– एक अरविन्द राय।

**बोधा राय–** दो पुत्र सम्पति राय, व माधो राय–नावल्द

सम्पति राय–एक श्यामनारायन राय व मंगल राय–नावल्द

श्यामनारायन राय– एक रामअधार राय– तीन पुत्र अवधेश राय, तारकेश्वर राय व ओंकार राय। अवधेश राय– 4 पुत्र विनय, अजय, राजेश व सुधीर राय।

तारकेश्वर राय– एक पुत्र सुरेन्द्र राय। ओंकार राय– दो पुत्र सिन्दू व रिन्कू राय।

**विशुनसिंह राय–** एक देवराज राय–एक नन्दन राय–दो पुत्र गोरख राय व विन्ध्याचल राय–नावल्द। गोरख राय– दो पुत्र दीनानाथ व रामजी राय। दीनानाथ–दो पुत्र दामोदर राय व कामेश्वर राय।

## चन्द्रभान राय के दूसरे पुत्र गरीब राय का कुर्सीनामा

**गरीब राय–** दो पुत्र रामदीहल राय व मनोरथ राय

1. रामदीहल राय– 7 पुत्र फुलमान राय, रामवचन राय, अभिमान राय, कन्हई राय, जयनाथ राय, हरगोविन्द राय व अवतार राय।

फुलमान राय–दो पुत्र रजवन्त राय व महादेव राय।

रजवन्त राय– एक सलावी राय– एक अमृत राय–इनके दो पुत्र हरनाम राय व वंगाली राय–नावल्द

2. रामवन्धन राय–एक प्रताप राय–4 पुत्र पलकधारी राय, मुसाफिर राय, अपरूप राय व रामलगन राय।

पलकधारी राय–एक जानकी राय– 2 पुत्र रमाशंकर व नन्दकिशोर राय

रमाशंकर राय– एक रामअधार राय। नन्दकिशोर–एक सुदेश्वर राय

अपरूप राय–एक बेचू राय–3 पुत्र चन्द्रकेश राय, दवेनन्दन व बद्री राय

चन्द्रकेश राय–एक पुत्र अयोध्या राय–दो पुत्र मनोज राय व अनिल राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रामलगन राय– एक बखोरी राय–नावल्द

3. अभिमान राय– एक चिरकुट राय– एक बिहारी राय–इनके 3 पुत्र परमेश्वर राय, जदूराय व डोमा राय–तीनो नावल्द।

जदूराय– एक सीताराम राय–2 पुत्र सरजू राय व विश्वनाथ राय–नावल्द

सरजू राय– एक पुत्र कैलाश राय।

4. कन्हई राय– एक पुत्र बेनी राय– दो पुत्र कामता राय व रामदास राय–दोनों नावल्द।

5. जयनाथ राय– एक पुत्र गोवर्धन राय– दो पुत्र विभूति राय व कोमल राय–कोमल राय का एक पुत्र बाढ़ू राय।

6. हरगोविन्द राय– 4 पुत्र ध्यान राय, रामराज राय–नावल्द, मोहित राय व कुमार राय।

ध्यान राय– दो पुत्र दुखी राय व वल्देव राय।

दुखी राय– दो पुत्र धनमातिम राय–नावल्द व श्रीकिसुन राय–एक बालेश्वर राय।

मोहित राय– 3 पुत्र महादेव राय, विन्देश्वरी राय व शिवप्रसाद राय।

महादेव राय– दो दमरीराय व विश्वनाथ राय –नावल्द

विन्देश्वरी राय–एक हरकिसुन राय–एक जयनाथ राय –नावल्द

हरकिसुन राय– 3 पुत्र भवानी राय, लल्लू राय व द्वारिका राय।

भवानी राय– 3 पुत्र

शिवप्रसाद राय– एक हृदय राय, दो बच्चन राय व राजेन्द्र राय।

7. अवतार राय– एक हरदयाल राय–नावल्द

(गरीब राय) 2 पुत्र मनोरथ राय– एक पुत्र अजायब राय– दो पुत्र भुवावल राय व भरोस राय।

भुवाल राय– एक मनीराम राय–3 पुत्र हुबरी राय–नावल्द, बचनू राय व रामकरन राय।

बचनू राय– दो पुत्र लक्ष्मी राय व रूपन राय।

लक्ष्मी राय– एक खेदू राय– दो पुत्र रामशंकर व रमेसर राय–नावल्द

रूपन राय– एक मंगला राय–नावल्द

रामकरन राय– दो पुत्र विरोधी राय व धूपन राय–दो देवनन्दन राय व जिउत राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

विरोधी राय– 4 पुत्र हरखदेव राय, शिवदेव, रामआधार राय, गोपाल राय
हरखदेवराय–एक पुत्र दुनिया राय। देवनन्दन–कैलाश राम नाथ, शिवनाथ
**रामअधार राय–** दो पुत्र सच्चिता राय व शशिधर राय–एक अनिल राय
गोपाल राय, शारदा राय, दो मनोज राय व विनोद राय।
शिवदेव राय–एक पुत्र बेनी राय–2 पुत्र कामता–नावल्द व रामदास राय
**भरोसा राय–** 3 पुत्र ललक राय, उग्रह राय–नावल्द, प्रगास राय
ललक राय– एक दशरथ राय– दो पुत्र शंकर राय व सृष्टि राय–नावल्द
शंकर राय– दो लक्ष्मण राय व राधिका राय–नावल्द
लक्ष्मण राय– 2 पुत्र कृष्णनन्द राय व अशोक राय।
**गरीबराय–**प्रगास राय–एक नरायन राय–दोपुत्र जीतन व हलखोरी राय
जीतन राय– 3 पुत्र रामनाथ राय, राधामोहन राय व रामनरेश राय–नावल्द
रामनाथ राय–कुर्सीनामा अप्राप्त।
हलखोरी राय– एक पुत्र रामचन्द्र राय–3 पुत्र वेद प्रकाश, आनन्द प्रकाश
व राजेन्द्र प्रसाद।
भभूती राय–दो पुत्र शंकर राय व दमरी राय–इनके दो सुरेश व चन्द्रिका–नावल्द
शंकर राय– दो पुत्र पारस व जोगिन्दर राय।
**मुसाफिर राय–**एक सत्यनारायण राय–2 पुत्र ज्वाला व कालिका राय
ज्वाला राय– एक लालजी राय–दो पुत्र
कालिका राय– दो पुत्र रमाकान्त राय व सुवाष राय–एक अवनीश राय
**वनबहाल राय–**3 पुत्र गोरखनाथ राय,सौदागर–नावल्द व चन्द्रहास राय
गोरखनाथ राय– 4 पुत्र बृजनाथ राय, दुर्गाशंकर राय, कृष्णमोहन राय व
अरविन्द कुमार राय।
चन्द्रहास रायं– दो पुत्र राकेश व शशिभूषण राय।
**गरीब राय–समरथी राय–** इनके तीन पुत्र महावीर राय, छोटकन
राय–नावल्द व बैजनाथ राय–नावल्द।
महावीर राय– 3 पुत्र कुलदीप राय–नावल्द, शिवपूजन व शिवगोविन्द राय
शिवगोविन्द राय– दो पुत्र कैलाश राय व रामानन्द राय।
कैलाश राय– तीन पुत्र सुरेश राय, रमेश राय व उमेश राय।
रामानन्द राय– तीन पुत्र राजेश, राकेश व श्रीकेश राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# परसुराम राय के चौथे पुत्र मेदनी राय का कुर्सीनामा

मेदनी राय– एक पुत्र गुनराज राय–इनके दो पुत्र फतेराय–नावल्द व दर्शन राय हुये।

दर्शन राय– इनके 6 पुत्र भगत राय, शिवन राय, लोटन राय, त्रिवन राय, जखन राय व धौताल राय।

भगत राय– दो पुत्र गोपाल राय व शिवचरन राय।

गोपाल राय– दो पुत्र कौलेश्वर व महेन्द्र राय।

कौलेश्वर राय– दो पृथ्वी राय व बहादुर राय।

पृथ्वी राय– दो पुत्र देऊ राय व राजनारायन राय।

देऊ राय– 2 वंशनारायण राय व विभूति नारायण राय

वंशनारायण राय–दो पुत्र श्यामनारायण राय–नावल्द व बृजनारायण राय

बृजनारायण राय– एक पुत्र सत्येन्द्र राय

विभूति नारायण राय– एक भवन राय–दो पुत्र रविकान्त व पंकज राय

बहादुर राय– एक शिवरतन राय–एक धवकल राय–इनका एक पुत्र पेवारू राय–एक पुत्र फकीर राय–एक पुत्र विरनायक राय–इनके दो पुत्र डा0 शिवपूजन राय व विश्वनाथ राय।

डा0 शिवपूजन राय– एक पुत्र दीनानाथ राय–दो पुत्र ओमप्रकाश व अजय राय।

विश्वनाथ राय– एक पुत्र द्वारिका राय–इनके दो पुत्र

मेदनी राय– दूसरे पुत्र शिवन राय– एक पुत्र जीवक्स राय– 3 पुत्र जंगीराय, देवराज राय व रामराज राय।

जंगीराय–एक पुत्र महेश्वर राय–दो पुत्र रामलक्ष्मन राय व रामनेरश राय

रामलक्षन राय–एक अनन्तराय–नावल्द

देवराज राय–एक हरिगगन राय–एक विश्वनाथ राय–एक अजय राय

जखन राय–एक तवकल राय–एक पुत्र रामसरन राय–इनके 4 पुत्र किसुन राय–नावल्द, जगदीश राय, रघुनाथ राय व वल्देव राय।

जगदीश राय– एक शिवदास राय–एक त्रिवेनी राय–इनके दो पुत्र कविन्द्र व रघुनाथ राय–एक रामदास राय–इनके 7 पुत्र हुये– विनोद



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

राय, राजेन्द्र, विन्ध्याचल, राजनारायन, चन्द्रदेव, त्रिभुवन व केदारनाथ रा
बल्देव राय— एक रामधन राय—एक चन्द्रहास राय—इनके 4 पुत्र धरनीध
राय, वंगाराय, मुन्नाराय व अखिलेश राय।

धौताल राय— एक पुत्र डोमन राय—एक पुत्र बेनीमाधव राय—इनके दो
पुत्र राधामोहन व सुग्रीव राय।

राधा मोहन राय— दो पुत्र रामप्रसाद व शिवप्रसाद राय।

शिवप्रसाद राय— दो पुत्र उमाशंकर व उदयशंकर राय।

सुग्रीव राय— 3 पुत्र शिवशंकर, लल्लन व अनिल राय।

शिवचरन राय— 3 पुत्र तुलसीराय, स्वारथ राय व जदू राय।

तुलसीराय—एक पुत्र प्रयाग राय—दो पुत्र रामसुन्दर व भगवानसरूप
राय—नावल्द

रामसुन्दर राय—एक शंकर राय—दो पुत्र काशीनाथ व श्रीधर राय।

काशीनाथ—4 पुत्र रामचीज, रामजीराय, वसन्त कुमार व अजय क़ुमार रा

रामचीज राय— एक पुत्र मुन्ना

रामजी राय— एक पुत्र सुधांशु राय

स्वारथ राय— दो पुत्र विन्देसरी व अजुर्न राय—नावल्द

जद्दू राय— एक घुरभारी राय—तीन पुत्र सारजू राय—नावल्द, चन्द्रप
राय—नावल्द व दीपन राय—नावल्द सभी।

महेन्द्र राय— दो पुत्र प्रसिद्ध नारायन व महावीर राय—नावल्द

प्रसिद्ध नारायन राय—दो पुत्र विश्वनाथ व इश्लोक राय—दोना नावल्द

●



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# पं० दुल्लह राय शर्मा के तृतीय पुत्र मानसिंह राय का कुर्सीनामा

मानसिंह राय– इनके दो पुत्र गोविन्द राय व पनपार राय हुये।

गोविन्द राय– इनके एक पुत्र हेमराज राय हुये। इनकी दो शादियाँ थीं। पहली शादी से 4 पुत्र दरबर राय, धीर राय, बुनियाद राय व दुखहरन राय हुये। इन चारो पुत्रों के कुल को जेठराधर के नाम से जाना जाता है।

दूसरी शादी से– 3 पुत्र हुकुम राय, विहार राय व दिलराम राय हुये। इनके परिवार को लहुराधर के नाम से जाना जाता है। अब दोनों का कुर्सीनामा भी अलग–अलग लिखा जा रहा है।

**जेठराधर का कुर्सीनामा–**

**दरबर राय–** इनके 4 पुत्र जयसिंह राय, धवल राय, देवी व नैनराय

जयसिंह राय– एकपुत्र दिलीप राय। इनके दो पुत्र विद्या राय व धनेसर राय हुये।

विद्याराय–इनके चार पुत्र जालिम राय, हरपाल राय, तुलसी व गज्जराय

जालिम राय– दो पुत्र सीताराम राय व कुलदीप राय हुये।

सीताराम राय–एक पुत्र कृतारथ राय–इनके एक पुत्र श्री किसुन राय हुये।

श्री किसुन राय–इनके तीन पुत्र रामनरेश राय, वंशनारायण राय व गिरिजा राय।

रामनरेश राय– तीन पुत्र जयगनेश राय, इन्द्रजीत राय व फतेनारायण

जयगनेश राय– दो पुत्र कृपाशंकर व काशीनाथ।

इन्द्रजीत राय– दो पुत्र दीनेश व बैजनाथ राय।

फतेनारायन राय–एक प्रकाश राय।

वंश नारायन राय– 4 पुत्र विनोद बब्बन, पप्पू व दीनानाथ।

विनोद राय– एक सर्वेश राय। बब्बन राय– एक दीपक राय।

पप्पू राय– दो कुशल व शेष राय।

गिरीजा राय-- एक अशोक राय–दो पुत्र अनुज व शुभं।

**कुलदीप राय–** इनके तीन पुत्र महादेव राय–नावल्द, सहदेव राय व नारायन राय–नावल्द हुये।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

सहदेव राय– दो पुत्र रामवृक्ष राय व हरनारायण राय।
रामवृक्ष राय– 3 पुत्र भोला राय–नावल्द, परमानन्द राय व विक्रमा राय
परमानन्द राय– 5 पुत्र जितेन्द्र, जयशंकर, मुन्नू, गुड्डू व पिन्टू।
विक्रमा राय– दो संजय व ओम प्रकाश।
हरनारायण राय–एक विन्ध्याचल राय। इनके दो अमरनाथ व ओंकार
तुलसी राय–एक भृगुराय–एक उगन राय–एक नरसिंह राय–नावल्द
धनेसर राय– 3 पुत्र अयोध्या, अचम्भित राय व आसमन राय।
अचम्भित राय–दो कौलेसर राय व गंगाफल राय।
गंगाफल राय– दो महावीर राय व महाबल राय–नावल्द
आसमनराय–एक दूधनाथ राय–इनके दो परगास व भदेसर–दोनों नावल्द
धवलराय– इनके दो आगम व गुमान राय–आगम राय–4 पुत्र रोशन राय, रमेसर राय, चिरकिट राय व लौटू राय।
रोशन राय–तीन पुत्र देनी राय, परगास राय व अलख राय।
देनी राय– दो दवन राय व लखन राय–दोनों नावल्द।
परगास राय– 3 पुत्र महावीर राय, रामचीज राय व जयमंगल राय
महावीर राय– एक लालबहादुर राय–नावल्द
जयमंगल राय– दो पुत्र शिवकुमार राय व रामअधार राय।
शिवकुमार राय–दो पुत्र कपिलदेव राय व वशिष्ठनारायण राय।
कपिलदेव राय– 3 पुत्र लल्लन राय, भरत राय व सत्यनारायण राय
लल्लन राय– 2 पुत्र राकेश कुमार व धनंजय राय।
वशिष्ठ राय– दो पुत्र संजय व अजय राय।
रामअधार राय– 3 पुत्र रामजी राय, लक्ष्मण राय व रामनारायन राय
रामजी राय–दो पुत्र। लक्ष्मण--एक पंकज, रामनारायण राय–एक रोगन राय। अलख राय–एक रासुन्दर राय–इनके दो बृजकिशोर व सूर्यवंश राय।
बृजकिशोर राय– एक रामाश्रय–दो धर्मेन्द्र व अजय।
सूर्यवंश– दो अमरेन्द्र कुमार व नरेन्द्र कुमार राय।
(आगमराय)– रमेसर राय– 3 पुत्र मेघू राय, शिवव्रतराय व रक्षपाल राय
मेघू राय– दो पुत्र जानकी राय–नावल्द व नरसिंह राय।
नरसिंह राय– एक रघुनन्दन राय–इनके तीन पुत्र विश्वनाथ , रामनाथ व गुप्तेश्वर राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

विश्वनाथ राय– एक अक्षैवर राय–एक भुवनेश्वर राय
रामनाथ राय– एक सच्चितानन्द राय–एक मनोज कुमार राय।
गुप्तेश्वर राय–दो पुत्र शिवानन्द व रामानन्द राय।
शिवानन्द राय– एक आशीष कुमार राय। रामानन्द राय–एक दीपक राय
शिवव्रत राय– दो बलिराम व पृथ्वी राय।
बलिराम राय– दो पुत्र रामसरूप व रामदास राय–नावल्द
रामसरूप राय– दो पुत्र बैजनाथ राय व उमाशंकर राय–दो पुत्र गोपाल
व जयप्रकाश राय।
बैजनाथ राय– 3 पुत्र त्रिवेनी राय, पारसनाथ राय व गजाधर राय।
पारसनाथ राय– तीन पुत्र प्रवीण कुमार, पवन कुमार व प्रवेश कुमार राय।
गजाधर राय– दो पुत्र भूपेन्द्र व उपेन्द्र राय। पृथ्वीराय का दो–नावल्द।
कृपाल राय– दो पुत्र टीमल राय व रामलाल राय–नावल्द
चिरकिट राय–4 पुत्र सरनाम राय, बुधूराय, बेचू राय व जगेसंर राय–नावल्द
सरनाम राय– दो पुत्र जीउत राय व मुखराज राय–नावल्द।
जीउत राय– बनवारी राय व बनारसी राय। दोनों नावल्द।
बुधू राय– एक परानपति राय–दो जोगी राय व राजकिशोर राय दोनों
नावल्द।
बेचू राय– एक शम्भू राय–नावल्द
...लराय(आगम़) – दीपन राय व बिल्ला राय। नावल्द।
...हर राय)– 2. खेदू राय– एक रमायन राय–एक पुत्र घोघू राय–
...क हरनारायन राय–इनके दो पुत्र रविन्दर राय व जीतेन्द्र राय–नावल्द।
रविन्दर राय–एक सन्तोष राय।

**दरबर राय के तीसरे पुत्र बुनियाद राय– (सेमरा में हैं)**

बुनियाद राय– 2 पुत्र कौड़ी राय व राव राय।
कौड़ी राय– 3 पुत्र शिऊ राय, वल्ली राय व केथारू राय।
शिऊ राय– 3 पुत्र दरसन राय, परसन राय व हुकुम राय।
दरसन राय– एक बुझावन राय–इनके दो पुत्र खुदीराय व प्रभू राय
खुदी राय–एक पुत्र दुखित राय।
प्रभू राय– एक रामजतन राय–नावल्द
परसन राय–एक शंकर राय–एक महाबल राय–दो पुत्र अंगनू व



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

जंगी राय।
अंगनू राय–दो पुत्र राजपति राय–नावल्द व यदुनाथ राय।
यदुनाथ राय– दो पुत्र रामवृक्ष राय व चन्द्रमा राय–नावल्द
3. हुकुमराय– 4 पुत्र अयोध्या राय, परताप, हंसराज व रामजियावन रा
अयोध्या राय– दो पुत्र सवारथ–नावल्द व रक्षपाल राय।
रक्षपाल राय– होती राय व परगास राय।
होती राय– दो पुत्र जयमंगल राय व जदू राय।
परताप राय– 3 पुत्र मोहन राय, खेदू राय व हंसराज राय।
मोहन राय– दो पुत्र पलकधारी राय व लुगरी राय
खेदू राय– एक रामसेवक राय–एक कालिका राय–नावल्द।
हंसराज राय– दो असमन राय व पदारथ राय।
असमन राय– 2 पुत्र देवनारायन राय व देवकी राय।
देवनारायन राय– दो दशरथ राय व नन्दकुमार राय।
दशरथ राय– दो रामअधार राय व जगत राय।
[illegible] त राय–4 पुत्र भुवनेश्वर राय, मुक्तेश्वर राय, जनार्दन राय, शिवजी रा
भुवनेश्वर राय– ओंकारनाथ राय।
मुक्तेश्वर राय– 2 पुत्र सत्येन्द्र व जितेन्द्र राय। सत्येन्द्र राय– एक ध्रुव
जनार्दन राय– एक समीर कुमार राय।
शिवजी राय– 3 पुत्र उपेन्द्र राय, महेन्द्र राय व मिथिलेश राय।
(बुनियाद राय–) देवकी राय– 4 पुत्र अकलू राय, हरिहर राय, रामय
राय व बद्री राय –नावल्द।
अकलू राय– 3 पुत्र गंगाविसुनराय, शिवशंकर राय व गंगाशंकर राय
गंगाविसुन राय– 3 पुत्र सुरेशचन्द्र, परसन राय व विवेकानन्द राय।
शिवशंकर राय-- 3 पुत्र सुरेन्द्र, रविन्दर व संजयनाथ राय।
गंगासागर राय– 3 पुत्र इन्द्रासन, चन्द्रभूषण व आशुतोष राय।
**हरिहर राय**– एक भागवत राय–दो पुत्र पुरुषोत्तम व अभिमन्यु राय
रामयश राय– 4 पुत्र शिवसागर, धर्मराय–नावल्द राजेश्वर, शंकरदयाल
शिवसागर राय– श्यामबिहारी राय–2 अजय राय व धनंजय राय।
राजेश्वर राय– 3 पुत्र शशिकान्त व रविकान्त राय तथा जयप्रकाश रा
रविकान्त–राकेश राय। जयप्रकाश राय–रत्नेश राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शंकरदयाल राय– विजय प्रकाश व विनय राय।
**4. रामजियावन राय–** 6 पुत्र सम्भल राय, तुरन्तराय, कल्लन राय, गोकुल राय, रामगतिराय, अमृतराय व धंजू राय–नावल्द।
सम्भल राय– दो पुत्र सवारथ राय व मोहित राय।
सवारथ राय–दो पुत्र शीतलू राय व परसीधन राय।
शीतलू राय– दो हरदेव राय व सहदेव राय–नावल्द
परसीधन राय– एक पुत्र जीता राय–नावल्द
मोहित राय– 5 पुत्र केशो राय, दूधनाथ राय,रामसेवक, द्वारिका राय व रामसरूप राय।
केशो राय– एक रामायन राय। दूधनाथ राय–एक कर्मदेव राय–नावल्द
रामसेवक राय–एक मुसाफिर राय–नावल्द।
द्वारिका राय– एक जंगी राय–नावल्द
रामस्वरूप राय– एक उग्रह राय–दो पुत्र रमेश व विन्देश्वरी राय।
तुरन्त राय– दो पुत्र पोरुराय व परमेश्वर राय– एक जगरनाथ राय।
कल्लन राय– 3 पुत्र हरखू, रामदास व महीपति राय। दोनो नावल्द।
हरखू राय– एक महावीर राय–नावल्द
महीपति राय– 3 पुत्र हरिप्रसाद राय, बसन्त राय–नावल्द व ललिता राय।
ललिता राय– एक दीपनारायण राय–एक दीनेश राय।
4. गोकुल राय– एक रामलखन राय–नावल्द
5. रामगति राय– 3 पुत्र जगेसर राय, कौलेश्वर राय व रामधनी राय।
जगेसर राय– एक ब्रह्मदेव राय–नावल्द
**केथारूराय का कुर्सीनामा–** एक पुत्र रघुवास राय– 3 पुत्र पालक राय, बलजोर राय व अचरज राय।
पालक राय– दो पुत्र रजवन्त व अलियार राय–नावल्द
रजवन्त राय– एक पुत्र हरगगन राय–इनके चार पुत्र बुद्धू राय–नावल्द, रामधारी राय, रामपति राय–नावल्द व रामस्वरूप राय।
रामस्वरूप राय–दो पुत्र रामअवतार व रामअधार राय।
बलजोर राय– एक पुत्र गोपाल राय– 4 पुत्र हनुमान राय,टीमल राय, उचित राय, व सुगन राय।
धवल राय– गिरिजा राय प्रसाद राय–दो पुत्र अंजनी कुमार व संजय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

कुमार। शेषनाथ—एक तारकेश्वर राय, दयाशंकर राय— एक प्रमोद कुमार राय। विजय शंकर—एक कृष्ण कुमार।

गुमान राय— इनके तीन पुत्र पेवारू राय, डोमन राय व सूबा राय।

पेवारू राय— एकजयनाथ राय—इनके दो पुत्र, भृगराय व प्रयाग राय—नावल्द।

भृगुराय— 6 पुत्र महादेव राय—नावल्द, वासू राय—नावल्द, बल्देवराय, शिवनन्दन राय, रघुनन्दन राय व आचारी राय—नावल्द।

बल्देव राय— 3 पुत्र विक्रमा राय, सुदेसर राय व चन्द्रमा राय—तीनो नावल्द

रघुनन्दन राय— दो पुत्र हनुमान राय—नावल्द व रामराज राय।

रामराज राय— 3 पुत्र राधाकृष्ण, गंगाविसुन व कैलाश राय

राधाकृष्ण— रविन्दर, गंगाविसुन —अमरनाथ राय

2. डोमन राय— एक हरखू राय—नावल्द

3. सूबाराय—एक आशाराय—दो पुत्र गोपालराय व रामगतराय

गोपाल राय— 3 पुत्र कवल राय, रेखा राय व पराहू राय।

कवल राय— एक हरद्वार राय—नावल्द

पर ड़ राय— दो बृज़भूषण व माधोराय—नावल्द

बृजभूषण राय—एक रामस्वरूप राय—नावल्द

रामगत राय— एक सत्यनारायण राय— इनके चार रामनरेश, बृजराज राय, रामलक्षन व रामचन्द्र—नावल्द।

बृजराज राय— एक रामजन्म राय——नावल्द

हरवर राय—रामलक्षन राय— दो पुत्र रामवदन व इन्द्रदेव राय—नावल्द

## दरबर राय के तीसरे पुत्र

देवी राय— तीन पुत्र सरनाम राय, चन्दन राय, नामालूम राय।

सरनाम राय— दो पुत्र तवकल राय व सुअम्बर राय। तवकल राय-दो भीनिक राय व राजनारायण राय। भीनीक राय—दो रामलखन व महादेव। रामलखन—दो हरनन्दन व रामनन्दन। हरिनन्दन—एक यदुवंश राय। इनके दो गंगेसर व रमेसर। गंगेसर— 3 पुत्र धर्मराज, अर्जुन व नरेन्द्र राय। रामनन्दन—भौलाराय। ब्रह्माराय—पारस राय।

## दरबर राय के चौथे पुत्र नैनराय का कुर्सीनामा

नैनराय— इनके तीन पुत्र अभय राय, वनहेजर राय व हासा राय।

अभय राय— 3 पुत्र मालिक राय, रामधारी राय व भरोसाराय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मालिक राय– 3 पुत्र रामटहल राय, भागीरथी व मेघू राय–नावल्द
रामटहल राय– 3 पुत्र परसीधन राय, लखन राय–नावल्द व हरूप राय।
परसीधन राय– दो पुत्र जानकी व बेनी राय–दोनो नावल्द
हरूप राय– 4 पुत्र नगेसर राय व शिवनन्दन, रामसरूप राय।
नगेसर राय– दो जनार्दन राय व अयोध्या राय।
जनार्दन राय– दो पुत्र त्रिवेनी राय व बृजबिहारी राय।

## हेमराज राय के द्वितीय पुत्र धीरराय का कुर्सीनामा

धीर राय– 3 पुत्र फुलेलराय, कौलेसर राय व मोहर राय हुये।
फुलेलराय– एक पुत्र दुबरी राय–दो पुत्र अलीराय व भागीरथी राय।
अलीराय– एक पुत्र सुमेर राय–दो पुत्र रामलाल राय व संजीव राय
रामलाल राय– एक भवानी राय– 4 पुत्र रामचन्दर, जोगीराय–नावल्द, शिवदेव राय व हरनारायन राय–नावल्द।
रामचन्द्र राय– 4 पुत्र कालिका राय, रामविलास राय, विन्ध्याचल राय व कविलासराय।
संजीव राय– 3 पुत्र टेंगरी राय, रघुवीर राय व घरभरन राय।
रघुवीर राय– 3 पुत्र जद्दू राय, ज्वाला राय व रामअधार राय।
जद्दू राय– 3 पुंत्र अवधेश राय व अम्बिका राय।
घरभरन राय– दो पुत्र बच्चा राय व राजेन्द्र राय।
भागीरथी राय– दो पुत्र दीपनारायन राय, बल्लभ राय।
दीपनारायन राय–3 पुत्र सर्वदेव राय–नावल्द, चन्धारी राय–नावल्द व शुकदेव राय।
शुकदेव राय–एक वंशनारायण राय–एक कैलाश राय।
बल्लभ राय– 3 पुत्र नरसिंह राय–नावल्द, पलकू राय व करीमन राय।
पलकू राय– 3 पुत्र रामप्रवेश राय, रामविलासराय व रामझलक राय।
कौलेसर राय– एक टीमल राय–नावल्द
3. मोहर राय– एकं अंजोर राय–इनके दो पुत्र शीतलू राय व खेदू राय
शीतलू राय– सात पुत्र भगवान सरन, लक्ष्मी राय, सामरथी राय, महादेव राय,वासदेव राय, ज्ञानचन्द राय व लालता राय। अन्तिम चार नावल्द।
भगवानसरन राय– 4 पुत्र श्रीपति राय, परमहंस राय–नावल्द, राजनारायण राय व देवमुनि राय। श्रीपति राय–एक केशव राय–एक मदन राय–एक



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

विकास राय।

राजनारायन राय– 4 पुत्र सूरजराय, रामचन्द्र राय, केदारराय, सुरेन्द्र राय

रामचन्द्र राय– 2 पुत्र उमेश राय व रमेश राय।

उमेश राय– दो सन्तोष कुमार व मनोज राय।

रमेश राय– दो अरूण कुमार व वरूण कुमार।

केदार राय– दो अनिल राय व सुनील राय।

सुरेन्द्र राय– एक मनीष राय।

देवमुनि राय– एक भुवनेश्वर राय--इनके तीन पुत्र ओमप्रकाश राय, प्रेमप्रकाश राय व जयप्रकाश राय।

ओमप्रकाश राय– दो पुत्र अभिषेक राय व अम्बरीष राय

प्रेमप्रकाश राय– एक पुत्र आशुतोष राय।

जयप्रकाश राय– एक वैभव राय।

2. लक्ष्मी राय– दो पुत्र रामसूचित राय व रामकीरत राय–दोनों नावल्द।

3. सामरथी राय– एक जंगूराय–एक पशुपति राय–इनके 5 पुत्र रामजी राय, लक्ष्मण राय, विजयशंकर राय, जयशंकर राय व अजयशंकर राय।

रामजीराय– दो पुत्र मृत्युंजय व समीर कुमार राय।

लक्ष्मण राय– एक अभिषेक राय–एक मोहित राय।

विजयशंकर राय– एक विकास राय।

जयशंकर राय– दो पुत्र गौरव व सौरभ राय।

**(हेमराज राय, शेरपुर कलाँ) 3. बुनियाद राय–** सन्तन राय–एक सीकरन राय–दो पुत्र जगदीश राय व कमला राय।

जगदीश राय– 3 पुत्र दीनेश, रमेश व महेन्द्र राय।

कमला राय– 3 पुत्र जोगिन्दर, अजय व अनिल राय।

टीमल राय– एक नकछेदी राय–नावल्द

उदित राय– दो इश्लोक राय व रामबदन राय।

इश्लोक राय– दो कैलाश रा व राधाकिसुन राय।

कैलाश राय– दो अवधेश राय व जयशंकर राय।

राधाकिसुन राय– एक ओमप्रकाश राय।

सुगम राय– दो चन्द्रमा राय–नावल्द व विक्रमा राय।

विक्रमा राय–एक उमेश राय। रामस्वरूप राय–रामऔतार व रामअधारराय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रामऔतार राय– रामनाथ राय। रामअधार राय– दो लोकबन्धू राय व सन्तोष राय।

अचरज राय– एक अक्षयवर राय–एक मोहित राय– इनके 4 पुत्र देवराज, दीनदयाल, जानकी व भृगुराज।

दीनदयाल– महामुनि–नावल्द। जानकी के रामधारी राय।

## बुनियाद राय जेठराधर दूसरे पुत्र रावराय का कुर्सीनामा

**रावराय**– 3 पुत्र भिक्षुक राय, अवतार राय व वंशराज राय

भिक्षुक राय– 4 पुत्र अनन्त राय, कवलू राय, किसुन राय व रामहित राय,

अनन्त राय– एक रामधारीराय–दो वसगित राय व कुमार राय

वसगित राय– एक नरसिंह राय–दो योगिन्दर राय व नगीना राय

योगिन्दर राय– एक राजेश राय। नगीना राय– दो रामदरस राय व गिरिजा राय।

कुमार राय– तीन शम्भूराय, वंशनारायण राय राजनारायन राय।

शम्भू राय– 3 रामसुख राय, कमला राय व मंगला राय।

वंशनारायण राय– 2 पुत्र राजमनि राय व जयनारायण राय

राजनारायण राय– 2 पुत्र विजय शंकर राय व रामचन्दर राय

**कवलू राय**–4 पुत्र रामदयाल राय, भूपाराय, जानकी राय व विशेसर राय

रामदयाल राय–4 पुत्र जगेसर राय–नावल्द, हनुमान राय, शिवराम राय–नावल्द, विभूति राय।

हनुमान राय– दो वल्देव राय व ब्रह्मदेव राय।

बल्देव राय– एक रामानन्द राय–नावल्द

ब्रह्मदेव राय– एक मारकन्डे राय।

विक्रमा राय– 3 पुत्र माधो राय, शिवचरण राय व हरदास राय। दो नावल्द

माधो राय– एक रघुपति राय–एक नरायन राय

**भूपा राय**– तीन पुत्र रामसमग राय, वनवारी व भिखारी राय।

रामसुमग राय– 2 पुत्र धर्मसेन राय व इन्द्रदेव राय। दोनों नावल्द।

विसेसर राय– 3 पुत्र राजा राय, खेलवान राय–नावल्द, वासदेव राय–नावल्द

राजा राय– एक पुत्र चन्द्रमा राय–नावल्द

3. किसुन राय– एक पुत्र प्रयागे राय–दो पुत्र परमानन्द राय व रामसरूप राय–नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

4. रामहित राय– दो पुत्र अजनाथ राय व धनराज राय–एक पुत्र सीताराम राय–नावल्द।

**अवतार राय**– 3 पुत्र दवन राय, सुअम्बर राय व आलूराय

दवन राय– 3 पुत्र रामवदन राय–नावल्द, सुखराज राय व अपयप राय

सुखराज राय– 2 पुत्र भृगु राय व कुंजन राय।

1. भृगु राय– 3 पुत्र दूधनाथ राय, त्रिभुवन राय–नावल्द व रामराज राय

दूधनाथ राय– 3 पुत्र विश्वनाथ राय परमारथ राय व विन्ध्याचल राय–नावल्द

विश्वनाथ राय– 4 पुत्र रामायन राय, वाल्मीकि राय, रामगोपाल राय, वशिष्ठ गोपाल राय।

रामराज राय– एक चन्द्रदेव राय–एक शुभनारायन राय

कुंजन राय– दो पुत्र विल्ली राय व अनिरूद्ध राय–नावल्द

विल्ली राय– शिवदास राय व विभूति राय–नावल्द

शिवदास राय– 2 पुत्र वसेसर व महेसर राय

**अपरूप राय**– 5 पुत्र रामजनम राय, रामअधार राय–नावल्द, देवनन्दन राय, नौसन राय, हरिनरायन राय।

रामजनम राय– एक दशरथ राय– 3 पुत्र गौरीशंकर, सुदर्शन व कमलेश्वर राय।

देवनन्दन राय– एक पुत्र मुसाफिर राय–नावल्द

नवरतन राय– 3 पुत्र भोला राय, शेखर राय व रमाशंकर राय।

हरिनारायण राय–एक पुत्र कपिलदेव राय–3 पुत्र राजेन्दर राय, अशोक राय व अरविन्द राय।

**सुअम्बर राय**– 4 पुत्र लेखराज राय, रामकरन राय, रामनरायन राय–नावल्द व रामरूप राय।

लेखराज राय–3 पुत्र दुर्गाराय, भूसी राय व बालमुकुन्द राय। सभी नावल्द

रामकरन राय– एक पुत्र रामजीउत राय–नावल्द

रामरूप राय– एक तुलसी राय–नावल्द

आलू राय– दो पुत्र रामऋषि राय व परन राय–नावल्द

रामऋषि राय– 2 पुत्र दीपन राय व नेवाज राय

दीपन राय–एक पुत्र शिवपूजन राय–2 पुत्र वशिष्ठ राय व कैलाश राय–नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वशिष्ठ राय– दो पुत्र चन्द्रिका राय व लालता राय
परन राय– दो पुत्र लालधर राय व गोवर्धन राय
लालधर राय– एक जयमंगल राय–शिवप्रसाद राय
गोवर्धन राय–दो पुत्र लौजू राय व घूसू राय–नावल्द
लौजू राय– एक घोघू राय–एक रघुनाथ राय–दो पुत्र श्रीपति राय–नावल्द व हरविंश राय।
हरिवंश राय– 3 पुत्र रामबचन राय, अवधनारायन राय, जनार्दन राय

## हेमराज राय (जेठराधर) के चौथे पुत्र दुखहरन राय का कुर्सीनामा

**दुखहरन राय–** इनके चार पुत्र भगवत राय, भूसी राय, शिवसहाय राय व तिलक राय।
भागवत राय– एक कृतारथ राय–एक शंकरदयाल राय–इनके 4 पुत्र वंशनरायण राय, वशिष्ठ नारायण राय, सुदिष्ट नारायण राय, राममोहन राय।
वशंनरायण राय– एक गोपाल राय–इनके एक भरत राय।
वशिष्ठ नरायण राय– दो पुत्र जगत नरायण राय व रामनरायन राय
**2. भूसी राय–** एक पुत्र नन्दन राय– 4 पुत्र तपेसर राय, सुदेसर राय, यदुनाथ राय व हंसु राय।
सुदेसर राय– 2 पुत्र श्रीनाथ राय व महामुनि राय
महामुनि राय– 2 रामजीत राय व सीताराम राय
यदुनाथ राय– एक पुत्र करमन राय–एक पुत्र भोला राय
हंसु राय– वृजवासी राय–नावल्द
**3. शिवसहाय राय–** 2 पुत्र रामसुन्दर राय व जगेसर राय
रामसुन्दर राय– 2 पुत्र लक्ष्मी राय व ब्रह्मदेव राय–नावल्द
लक्ष्मी राय– एक उदय नरायण राय–एक बेचु राय–नावल्द
जगेसर राय– एक धन बहादुर राय–नावल्द
**4. तिलक राय–**एक पुत्र सुभग राय–दो पुत्र रामलखन व रामचरित राय
रामलखन राय– दो पुत्र अम्बिका राय–नावल्द व भानुप्रताप राय–इनके एक राजनरायन राय–इनके दो रामबली व नगीना राय।
रामचरित राय– दो पुत्र सहदेव राय व मंगला राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

सहदेव राय–एक पुत्र शिवकुमार राय

मंगला राय– एक पुत्र बनीमाधव राय–एक पुत्र केदार राय।

## हेमराज राय की दूसरी शादी से 3 पुत्र हुकुम राय, बिहार राय व दिलराम राय–नावल्द का कुर्सीनामा

**लहुराधर हुकुम राय**– 3 पुत्र प्रेमराय, चिरकुट राय व सीरी राय

सीरी राय– एक पुत्र कन्हई राय–इनके तीन पुत्र रामखेलावन, कलंक राय व बन्धन राय।

रामखेलावन राय– 2 पुत्र रामसरन राय व परमेश्वर राय।

परमेश्वर राय– एक रामलगन राय–इनके एक रामनरेश राय

रामनरेश राय– दो पुत्र महेन्द्र प्रसाद व सुरेन्द्रनाथ राय।

महेन्द्र प्रसाद राय– 3 पुत्र जयप्रकाश राय, प्रेमप्रकाश राय व नागेन्द्र नाथ राय।

जय प्रकाश राय– दो पुत्र चन्दन राय व राहुल राय।

प्रेम प्रकाश– एक पुत्र नन्दन राय।

सुरेन्द्रनाथ राय– दो पुत्र लल्लन राय व वीरेन्द्र राय।

लल्लन राय– एक कुन्दन राय

**कलंक राय**– एक टूडी राय–नावल्द

बन्धन राय– एक अलख राय–एक वरन राय– 3 पुत्र हरगगन राय, दशरथ राय, व टीमल राय।

हरगगन राय– 2 पुत्र विन्देसरी राय, विश्वनाथ राय व कपिलदेव राय

देवचन्द राय– एक प्रभास कुमार राय–इनके दो पुत्र अक्षय कुमार व वसन्त कुमार राय।

विश्वनाथ राय– एक प्रमोद कुमार राय–इनके एक नन्दकिशोर राय

कपिलदेव राय– दो पुत्र दयाशंकर व सन्तोष कुमार राय।

वीरेश्वर नाथ राय– 4 पुत्र वशिष्ठ राय–नावल्द, शिवपूजन राय–नावल्द, केशव राय व विजय राय।

केशव राय–3 पुत्र अशोक कुमार, अरूण कुमार राय व अनिल कुमार राय

विजय राय– एक पुत्र कैलाश राय

बन्धनराय– **दशरथ राय**– एक पुत्र छांगुर राय–इनके दो पुत्र वंशलोचन व वासदेव राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वंशलोचन राय–एक पुत्र रमाशंकर–इनके दो पुत्र संजय व सदानन्द राय
वासदेव राय– 4 पुत्र कृपाशंकर, सुरेश राय, शिवपूजनराय व राधेश्यामराय
टीमल राय– 2 पुत्र सूचित राय व इन्द्रदेव राय–दो कुवेर राय व भोला राय–एक तुंगनाथ राय–एक विवेक कुमार राय।

**बिहार राय**– तीन पुत्र फेकू राय, परसन राय व दरसन राय
फेकू राय– दो पुत्र सीलवन्त राय व घुरपातर राय
सीलवन्त राय– 3 पुत्र भीनिक राय, रमेसर राय व कालीशंकर राय
कालीशंकर राय– एक दीपन राय–इनके एक परसीधन राय–इनके एक कविलदेव राय–नावल्द।

रमेसर राय– एक भदेसर राय– दो शिवदेव राय व अम्बिका राय–नावल्द
शिवदेव राय– दो राधिका व चेंगन राय।
राधिका राय– दो पुत्र मुन्नीलाल राय व रमाशंकर राय
मुन्नीलालराय–5 पुत्र शिवशंकर,जयशंकर,प्रेमशंकर, अवधेश व अजय राय
रमाशंकर राय– 3 पुत्र विजय बहादुर, दीनानाथ व रामबहादुर राय
चैगन राय– 4 पुत्र केदार राय, हरिहर राय, पशुपति राय व सुमेसर राय
केदारनाथ राय– 3 पुत्र राकेश, राजेश, व सत्येन्द्र राय–इनका दो पुत्र आयुष व सनत कुमार राय।
पशुपति राय– रामलक्षन राय। सुमेसर राय–दो विनोद व प्रद्युम्न राय
**भीनिक राय**– दो पुत्र जगेसर राय व श्यामनारायन राय–नावल्द
जगेसर राय– एक इन्द्रदेव राय– 4 पुत्र रामजी राय, काशीनाथ, कौशल, धर्मराज राय।
किशोर राय–एक जनार्दन प्रसाद राय।
धर्मराज राय– दो पंकज कुमार व नीरज कुमार राय।
रामजी राय–एक अशोक कुमार राय। काशीनाथ–एक अमरनाथ राय।
फेकूराय–**घुरपात राय**– दो पुत्र गनेश राय व जीतू राय
गनेश राय– एक पुत्र कामता प्रसाद राय– एक पुत्र जगमोहन राय–इनका चार पुत्र गंगासागर, रामदहिन राय, रामवृक्ष राय व उमाशंकर राय
गंगासागर राय– दो पुत्र हरिशंकर व घनश्याम राय
हरिशंकर राय– दो रीसम राय व टिंकू राय। घनश्याम–एक शमीकुमार
रामदहिन राय– एक चन्द्रहास राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

2. जीतू राय– एक पुत्र रामचन्द्र राय–एक शिवनारायन राय–एक पुत्र दयाशंकर राय– 3 पुत्र सतीश कुमार, अश्वनी कुमार व आशुतोष। सतीश कुमार– दो अभिषेक 0 आशीष राय।

## (लहुराधर) बिहार राय के दूसरे पुत्र परसन राय का कुर्सीनामा

परसन राय– 4 पुत्र सन्तू राय, शिवसहाय राय, रामदीन राय व रामनेवाज राय।

सन्तू राय– रामलखन राय–एक राजनारायन राय–नावल्द

शिवसहाय राय– दो नौबत राय व अनिरूद्ध राय

नौबत राय– एक देऊ राय–इनके 4 पुत्र मुसाफिर राय, गंगा राय, नैपाल राय व जयपाल राय।

मुसाफिर राय– एक महामुनि राय–तीन योगिन्दर राय–नावल्द, रामसुमेर व रामनगीना राय।

रामसुमेर राय– दो राधेश्याम राय व राजेश राय

रामनगीना राय– दो पुत्र राजीव व सुनील राय

गंगाराय– एक बूची राय–नावल्द

3. नैपाल राय– दो पुत्र दमरी राय व भोला राय।

दमरी राय– 3 पुत्र राममूर्ति राय, संजय राय व राकेश राय।

भोला राय– एक श्रीराम राय–नावल्द

जयपाल राय– एक गजाधर राय–इनके तीन पुत्र श्रीधर राय, गिरधर राय व मुरली राय।

परासन राय 3. रामदीन राय– एक शिववरत राय–इनके 4 पुत्र बगेसरी राय, टीमल राय, जीउत राय व माधो राय।

बगेसरी राय– दो पुत्र सरजू राय व वासू राय–नावल्द

टीमल राय– एक जगत राय–दो श्रीभागवत राय व अक्षैवर राय

श्री भागवत राय– रामनेरश राय, अक्षैवर राय–दो पुत्र

जीउत राय– दो पुत्र शिवपूजन राय व वसगित राय।

4. रामनेवाज राय– एक गुलजार राय–एक हरदेव राय–एक विभूतिराय इनके दो पुत्र कैलाश राय व शिवकुमार राय

कैलाश राय– एक कृपशंकर राय। शिवकुमार राय–दो प्रमोद व प्रशांत



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# विहार राय के तीसरे पुत्र दर्शन राय का कुर्सीनामा

दर्शन राय– एक पुत्र आलन राय–दो पुत्र मेघू राय व शिवनन्दन राय
मेघू राय– दो पुत्र महावीर राय व महादेव राय।
महावीर राय– एक शिवप्रसाद राय–एक पुत्र कवलपति राय–4 पुत्र जगत राय, नरायन राय, कृपाल नारायन राय व प्रेमनाथ राय।
जगत राय– 4 पुत्र सुरेन्द्र राय, लल्लन राय, महेन्द्र राय व बब्बन राय
सुरेन्द्र राय– दो सुशील व अभिलाख राय। लल्लन–एक राकेश राय
महेन्द्र राय– एक अभिषेक राय। बब्बन राय– दो आशीर्वाद व मौनू
कृपाल नारायन राय– 3 जयशंकर राय, विजयशंकर राय व अंजनी राय।
जयशंकर राय– एक आशीष राय, विजयशंकर राय–मनीष राय
प्रेमनाथ– एक वृजेश राय
महादेव राय– 3 पुत्र नगेसर राय, करीमन राय व वंशनारायन राय
वंशनारायन (सुकठ) राय– 3 पुत्र हृदय नारायन राय, जदूराय, मंगला राय
हृदय राय– दो पुत्र राधाकृष्ण व श्रीकृष्ण राय।
राधाकृष्ण राय– दो पुत्र अनिल राव शशिकानत राय
श्रीकृष्ण राय– एक पुत्र
जदूराय– दो पुत्र सुभाष राय–नावल्द व राजेन्द्र राय– दो पुत्र उपेन्द्र व हरेन्द्र राय।
मंगला राय– एक गिरीश राय– तीन मनोज, विनय व अजंल कुमार राय
शिवनन्दन राय– दो पुत्र रामलक्षन राय–नावल्द व जंगू राय–एक केदार राय–इनका एक काशीनाथ राय– एक सीताराम राय–दो सौरभ कुमार व शिवकुमार राय।

# मानसिंह राय के दूसरे पुत्र पनपार राय घराने का कुर्सीनामा

पनपार राय– इनके तीन पुत्र मुरलीधर राय, गयन्द राय व वंशीधर राय थे। इनमें गयन्द राय नावल्द हो गये। दो का वंश चला।
मुरलीधर राय– इनके 4 पुत्र जगरदेव राय, नन्दलाल राय, लक्षमण राय व निहाला राय थे।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

जगरदेव राय– इनके तीन पुत्र रामसह राय, जोधी राय व बोधाराय थे
रामसह राय–(शे0खुर्द)– 3 पुत्र कुशल राय, शाहराय व हरदेव राय
कुशल राय– 2 पुत्र बलिवंड राय–नावल्द व गंगावक्स राय।
गंगावक्स राय– दो कालीचरन राय व हुंकार राय।
कालीचरन राय– 4 पुत्र कृतारथ राय, लक्ष्मी राय, गया राय व सामू राय
1. कृतारथ राय– 2 पुत्र राजाराम राय व वरमेश्वर राय–नावल्द
राजाराम राय– 5 पुत्र सरजू राय, परमहंस राय, जयंती राय, त्रिवेनीराय व शैलनाथ राय।
सरजू राय– 3 पुत्र उमाशंकर, लल्लन राय व सुरेन्द्र राय।
जयंती राय– एक राघवशंकर राय–एक रामजी राय
त्रिवेनी राय– 3 पुत्र किरनशंकर, रविशंकर व प्रेमशंकर राय
शैलनाथ राय– 3 पुत्र प्रेमशंकर, दिवाकर व ओम प्रकाश राय
2. लक्ष्मी राय– 2 पुत्र नवरंग राय व रामवदन राय
नवरंग राय– 3 पुत्र विन्ध्याचल राय, विक्रमा राय व नरायन राय–नावल्द
विन्ध्याचल राय– दो पुत्र शिवशंकर व अवधेश राय।
रामवदन राय– 2 पुत्र गुप्तेश्वर राय व सुमेश्वर राय
गुप्तेश्वर राय– 4 पुत्र हरिशंकर, दयाशंकर, सुनील व अजयशंकर–नावल्द
सुनील कुमार राय– एक रजनीकान्त राय
हरिशंकर राय–एक पुत्र दीपू। दयाशंकर राय–एक राजीवशंकर राय
गया राय–दो पुत्र भुवनेश्वर व महेश्वर राय
भुवनेश्वर राय– 4 पुत्र कपिलदेव राय, तेजबहादुर राय, श्रीभागवत राय–नावल्द व पंकज राय।
कपिलदेव राय– एक त्रिलोकी नाथ राय–एक मुक्तिबोध राय
तेजबहादुर राय– एक मुन्ना राय। सामूराय–दो नगेन्द्र व सूरज
नगेन्द्रराय– एक प्यारे लाल–इनके चार वीरेन्द्र, परमात्मा ओंकार व विनोद
ओंकार राय– 2 पुत्र जऊराय व शिवपूजन राय–नावल्द
जऊ राय– दो भोला राय व बाढ़ूराय
भोला राय–3 पुत्र वंशनारायण, रामनारायण व रमाशंकर राय
वंशनारायण राय– दो पुत्र पारसनाथ–नावल्द व गोरखनाथ राय।
रामाज्ञा राय– एक सिद्धनाथ। रमाशंकर–दो गोपालजी व दिवाकर राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बाढ़ू राय– एक विजयशंकर– 3 पुत्र दिनकर, सुधाकर व मनोज राय
जगरदेव राय 2. जोधीराय– एक पुत्र इनर राय–एक बैजनाथराय–एक तवकल राय।
तवकल राय– दो पुत्र नीनुथ राय व रामबन्धन राय
नीनुथ राय– 5 पुत्र मेघवरन राय, परसीधन राय, प्रभू राय, नरसिंह राय व सोहावन राय।
1. मेघवरन राय– दो पुत्र सिधारी व रामसुन्दर राय।
सिधारी राय– एक पुत्र रामकरन राय–इनके 2 पुत्र कपिलदेव व जगदीश
कपिलदेव राय– 5 पुत्र रामजी राय, गोपाल राय, लालजी राय, गुलाबी राय व बच्चन राय।
जगदीश राय– दो पुत्र परसुराम व संजय राय।
रामसुन्दर राय– दो पुत्र वासदेव राय व रामायन राय
वासदेव राय–एक रामलक्षन राय–इनके दो पुत्र जयप्रकाश व अवधबिहारी
रामायन राय– दो पुत्र चन्द्रकेश व श्रीभागवत।
श्रीभागवत राय– एक अश्वनी राय।
2. परसीधन राय– दो मातवर राय व वगेसर राय
मातवर राय– दो विन्ध्येश्वरी व श्रीपति राय–नावल्द
विन्ध्येश्वरी राय– एक विपिन बिहारी राय।
3. प्रभू राय– दो पुत्र समारथी व हरचरन राय।
समरथी–एक रामदेनी राय– एक रमेसर राय
क हरचरन राय–एक रामवदन राय–इनके तीन उमाशंकर, शिवपूजन व रसनाथ राय।
नुथराय 4. नरसिंह राय– एक कुलदीपराय–दो हरदेव व भुखन राय
हरदेव राय– एक आदित राय। भुखन राय–दो पुत्र कमच्छा व गोरखराय
सोहावन राय– दो पुत्र नकछेदी राय व महादेव राय।
नकछेदी राय– एक पलकू राय–दो देवपत राय व बनारसी राय
देवदत्त राय– एक गजाधर राय
बनारसी राय– एक सत्यनारायण राय। महादेव राय–एक रामदास राय
इनके दो देवनन्दन व महातिम राय।
देवनन्दन राय–एक शिवशंकर–इनके तीन विनोद, प्रमोद, सोनू



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

**तवकल राय–रामबन्धन राय–** 4. पुत्र ठाकुर, रनजीत राय, टीमल राय व हनुमान राय।
ठाकुर राय– एक गनपति राय–दो ब्रह्मदेव व हरदेव राय–नावल्द।
ब्रह्मदेव राय– 3 पुत्र सिंहासन राय, कालिका व तिलेश्वर राय। सिंहासन राय–एक मारकन्डे राय। तिलेश्वर रय– एक कृपाशंकर राय
रनजीत राय– 4 पुत्र दीनदयाल महीपति, नन्दन राय–नावल्द व भृगुराय
दीनदयाल– दो पुत्र पालू राय व सहदेव राय।
पालू राय– दो पुत्र देवनारायन व महेश्वर राय। देवनरायन–एक जोखूराय
महेश्वर–3 पुत्र जीउत, धूपन व रामलखन–नावल्द
सहदेव राय– विरनायक व ज्ञानचन्द्र राय।
विरनायक राय–एक श्रीभागवत राय, महीपति–एक खदेरू राय–एक
महामुनि राय–इनके 4 पुत्र परमहंस, काशीराय–नावल्द, सेसर राय, मंगला राय। परमहंस–3 पुत्र रमेश, दीनेश व संदीप राय। मंगला–एक भुवनेश्वर राय।
**जगरदेव राय–संसार राय–** 4 पुत्र अच्छुतानन्द, अक्षयकुमार, सीताराम व गनेश राय।
**कीनू राय–** दो पुत्रं अकबर व तेजी राय
अकबर राय– दो पुत्र राम औतार व जयकरन राय–नावल्द
राम औतार– तीन पुत्र गौरीशंकर, रामसकल व बर्खारी राय।
गौरी शंकर– 3 पुत्र सखरज राय, नसीब राय–नावल्द, दिलीप राय।
दिलीप राय– दो पुत्र सुखदेव व हरिनाथ राय–
सुखदेव राय– दो पुत्र कुबेर व विभूति राय। कुबेर राय– एक भीषम राय
विभूति राय– एक भरत राय। हरिनाथ राय–एक वसाऊ राय–एक रविन्दर राय।
रामसकल राय– दो पुत्र हरिप्रसाद व महावीर राय।
हरिप्रसाद राय– एक दशरथ राय–दो पुत्र बृज नरायन व शिवदेव राय
बृजनरायन राय– एक अनिरूद्ध राय।
शिवदेव राय– 3 पुत्र रजेसर, चन्द्रदेव व सीताराम राय।
रजेसर राय– दो श्रीनिवास व भागवत राय–नावल्द
महावीर राय– एक रामनेरश राय। बखोरी राय–एक किशोरी राय–इन



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

तीन पुत्र विक्रमा राय, दलसिंगार राय व सुदामा राय।
सुदामा राय– एक अमरनाथ राय–दो कृष्णानन्द व प्रभाकर राय।
तेजी राय– दो पुत्र रामदेनी राय व चमरू राय।
रामदेनी राय– टूडी राय–दो पुत्र केथारा व लक्ष्मी राय।
केथारा राय– एक विश्वनाथ राय–एक नथुनी राय–एक नन्द कुमार
लक्ष्मी राय– एक शिवगोविन्द राय–नावल्द। चमरू राय–तीन सन्तूराय, रघुनन्दन राय व कालूट राय–नावल्द।
सन्तू राय– एक डपटू राय। रघुनन्दन राय– 5 पुत्र झींगुर राय, भरन राय, गरजन राय, सम्पति व रामजन्म राय।
झींगुर राय– 3 पुत्र कल्ली राय, बचनू व सीरी राय–नावल्द
कल्ली राय– एक कन्हैया राय। भरत राय–एक जादिक राय।

## जगरदेव राय के तीसरे पुत्र बोधराय का कुर्सीनामा (शेरपुर खुर्द)

बोध राय– तीन पुत्र बेनी राय, कौशल राय व गाना राय
बेनी राय– दो पुत्र रामजतन राय व रामरतन राय।
रामजतन राय–एक पुत्र दरसू राय। इनके 5 पुत्र शुभन्त राय, शिवपाल राय, रामनरायन राय, नायिक राय व रामधनी राय–नावल्द।
शुभन्त राय– 3 पुत्र मधुसूदन राय, कुंजबिहारी राय व रामलगन राय।
मधुसूदन राय– दो पुत्र रामरूप राय व रामवरत। रामरूप–एक विन्ध्याचल
कुंजबिहारी राय– दो पुत्र रामचरितर व खगेसर राय– एक फौजदार–नावल्द
रामबरत राय– दो पुत्र शिवबालक व किसुन राय
शिवबालक राय– दो पुत्र महिधर व ईश्वरदयाल राय
महिधर राय– दो पुत्र सूरज व चन्द्रमा राय। दोनों नावल्द।
रामनारायन राय–एक ईश्वरदयाल–एक गुरूप्रसाद–एक केशव प्रसाद–नावल्द
मानिक राय– एक लालू राय–नावल्द
2. रामरतन राय– दो पुत्र शिवसहाय व परगास राय।
शिवसहाय राय– दो पुत्र विसेसर राय व भवानी राय।
विसेसर राय– दो अलख व रिसाल राय–नावल्द
परगास राय– दो कौलेसर व दीनदयाल राय–नावल्द
कौलेसर– एक उग्रह राय–नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

**शेरपुरकलाँ–रामसह राय–एक भागीरथी– 4 भरोसा राय, गंगाराम राय, रामसुन्दर राय व महीपति राय।**

भरोसा राय– 2 पुत्र भृगु राय व शिवहर्ष राय।

भृगु राय– 6 पुत्र शिवसागर, भुवनेश्वर, गुर्जन–नावल्द, शिवपूजन–नावल्द, देवनरायन व रामवृक्ष राय–नावल्द।

देवनरायन राय– 3 पुत्र जगदीश, जगरनाथ, व बैजनाथ राय।

जगदीश राय– 2 पुत्र ओम प्रकाश व अश्वनी कुमार राय

जगरनाथ राय– 2 पुत्र सत्येन्द्र व जितेन्द्र राय।

सत्येन्द्र राय– एक आशुतोष राय

बैजनाथ एक– सुरेश राय– 3 धीरज राय, जलेसर राय व दीपनरायन राय–एक श्री भागवत।

जलेसर– एक रामबचन

**3. रामसुन्दर**– एक रामदास राय–दो देवनरायन व बल्देव राय–नावल्द

दवेनरायन राय– दो कैलाश व रामजी राय।

महीपति राय– एक विश्वनाथ राय–नावल्द

शिवहर्ष राय– एक उजागिर राय–एक कामता राय–एक रघुवर राय–इनके चार पुत्र विजयशंकर, जैठाकुर, नारायन व बल्लू राय।

## (पनापार राय) मुरलीधर राय के दूसरे पुत्र नन्दलाल राय का कुर्सीनामा

नन्दलाल राय– इनके दो पुत्र लोचन राय शेरपुर कलाँ तथा दमरी राय शेरपुर खुर्द में।

लोचन राय– 4 पुत्र दरियाव राय,मूरति राय, विरंज राय व अगुवान राय

दरियाव राय– दो पुत्र भिक्षुक व बलजोर राय।

भिक्षुक राय– रामसरन राय, द्वारिका व जयपत राय।

रामसरन राय– एक पुत्र कालीचरन–इनके 4 पुत्र दुखीराय, लक्ष्मीराय, धरमू राय व रामवरन राय।

दुखी राय– 5 पुत्र राजनरायन राय, जयनारायन राय, शिवनारायन राय बद्रीनारायण राय व देवनारायन राय।

राजनारायन राय– दो पुत्र बैकुन्ठ व नर्वदेश्वर राय।

शिवनारायण राय– दो पुत्र हीरा लाल व जगरनाथ राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बद्रीनारायण राय– एक कामेश्वर राय।
देवनारायण राय– 4 पुत्र बलसेर राय, अभयनारायन, शम्भूनारायण व गोवर्धन।
धरमूराय– दो पुत्र चन्द्रमुनि राय व चन्द्रदेव राय।
चन्द्रमुनि राय– एक कवीन्द्र राय। चन्द्रदेव राय–एक रमाशंकर राय–एक अनिल राय।
रामवरन राय– एक कृपाल नारायण राय– तीन पुत्र रमेश राय, सुरेशराय व दीनेश राय।
द्वारिका राय– एक बृजराज राय–दो गोकुल राय व चन्दर राय।
गोकुल राय– 3 पुत्र रामकरन, रामराज व महातिम राय।
रामकरन राय– 3 पुत्र जगदीश राय, राधाकिसुन, व दीनानाथ राय।
जगदीश राय– दोपुत्र विश्वनाथ व विजय बहादुर राय।
विश्वनाथ राय– एक मृत्युंजय राय। राधाकिसुन–दो रामऔतार व जादक
दीनानाथ राय– एक अखिलेश राय। रामराज राय–एक परमहंस राय– इनके तीन कमलेश, शैलेश व मिथिलेश राय।
रामचन्दर राय– 3 पुत्र घूरा राय, कपिलदेवरायव जमुना राय।
घूरा राय– दो सुरेन्द्रनाथ राय व त्रिभुवन राय।
कपिलदेव राय–एक सचिनन्दर। जमुनाराय– 4 पुत्र गुप्तेश्वर, कन्हैया, छोटे राय व अरविन्द राय।
. जयपत राय– खुदी राय– एक पुत्र हरद्वार राय–इनके 6 पुत्र श्यामलाल, बुझारथ राय, श्रीनाथ राय, देवकी राय व दीपनारायण राय।
श्यामलाल राय– एक बहाल राय– दो पुत्र नगेसर राय व रामरूप राय।
नगेसर राय– दो पुत्र नरायन राय व रामजी राय।
नरायन राय– 3 पुत्र हरिहर राय, श्रीकिसुन राय व अवधेश राय।
हरिहर राय– एक नन्हन। अवधेश राय–दो राजेश व वृजेश राय।
रामरूप राय– 3 पुत्र जोखू राय, त्रिवेनी राय व ब्रह्मा राय।
जोखू राय– चन्द्रबली राय–दो जगन राय व भजन राय।
त्रिवेनी राय– 3 सूर्यबली, मनोज व मुन्नन राय।
ब्रह्मा राय– एक पुत्र सियाराम
सूर्यवंश राय– 3 पुत्र



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

**खुदीराय वकील**– एक रामलक्षन राय–इनके तीन केशव, परमेश्वर व रमेसर राय।
केशव– एक रामइकबाल राय। परमेश्वर राय– एक शैलेन्द्र राय
रमेसर– दो पुत्र छविनाथ व अविनाश राय।
3. **बुझारत राय**– दो पुत्र जोगिन्दर व नगीन्द्र राय–नावल्द
जोगिन्दर राय– एक **वंशनारायण राय** व चन्द्रहांस राय।
वंशनारायण राय– एक सुदर्शन राय–दो चन्दन व विनय कुमार राय।
चन्द्रहांस राय– 3 पुत्र रामनिवास, अजय राय व रविशंकर राय।
रामनिवास– एक नीतेश राय। अजय राय– दो विजय व अंशु।
4. जीनाथ राय– दो पुत्र जयगोपाल व शंकरदयाल राय।
जयगोपाल– एक फतेनारायण– एक जवीता राय–अरविन्द व अनिल राय
शंकरदयाल – 3 पुत्र परमाराय, कुबेर राय व गिरीजा राय–नावल्द
कुबेर राय– एक रविन्द्र नाथ राय–एक मनीष राय।
5. देवकी राय–नावल्द। दीपनारायण–एक शिवकुमार राय–एक रघुवंशराय
2. बलजोर राय– दो पुत्र अनन्त राय–नावल्द व देवनारायणराय।
देवनारायण राय– दो पुत्र माधो राय व सुवरन राय।
माधो राय– दुनिया राय–नावल्द व शिवदास राय–एक बैजनाथ राय
सुवरन राय– दो पुत्र जनकी राय व रघुनन्दन राय–नावल्द।
जानकी राय– 3 पुत्र रामवृक्ष राय–नावल्द, चैगन राय व विन्ध्याचल–नावल्द
चेंगन राय– 6 पुत्र कमच्छा, शिवमुनि, सत्यनारायन, रामदेनी, जगबहादुर व राजाराम राय।

## नन्दलाल राय के दूसरे पुत्र दमरी राय का कुर्सीनामा (शेरपुर खुर्द)

दमरी राय– दो पुत्र धर्मनारायण राय व मेहरबान राय।
धर्मनारयण राय– दो बसनत राय व कृपाराय–दो पुत्र महंग व पूरन राय
महंग राय– एक तिलकधारी राय– दो पुत्र बद्रीराय व दीपन राय–नावल्द
सीताराम राय– तीनपुत्र रामलखन, कालिका व बेनी राय–नावल्द
रामलखन–एक मुखेसर राय। कालिकाराय–दो विन्ध्याचल व कपिलदेवराय
कपिलदेव राय– एक हरिशंकर राय, राजनरायन राय–तीन पुत्र दुनियाराय सिंहासन राय, व शंकरदयाल राय–नावल्द।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

दुनिया राय– दो पुत्र विजयशंकर व अवधबिहारी राय
सिंहासन राय– दो पुत्र सीधेश्वर व गुप्तेश्वर राय।
मेहरबान राय– दो पुत्र बैजू राय व निर्भय राय–दो पुत्र मनोवी राय व शिरतन राय।
मनोवी राय– दो पुत्र भवानी राय व जालिम राय–दो राम चरितर व रामसुभग राय।
भवानी राय–3 पुत्र धर्मसेन राय,अक्षैवर राय व अयोध्या राय। सभी नावल्द
रामसुभग राय–दो पुत्र परमारथ राय–नावल्द,देववरन राय व त्रिभुवन् राय
देववरन राय–शिवदेव व श्यामनारायण राय।
शिवदेव राय– दो पुत्र शिवशंकर व रामअधार राय।
श्याम नारायण– दो पुत्र रमेश चन्द्र व सुरेशचन्द्र राय।
शिवरतन राय– 3 पुत्र जगरनाथ, हिमांचल–नावल्द व रघुनाथ राय।
जगरनाथ राय–3 पुत्र महादेव राय–नावल्द, रामदीन राय व जतनरा–नावल्द
रामदीन राय– एक पुत्र बच्चूराय–नावल्द
रघुनाथ राय– 3 पुत्र सहदेव, वल्देव व महादेव राय–नावल्द
सहदेव राय– दो पुत्र राधा राय व श्रीपति राय।
राधा राय– एक सत्यनारायण राय–इनके 4 पुत्र रामजीत राय, दिनेन्द्रनाथ, रमेन्द्र नाथ व देवेन्द्र नाथ राय।
श्रीपति राय– एक रामगोविन्द–एक हरिश्चन्द्र राय।
वल्देव राय– दो पुत्र ठाकुर राय–नावल्द व श्रीराम राय
श्रीराम राय– एक रामऔतार राय– एक जितेन्द्रनाथ राय
2. मूरति राय– इनके दो पुत्र ढूढन राय व घुरवीन राय।
ढूढ़न राय– एक जगना!रायण राय–एक रामवरत राय–नावल्द
घुरवीन राय– एक पुत्र परताप राय–इनके दो पुत्र बाढ़ी राय व अलगूराय
बाढ़ी राय– एक दुबरी राय–दो पुत्र वशिष्ठ राय व बैजनाथ राय। नावल्द
अलगू राय– एक रामदास राय–एक विभूति राय–नावल्द
3. विरंज राय– इनके 4 पुत्र अरज राय, अचम्भित राय, चतुरी राय–नावल्द व हलवन्त राय।
1. अरज राय– 4 पुत्र रीतू राय, शिववरत, शिवराम राय, व पशुपति राय
शिववरत राय– दो पुत्र जलेसर राय–नावल्द व रामसरूप राय–एक



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

रामजन्म राय–नावल्द।

शिवराज राय– दो पुत्र भूसी राय व उग्रह राय–नावल्द

भूसी राय– एक प्रानपति राय–3 पुत्र चन्द्रदेव, इन्द्रदेव व मनकरन राय।

पशुपति राय– दो गहवर राय व रामजतन राय।

गहवर राय– दो पुत्र बिहारी राय व महादेव राय। दोनों नावल्द।

रामजतन राय– एक तपेसर राय–इनके तीन नैपाल, कामता व हरनारायण

नैपाल राय– एक रामगोविन्द राय–नावल्द

कामता राय– तीन पुत्र रामसेवक राय, रामाधार–नावल्द व रामदेव राय

रामसेवक राय– 4 पुत्र जगरनाथ राय, सुरेश राय, दीनानाथ व सीताराम

रामदेव राय– 4 पुत्र गंगासागर राय व श्रीभगवान राय।

जगरनाथ राय– एक सिद्धनाथ राय। सुरेश राय–एक जयप्रकाश राय

दीनानाथ राय– तीन पुत्र संजय, त्रयवंक व नागेश्वर राय

गंगासागर राय– 6 पुत्र अंजनी राय, आनन्दराय, अरविन्दराय, अरुनराय, दिग्विजय राय, प्रवीणराय बालकिसुन राय।

2. अचम्भित राय– 3 पुत्र विसेसर, रामनारायण–नावल्द व अक्षैवर–नावल्द

विसेसर राय– 5 पुत्र देवीदयाल, संग्रामराय, बेचू, चमन व हरखराय–नावल्द

रामचरित राय– दो पुत्र शिवगोविन्द व रामदेव राय।

शिवगोविन्द राय– 5 पुत्र सुरेन्द्र, महेन्द्र, मुनीन्द्र, सुवास व रामनरेश

रामदेव राय– 4 पुत्र जनार्दन, राजेन्द्र, रविन्द्र व सीताराम

संगम राय– दो पुत्र महावीर राय–नावल्द व रूपनारायणराय–नावल्द

बेचू राय– एक रामनाथ राय–एक श्रीभागवत राय–नावल्द

**(विरंजराय)– हलवन्त राय–** एक देवराज राय–इनके 4 पुत्र शिवसागर, जयमंगज, शिवमंगल व छतरू राय–नावल्द

शिवसागर– दो पुत्र मुसाफिर व भुवनेश्वर राय।

भुवनेश्वरराय–4 पुत्र धर्मराज,रामकिसुन,रामसनेही–नावल्द व गोवर्धन–नावल्द

धर्मराज राय– 3 पुत्र रामकिसुन, झुन्ना व सोनी।

## लोचनराय के चौथे पुत्र अगुवान राय का कुर्सीनामा

**4. अगुवान राय–** एक पुत्र लवंगू राय– एक पुत्र तुलसीराय–इनके दो पुत्र बलदेव राय व श्यामवरन राय।

बल्देव राय– दो रामप्रसाद व रघुपति राय। इनके एक झारखण्डे राय–दो



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सुदिष्ट नारायण व रामायन राय।
सुदिष्ट नारायन राय– एक पुत्र त्रिलोकी राय।
श्यामवरन राय– एक शिवप्रसाद राय–एक गंगाविसुन राय–इनके 4 पुत्र उमाशंकर, रमाशंकर, शिवशंकर–नावल्द व विजयशंकर राय।
उमाशंकर– एक सन्तोष कुमार राय। रमाशंकर राय–दो पुत्र

●

## मुरलीधर राय के तीसरे पुत्र लक्ष्मण राय का कुर्सीनामा (शेरपुर खुर्द)

**लक्ष्मण राय–** 3 पुत्र राजू, अवदान व अवलम्बी राय।
राजू राय– 3 पुत्र हरी राय, रक्षपालराय व शिवगोविन्द राय।
हरी राय– 3 पुत्र रामसहाय राय, दीपा राय व नन्दू राय
नन्दू राय– एक पुत्र वसगित राय। रक्षपाल राय– एक पुत्र रानअभिलाख राय–एक रमेसर राय–इनके दो जंगबहादुर व चन्द्रदेव राय–नावल्द।
शिवगोविन्द राय–एक चितवहाल राय–एक पुत्र धुनबहादुर राय–इनके दो पुत्र जगमोहन व बृजमोहन राय।
जगमोहन राय– दो पुत्र दलेश्वर राय व राजनारायन राय।
दलेश्वर राय–एक बद्रीराय–3 पुत्र धनंजय राय, पंकज राय व नीरज राय
राजनारायण राय– दो पुत्र प्रकाशचन्द्र राय व सिद्धनाथ राय–तीन मनीष, सुधीश व अमित राय।
दीपाराय– दो पुत्र रमाकान्त व शिवटहल राय
रमाकान्त राय– 3 पुत्र रामचरित , रघुवीर व राजकुमार राय।
रामचरित–देवनन्दन, देवकृष्ण व विन्ध्याचल राय।
देवनन्दन–एक पुत्र बिहारी राय–इनके 3 पुत्र बृजेश कुमार, दुर्गेश व सर्वेश
देवकृष्ण राय– 2 पुत्र विपिन बिहारी व कमला राय।
विपिन विहारी राय– 5 पुत्र दीनेश, राकेश, शैलेश, योगेश व सतीश राय
कमला राय– दो पुत्र मनीष व सर्वेश राय।
विन्ध्याचल राय– 4 पुत्र अवधविहारी, रासविहारी, प्रेमविहारी व मुकुटबिहारी
अवधबिहारी–एक प्रवीण राय–। रासबिहारी–2 पुत्र राजेश व सुरेश राय।
**शिवटहल राय–** एक रामदास राय–दो पुत्र रिपुसूदन व सुरेन्द्र राय
सुरेन्द्र राय– 3 पुत्र मिथिलेश, उमेश व अखिलेश राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

## लक्ष्मण राय के दूसरे पुत्र अवदान राय का कुर्सीनामा

**अवदान राय**– इनके दो पुत्र शिहकू राय व सरदार राय
शिहकू राय– 4 पुत्र शिवरतन, नन्हकू राय, रामफल व हरदयाल राय
शिवरतन राय– 4 पुत्र ब्रह्मदेव, विल्लर–नावल्द, शिवराज–नावल्द, रामटहल
ब्रह्मदेव राय– एक राजकिशोर राय। रामटहल–एक गिन्तू राय–एक गनपति राय–एक रामनरेश राय।
नन्हकू राय– एक बालक राय–दो पुत्र नकछेदी राय व चिखुरी राय–नावल्द
नकछेदी राय– एक शिवहरख राय–इनके 3 पुत्र मुक्तेश्वर राय, इन्द्रदेव राय व विश्वनाथ राय–नावल्द।
इन्द्रदेव राय– तीन पुत्र हृदयनारायण, भोलाराय–नावल्द व कमला राय।
हृदयनारायण राय– दो पुत्र रामवदन व दयाशंकर राय।
कमल राय–4 पुत्र हरिकेश, जितेन्द्र, मुनीन्द्र व मिथिलेश राय
**रामफल राय**– दो रामप्रसाद व सुभाव राय।
रामप्रसाद– दो नौबत व कंचन राय
नौबत राय–एक पुत्र पतरू राय–नावल्द
कंचन राय– एक महादेव राय– इनके दो पुत्र रामचन्द्र राय व रामदास राय–नावल्द
रामचन्द्र राय– 4 पुत्र राधाकृष्ण, परमहंस, रामनगीना व जगदीश राय।
राधाकृष्ण राय–तीन पुत्र गिरीजा, गोपाल व पारस राय।
परमहंस राय– दो पुत्र कन्दर्पराय व मयंक राय
रामनगीना राय– 4 पुत्र सुरेन्द्र, उमेश, वीरेन्द्र व अरविन्द राय।
**जगदीश राय**– 3 पुत्र हेमनाथ, ओमप्रकाश व दिनेश राय।
हेमनाथ राय– दो पुत्र नितीश व अभिषेक राय
ओमप्रकाश– दो पुत्र हिमांशु व सुधांशु राय।
**सुभाव राय** (प्रथम)– एक धवल राय– दो बृजनारायण व लालू राय
बृजनारायण राय– रामसागर राय– दो पुत्र राजकुमार व राजकिशोर–नावल्द
राजकुमार– एक रामाधार राय– 3 पुत्र अमरनाथ, किताबू व रामजीत
अमरनाथ– दो पुत्र अवधेश व धनंजय राय।
किताबू राय– एक संजय राय।
रामजी राय– दो पुत्र राघवेन्द्र राय व विशाल राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

**अवदानराय– 2. सरदार राय–** इनके तीन पुत्र श्रीराम राय, शिवदयाल राय व सुभाव राय (द्वितीय)

श्रीराम राय– एक पुत्र बल्देव राय– 3 पुत्र शिपाल राय, रामहित–नावल्द व रामलखन राय–नावल्द।

शिवदयाल राय– एक पुत्र त्रिभुवन राय–एक पुत्र छांगुर राय–2 पुत्र नगेसर राय व गौरीशंकर राय–एक रूपा राय–नावल्द।

नगेसर राय–दो पुत्र मिलेश्वर राय–नावल्द व सुवेदार राय

सुबेदार राय– तीन पुत्र विक्रमा, श्रीपतिराय व रघुपति राय।

श्रीपति राय– दो पुत्र उमाकान्त व संजीव राय।

**सुभाव राय (द्वितीय)–** तीन पुत्र नियुत राय, रामसागर व महातिम राय

नियुत राय– एक पुत्र शिवपूजन राय–एक रामराज राय।

रामसागर राय– दो पुत्र रघुनन्दन व रामकरन राय।

रघुनन्दन राय– एक पुत्र शिवदास राय–3 पुत्र विभूति, शम्भू व कैलाश राय–नावल्द

शम्भू राय– दो पुत्र रामानुज व नेरन्द्र राय।

रामानुज राय– दो पुत्र चन्द्रशेखर व नरायन राय।

नरेन्द्र राय– दो पुत्र आशुतोष राय व अभिषेक राय

रामकरन राय– एक पुत्र केदारराय– 3 पुत्र रविन्द्र, अवधेश व रमेसर राय

रविन्द्र राय–एक पुत्र रामकिसुन राय। अवधेश राय–एक पुत्र आशीष राय

रमेसर राय– दो पुत्र शिवं व मृत्युजंय राय।

## लक्ष्मण राय– तीसरे पुत्र अवलम्बी राय

**अवलम्बी राय–** 3 पुत्र रामबन्धन राय (शेरपुर), निहोर राय, किशोरी राय

रामबन्धन राय–टीमल राय व पदारथ राय।

टीमल राय– एक पुत्र रामचरित राय–दो पुत्र विश्वनाथ व राजनारायण

विश्वनाथ– दो पुत्र श्रीराम व विश्राम राय।

श्रीराम राय–एक पुत्र रामदत्त राय–एक पुत्र पंकज राय।

विश्राम राय– दो पुत्र राजनारायण राय व श्यामनारयण राय।

रामनारायण राय– दो पुत्र कृष्णमुरारी व ओमप्रकाश राय।

श्यामनारायण राय–एक पुत्र नागेन्द्र राय

राजनारायण राय– दो पुत्र कल्पनाथराय व **ऋषेश्वर राय शहीद**



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

कल्पनाथ राय– दो पुत्र रामकृष्ण राय व सियाराम राय।

रामकृष्ण राय– एक पुत्र ओमप्रकाश राय।

ऋषेश्वर राय– एक पुत्र जितेन्द्रनाथ घोष–इनके 4 पुत्र क्रान्ति राय, प्रवीण राय, मनोज राय व सुनील राय।

पदारथ राय– दो पुत्र महादेव राय व गनपति राय–दो जगदीश व महेश्वर

जगदीश राय– एक पुत्र श्रीपति राय–एक पुत्र गिरिजा राय–नावल्द

महेश्वर राय– एक पुत्र गोरख राय–नावल्द

2. निहोरा राय– एक पुत्र अलियार राय–एक पुत्र रामसकल राय–एक दूधनाथ राय।

दूधनाथ राय– दो पुत्र श्रीकृष्ण व जदुनाथ राय।

श्रीकृष्ण राय– तीन पुत्र धीरशमन–नावल्द, हरदेव व लालूराय–नावल्द

हरदेव राय– तीन पुत्र रमाशंकर, जंगबहादुर च बीरबहादुर राय।

जदुनाथ राय– एक प्रेमशंकर राय– 3 पुत्र अखिलेश, कमलेश व राकेश

**किशोरी राय**– इनका परिवार सेमरा तथा अंठाठा में बसा है– इनके 4 पुत्र महावीर, तिलेश्वर, सुमेश्वर व कौलेशर हुये।

महावीर राय– 4 पुत्र नौबत राय, सवारथ राय, बोधी राय व टेंगरीराय हुये

नौबत राय– दो पुत्र घुरहू व कामता राय–नावल्द

घुरहू राय– एक रामयश–इनके चार पुत्र हृदयराय, नागेन्द्र राय, नरेन्द्रराय व छोटू राय।

सवारथ राय– एक पुत्र नन्दगोपाल राय–एक पुत्र लालजी राय(अठाठा)

बोधी राय– एक पुत्र परमानन्द राय–एक पुत्र अर्जुन राय–नावल्द।

टेंगरी राय– 4 पुत्र नवरंग राय, गया राय, गनेश राय व द्वारिका राय।

नवरंग राय–एक पुत्र मधुवन राय– 3 पुत्र विश्वनाथ, पारस और हेमनाथराय

विश्वनाथ राय– एक पुत्र शेषनाथ–दो पुत्र सत्येन्द्र व उपेन्द्र राय

पारसराय– 6 पुत्र रामनाथ, रमाशंकर, विजयशंकर, शिवशंकर, जितेन्द्र व सुरेन्द्र राय।

रामनाथ राय–दो पुत्र अश्वनी राय व मनीष राय।

रमाशंकर राय– दो पुत्र शैलेन्द्र व संदीप राय

जितेन्द्र राय–एक पुत्र शुभं राय

तिलेश्वर राय– दो पुत्र गनपति व हरेश्वर राय। एक चन्द्रमाराय–नावल्द



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गनपति राय– दो पुत्र योगेन्द्र व. रामचन्द्र राय।

**किशोरी राय– 3. सुमेसर राय–** एक पुत्र शिवनाथ राय– एक पुत्र रामदेनी राय–एक पुत्र जयमंगल राय–एक पुत्र सीताराम राय–एक पुत्र चन्द्रधर राय–इनके दो पुत्र विश्राम व उमेश राय।

विश्राम–एक अजीत राय। उमेश–एक मिथिलेश राय।

4. कौलेश्वर राय– दो पुत्र भानू व रामध्यान राय।

भानू राय– दो पुत्र कालिका राय व बालखण्डी राय (अठाठा)

बालखण्डी राय– 5 पुत्र रामलक्षन, शिववचन, विद्यासागर, उमाशंकर व नरेन्द्र राय।

शिववचन– तीन पुत्र मनोज, अजय व अमिताभ राय

विद्यासागर राय– एक पुत्र पंकज राय

रामध्यान राय– 4 पुत्र वंशनारायण राय, शंखपाल राय व कमला राय–नावल्द व सरजू राय–दो सुदामा व गिरिजा राय।

शंखपाल राय– एक ज्वाला राय– एक रामनन्दन–एक भोला राय।

## मुरलीधर राय के चौथे पुत्र निहाला राय का कुर्सीनामा

**निहाला राय–** 3 पुत्र होरिल राय, बुन्देला राय व फुनन राय हुये।

होरिल राय– 3 पुत्र अधारी राय, ऊधो राय व भूपाराय।

1. अधारी राय– 2 पुत्र कतवारु राय व भोरा राय हुये।

कतवारु राय–4 पुत्र कन्हई राय, वेसहन राय, रामदीहल राय व नेवाजराय

कन्हई राय– 3 पुत्र घीनू राय, गजाधरराय व शिवनारायन राय।

घीनू राय– 3 पुत्र रामबन्धन राय, शालिक राय व शिवदत्त राय

रामबन्धन राय– 2 पुत्र घूरहू राय व छक्कन राय।

घूरहू राय– 2 पुत्र जयमंगल राय व सींताराम राय।

जयमंगल राय– दो पुत्र बेचू राय व इश्लोक राय।

बेचू राय– 3 जोखू राय, रामप्रसाद राय व कैलाश राय।

1. जोखू राय– 3 पुत्र जयठाकुर राय, हृदयनारायन व विजय राय हुये

जयठाकुर राय– 2 पुत्र विकास राय व विशाल राय हुये।

हृदयनारायण राय– 3 पुत्र प्रमोद, सतीश व संजय

विजय राय– 2 पुत्र कमलेश व वृजेश



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

2. रामप्रसाद राय– 3 पुत्र अखिलेश, अभव व अजय हुये।

3. कैलाश राय– 2 पुत्र अशोक राय, अरविन्द राय–नावल्द

अशोक राय– आलोक राय व विवेक राय

सीताराम राय–5 पुत्र सर्वदेव राय, चन्द्रकेश, सूरज, शिवूपूजन व कमलाराय

सर्वदेदव राय– एक राजा राय– 3 पुत्र रामचन्द्र, रमेसर व अनिल राय

चन्द्रकेश राय– 3 पुत्र कालीराय, नाथशरंण राय व सीरी राय।

काली राय– दो पुत्र रामाराय व सच्चिता राय।

नाथशरण राय– दो पुत्र अमरनाथ व किरन राय।

सीरी राय– दो राजेन्द्र प्रसाद राय व शैलेन्द्र राय

सूरज राय– एक विक्रमा– 3 पुत्र परसुराम राय परमहंस राय व जईराय

कमला राय– 2 पुत्र माधोराय व दिनेश राय।

2. बेसहन राय– 3 पुत्र शिवगोविन्दराय, अमृत राय व दुखी राय

अमृतराय–एक देवराज राय–एक गोंगा राय–2पुत्र महावीर व अलगू राय

दुखी राय– एक नरसिंह राय– एक रजवन्त राय

रजवन्त राय– एक नौबत राय–दो अन्तूराय़ व समहुत राय।

अन्तू राय– 2 पुत्र गोरखनाथ राय व अमरनाथ राय।

गोरखनाथ राय– दो रामकृष्ण व रामवरन

रामकृष्ण– एक मनीषराय। रामवरन–एक प्रवीण रांय

अमरनाथ राय– एक विशाल राय

समहुत राय– 4 पुत्र विपिन बिहारी–नावल्द, वृजनारायण, पा़रस–नावल्द व रामचीज–नावल्द।

वृजनारायण राय– 4 पुत्र रामआशीष, सुनील, दीनेश व उमांशकर

अलगू राय– एक रामप्रसाद राय।

**कन्हई राय– गजाधर राय–** एक रामचीज राय–3 पुत्र वासदेव–नावल्द, ब्रह्मदेव, योगेन्द्र।

ब्रह्मदेव राय–5 पुत्र मुनेसरराय, भीमसेन–नावल्द, चन्द्रवदन राय, विभूति–नावल्द व रमाशंकर राय–नावल्द।

मुनेसर राय–3 पुत्र केशव राय, रामबली राय व शिवशंकर राय।

केशव राय– आनन्द राय–नावल्द, दूसरी शादी से विश्वजीत राय,

चन्द्रवदन राय– दो पुत्र खोरवा व सिद्धि राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

जगरनाथ राय– विजयबहादुर राय– 2 पुत्र मनोज व सरोज राय। मनोज–एक अभिनव–जयशंकर राय–एक प्रत्यूष कुमार राय।

योगेन्द्र राय– 4 पुत्र जगरनाथ राय, ईश्वरजन राय, सुरेश राय, केदारराय

जगरनाथ राय–4 पुत्र विजय बहादुर, विभव–नावल्द, नरेन्द्र व जयशंकर

ईश्वरजन राय– 4 पुत्र शशिकान्त, रविकान्त, चन्द्रकान्त व सूर्यकान्त राय

शशिकान्त राय– 3 भारतेन्दु व अर्पित राय।

रविकान्त राय– 3 पुत्र निरेन्द्र कुमार, धीरज राय व त्रिनेत्रशंकर राय

चन्द्रकान्त राय– अतुल राय। सूर्यकान्त– एक छोटे राय

शिवनारायन राय– एक पुत्र शिवनन्दन राय–एक महादेव राय–इनके तीन पुत्र इन्द्रदेव राय, इन्द्रजीत राय व विश्वनाथ राय।

इन्द्रदेव राय– 2 पुत्र रामनाथ राय व देवनाथ राय–नावल्द

रामनाथ राय– 2 पुत्र रेखा राय व फतेराय।

इन्द्रजीत राय– 2 पुत्र रामवृक्ष राय–नावल्द व महामुनि राय।

विश्वनाथ राय– 3 पुत्र रामानान्द राय, ईश्वरपति राय व ज्वाला राय।

**कतवारूराय 3. रामदीहल राय–** इनके तीन खेदू राय, खरग राय व सनेही राय।

1. खेदू राय–एक भवर राय–इनके तीन शिवगुलाम–नावल्द, विरनायक–नावल्द, रामलवट।

रामलवट–इनके 4 पुत्र बोधा राय–नावल्द,डालू राय, रामसुन्दर व गयाराय

डालू राय– दो पुत्र शिवदास राय व दुबरी राय।

दुबरी राय– एक बनारसी राय–दो पुत्र कामेश्वर व मेवास राय

रामसुन्दर राय–एक राजमनि राय–दो पुत्र जोखू राय व शम्भू राय

जोखू राय– एक अमरदेव राय।

गया राय–दो विभूति राय व परमाराय–नावल्द

विभूति राय– दो हरद्वार राय व द्वारिका राय

2. खरगराय– दो पुत्र सदकू राय व भरहु राय।

सदकू राय– एक गोवर्धन राय– दो पुत्र बलई राय व लदेर राय।

लदेर राय– रामदीपू राय। भरहु राय– 4 पुत्र गतिराय, देऊ राय, किसुन राय व सरन राय।

गतिराय–दो शंकर राय व सदाफल राय–दो कमच्छा–नावल्द व सिंहासन



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

शंकर राय– एक नग्गू राय।

सिंहासन राय– 3 पुत्र ओम प्रकाश, छोटई व श्री प्रकाश राय

देऊ राय–दो पुत्र बेचू व लालबहादुर राय।

बेचू राय–एक सूरज राय। लालबहादुर राय– दो श्रीराम राय व जंगी राय

किसुन राय– दो बसन्त राय व शीतल राय

बसन्त राय– एक रामचन्दर राय– एक रामनन्दन राय–इनका 3 पुत्र

रमेसर, अवधेश बिहारी व जितेन्द्र राय।

शीतल राय– एक परमा राय– दो पुत्र रामविशाल व नरायन राय–नावल्द

सरनाम राय– दो पुत्र रामाराय व राधा राय

राधा राय– 5 पुत्र सत्यनारायण राय व विक्रमा राय, विभव राय, अवधेश

राय व मंगरू राय।

भोरा राय– दो पुत्र शोभा राय व बक्सू राय।

बक्सू राय– 6 पुत्र तिलक राय, कवलू राय, अविलाख राय, धौताल राय

निर्धन राय, व नानुथं राय। तीन नावल्द।

तिलक राय–तुलसी राय व हरगुन राय।

तुलसी राय– दो पुत्र भवानी राय व गोगा राय

भवानी राय– दो पुत्र दमरी राय व किशोर राय

दमरीं राय– दो पुत्र रामवृक्ष राय व जीउत राय

रामवृक्ष राय– दो पुत्र जयप्रकाशा राय व अवधेश राय।

जीउत राय–एक झब्बन राय। किशोर राय– एक रामराज राय।

कवलू राय–एक टीमल राय–दो पुत्र चरितर राय व जगीराय।

## होरिल राय के तीसरे पुत्र भोपा राय (सेमरा)

भोपा राय– 4 पुत्र बैजू राय, गुलाब राय, रघुराय व शिवलाल राय

बैजू राय– तीन पुत्र अंगद राय, विरंज राय व सुधर राय

अंगद राय– एक अचरज राय–एक मुन्नी राय– इनके दो पुत्र नायक राय

व देवी राय।

नायक राय– दो पुत्र कुल्लू राय व तिलक राय– एक रामधनी राय–नावल्द

देवी राय– 3 पुत्र सम्पति राय, गनपति राय–नावल्द व दशरथ राय–नावल्द

सम्पति राय– एक जदू राय–नावल्द

विरंज राय– 3 पुत्र संघति राय–भोगू राय व वहती राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

संघति राय– दो पुत्र जालिम राय व मौल राय
जालिम राय– 3 पुत्र किसुन राय, नोहर राय व देड़ी राय।
नोहर राय– दो पुत्र हनुमान व भागवत राय।
हनुमान राय– एक रामअधार राय– एक शुभनरायन राय।
रामअधार राय– एक शोभन राय– दो आनन्देश्वर व प्रमोद
भागवत राय– एक फकी राय–नावल्द। देढ़ी राय–एक खेदनराय–नावल्द
मौल राय– तीन पुत्र घनेसर राय, वजीर राय व पिंकू राय। तीनों नावल्द
2. भोगा राय– दो पुत्र शिवदास राय व नौबत राय। दोनों नावल्द।
3. बहती राय– एक नन्हकू राय–एक रामपति राय–इनके दो पुत्र वजागीर राय व घमड़ी राय।
वजागीर राय–एक सरजू राय–नावल्द। घमड़ी राय–एक जमुनाराय–नावल्द
**(बैजू राय)–सुधर राय–** दो पुत्र रामसरन राय व हीरा राय। रामसरन राय–दो पुत्र वरन राय व ईश्वरी राय। वरन राय– 4 पुत्र भीरा राय, बोधन राय, देवनन्दन राय व भृगुनाथ राय।
भीरा राय– दो पुत्र रामराज राय व मुखेसर राय।
रामराज राय–एक कामता राय–नावल्द।
बोधन राय– 3 पुत्र गुप्तेश्वर राय, रामायन राय व रामअनूप राय
रामायन राय– 3 पुत्र कमला राय–नावल्द, हरदेव राय–नावल्द व हृदयनारायन राय–दो पुत्र मनोज राय व ओमनारायण राय।
रामअनूप राय– दो पुत्र राजनारायण राय व नर्वदेश्वर राय
देवनन्दन राय– एक लक्ष्मी राय–नावल्द।
भृगुनाथ राय– दो पुत्र श्रीपति व गुरूप्रसाद राय।
श्रीपति राय– दो पुत्र नगीनाराय व कपिलदेव राय– 3 पुत्र रामजी, नरेन्द्र व जोगिन्दर राय।
नगीना राय–दो पुत्र गणेश व दीनेश राय।
गुरूप्रसाद राय– एक विजय नारायन राय।
2. **ईश्वरी राय–** 3 पुत्र डेगू राय, हरेसरराय व तिलेश्वर राय।
डेगू राय– एक मोहन राय।
हरेसर राय–3 पुत्र उमराव, गया व बालमुकुन्द। तीनों नावल्द।
तिलेश्वर राय– एक मुसाफिर राय– एक मंगला राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

हीरा राय– 3 पुत्र लोकनाथ–नावल्द, दलसिंगार–नावल्द व गूदर राय–
पुत्र कुंवर राय, उदित राय व अमर राय– तीनों नावल्द।

**भोपा राय– 2. गुलाब राय (सेमरा)–** इनके तीन पुत्र चेथारु राय
लालू, लालू राय व शोभा राय।

चेथारु राय– एक वकतवल राय–एक सीताराम राय–इनके 4 पु
शिवपाल, जंगल राय, माधो राय व गोकुल राय।

शिवपाल राय– 2 पुत्र सुमेसर राय व दरबारी राय– दो पुत्र विश्वनाथ
कालिका–नावल्द।

जंगल राय– 3 पुत्र भागीरथी, गीता राय व भोला राय–नावल्द

भागीरथी राय– एक गजाधर राय–एक पारसनाथ राय।

माधो राय–एक ब्रह्मदेव राय–दो पुत्र भगवान सरन व जयगोविन्द राय

भगवान सरन राय– दो अनन्त राय व ओमप्रकाश राय।

**गोकुल राय–** दो किसुनराय–नावल्द व दुखी राय– दो वशिष्ठ राय
रामबहादुर–नावल्द।

वशिष्ठ नरायन राय– एक बृजनारायन राय–एक पप्पू राय।

2. लालू राय– दो पुत्र जगन राय व संसार राय।

जगन राय– 4 पुत्र सवारथ राय, रीगू, मुन्नी व शिवनन्दन राय।

सवारथ राय– दो पुत्र घनराज व शीतलू राय।

घनराज राय– दो पुत्र गुदरी व रामगोविन्द राय। दोनों नावल्द।

शीतलू राय– दो पुत्र श्यामलाल–नावल्द व रामलाल राय– 4 पु
शिवपूजन, सूर्यनाथ, कपिलइदेव राय, व देवमुनि राय। सभी नावल्द।

रीगू राय– 3 पुत्र चरन राय, रामनरेश व रामसकल राय।

रामसकल राय– 5 पुत्र रामवदन राय, श्रीराम राय, जयराम राय, रामवचन
राय व राजा राय।

3. मुन्नीलाल राय– एक नकछेदी राय–नावल्द

4. शिवनन्दन राय– 4 पुत्र रामलगन राय, रामलखन राय, बलिराम
राय–नावल्द, गनेश राय–नावल्द।

रामलगन राय– एक तूफानी राय–एक बेचन राय।

रामलखन राय– 3 पुत्र बद्री राय, कृतारथ राय–नावल्द व नन्दबिहारी राय

नन्दबिहारी राय– 5 पुत्र जगदीश राय, वंशनारायन राय, अयोध्याराय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वृजनारायन राय व उदयनारायन राय।

लालू राय– 2. संसार राय– 6 पुत्र शिवदास, अजनास, वजागीर–नावल्द, महावीर–नावल्द, भीमराय व हनुमान राय।

शिवदास राय– एक हरदेव राय– दो पुत्र देवदत्त राय व किशोर राय।

देवदत्त राय– 2 पुत्र हृदयनारायन व सीताराम राय–दोनों नावल्द।

हृदयनारायन राय– एक बृजबिहारी राय–नावल्द

किशोर राय– 5 पुत्र नौजादिक राय, परमहंसराय,उदयनारायन, विजयबहादुर प्रेमनाथ राय।

अजनास राय– 2 पुत्र तिलेश्वर व जयपाल राय।

तिलेश्वर राय– एक राधाकिसुन–तीन शिवमुनि, रामजी राय व सुरेन्द्र राय

जयपाल राय– 2 पुत्र अम्बिका राय व श्रीराम राय

अम्बिका राय– एक श्रीकिसुन राय। श्रीराम राय–एक नारद राय।

हनुमान राय– एक मूस राय–एक श्रीकान्त राय।

कतवारू राय) 4. नेवाज राय–इनके दो पुत्र खुदीन राय व जम्मनराय

खुदीन राय– दो कोदई राय व गिरधारी राय।

कोदई राय– दो शिवधनी राय व रामधनी राय–नावल्द

शिवधनी राय– दो सर्वजीत व भृगु राय– एक विन्ध्याचल राय–नावल्द

सर्वजीत राय–एक सूरज राय–दो पुत्र सम्पति राय–नावल्द व पोसूराय

पोसू राय– दो पुत्र राजेन्द्रर व बमभोला राय।

गिरधारी राय– एक जग्गू राय– दो पुत्र रामदास व विश्वनाथ राय–नावल्द

रामदास राय– 4 पुत्र रघुनाथ, शिवपूजन, बैजनाथ–नावल्द व भगवान राय–इनके तीन पुत्र गिरजा–नावल्द, सुरेन्द्रनाथ व परमेश्वर राय।

सुरेन्द्र नाथ–एक कमला राय। परमेश्वर–दो त्रिलोकी व कृष्णकान्त राय।

जम्मन राय– दो टेंगरी राय–नावल्द व विदेशी राय– दो शिवनाथ व रामप्रसाद–नावल्द।

रामप्रसाद राय– दो रामलखन व रामसरूप राय–नावल्द

रामलखन राय–एक परगास–तीन पुत्र सुभाष, विजन व कृष्णानन्द राय

## होरिल राय के पुत्र ऊधो राय का कुर्सीनामा

ऊधोराय– दो पुत्र बजरावल राय व नामालूम

बजरावल राय– दो पुत्र दलसिंगार राय व अंजोर राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

दलसिंगार राय– एक धवंकल राय–एक छक्कन राय–एक रामसरूप राय–इनके तीन पुत्र रामदास, नगेसर व नागेन्द्र राय। तीनों नावल्द।
अंजोर राय– 4 पुत्र रामखेलावन, राजू, रघुनन्दन व दुखी राय।
रामखेलावन राय–दो पुत्र सतराम राय व राधिका राय–एक सुखन साव
राजू राय– दो पुत्र छकौड़ी राय व रामचरितर राय
छकौड़ी राय– 3 पुत्र रामचन्द्र, चन्द्रदेव व शिवदेव राय।
चन्द्रदेव राय– दो पुत्र भरत राय व विक्रमा राय।
भरत राय– दो पुत्र गनेश व दिनेश राय।
विक्रमा राय– 4 पुत्र गंगासागर, अश्वनी, संजय कुमार व आनन्द
रामचरितर राय– दो पुत्र चनरपति राय व रघुपति राय–नावल्द
चनरपति राय– 4 पुत्र त्रिवेनी, तारकेश्वर, जयशंकर व अक्षैवर राय
3. रघुनन्दनराय–एक पुत्र मल्लू राय–दो पुत्र भुवनेश्वर व वाजित राय–नावल्द

2. नामालूम राय– एक शिवबन्धन राय–एक कैथा राय–नावल्द

## अधारी राय के दूसरे पुत्र भोरा का कुर्सीनामा

भोरा राय– दो शोभा राय व वक्सू राय।
शोभा राय– दो पुत्र शिवदयाल राय व वरतू राय
शिवदयाल राय– 2 पुत्र **अर्जुन राय व भीमल राय पहलवान**
अर्जुन राय– 3 पुत्र जगेसर राय, प्रयाग राय व वशिष्ठ राय
जगेसर राय– 3 पुत्र सामरथी राय–नावल्द, मथुरा राय व लक्ष्मी राय
मथुरा राय– 3 पुत्र रामरूप राय, रामजी राय व श्रीकृष्ण राय
रामरूप राय– 3 पुत्र सुरेन्द्र, वीरेन्द्र व रविन्द्र राय
रामजी राय– दो पुत्र अशोक राय व सुशील राय।
श्रीकृष्ण राय– 2 पुत्र धनंजय व सोनू राय।
प्रयाग राय– एक हरनारायण राय–तीन रामलाल राय–नावल्द, रामयत्न श्रीराम राय।
श्रीराम राय– 2 पुत्र आनन्दराय व सादन्द राय।
**भीमल राय पहलवान**– दो पुत्र धर्मराज राय व रामलगन राय–
सूखाराय–एक रामकरन राय–नावल्द
सुखा राय– 4 पुत्र वाढ़ राय, वंशनारायन राय–नावल्द, रामजीराय उमांशंकर राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बादू राय–एक शिवनारायन राय– 3 पुत्र अभिषेक, प्रांजलराय, रोहित राय
रामजी राय– दो पुत्र सुशील राय व संजीव राय।
सुशील राय– एक आस्तित्व राय। उमाशंकर–एक संदीप राय।
बरतू राय– 3 पुत्र रामटहल, मुसाफिर व अनाम राय।
रामटहल राय–एक चन्द्रमा राय– 2 पुत्र श्रीपति राय व वालेश्वर राय।
श्रीपति राय– 4 पुत्र रामवदन राय, जगदीश राय, महेश्वर व झूमन राय
रामवदन राय– एक राकेश राय।
जगदीश राय– दो विजयशंकर व बृजेश कुमार।
महेश्वर राय– दो पुत्र रामबचन व गुड्डू राय।
बालेश्वर राय– दो पुत्र लल्लन राय व गौतम राय–एक पुत्र
मुसाफिर राय– दो पुत्र शिवपूजन व मुक्तेश्वर राय
शिवपूजन राय– 3 पुत्र राजेश्वर, सुदेश्वर व सुग्रीव राय।
राजेश्वर राय– एक श्रवन राय।
**(भोरा राय)2. वक्सू राय**–6 पुत्र तिलक राय, कवल, अविलाख राय धौताल राय, निरधन राय–नावल्द व नानुथ राय–नावल्द।
तिलक राय– दो पुत्र तुलसी व हरगुन राय। तुलसी–दो पुत्र भवानी व गंगा राय।
भवानी– दो पुत्र दमरी राय व किशोर राय।
दमरी राय– दो पुत्र रामवृक्ष राय व जीउत राय।
रामवृक्ष राय– दो पुत्र जयप्रकाश व अवधेश राय।
जीउत राय– एक झब्बन राय। किशोर राय–एक रामराज राय।
कवलू राय– एक टीमल राय–दो पुत्र चरितर राय व जंगीराय।
चरितर राय– एक माधोराय– एक कमला राय–3 पुत्र
**धौतल राय– (रेवतीपुर)** – रामरूपन राय–एक महिन्द्र राय- इनके 4 पुत्र सूरज राय, श्रीपति राय, हरदेव राय–नावल्द व गनपति राय।
श्रीपति राय– दो पुत्र मूसन राय व बुधि राय।
बेनीमाधव राय– एक राजनारायन राय– इनके दो पुत्र सौदागर व शिवशंकर राय।
सौदागर राय– दो पुत्र गनेश राय व चन्द्रिका राय।
जीतन राय– तीन पुत्र वंशी राय, राजुकमार राय–नावल्द व सुरूज



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant
राय–तारकेश्वर राय– इनके चार पुत्र परमेश्वर, छित्तेश्वर, राजेश, कल्पनाथ।
वंशी राय– 4 पुत्र जगदम्बा राय, कैलाश राय, गोपाल राय–नावल्द व नारायन राय–नावल्द।
जगदम्बा राय– एक हीरालाल राय–नावल्द
कैलाश राय– दो पुत्र पारसनाथ राय व अक्षैवर राय
पारसनाथ राय– दो अरूण कुमार व पवन कुमार राय
अक्षैवर राय– 2 पुत्र कौशलेश व धीरेन्द्र राय
शिवपाल राय– तीन पुत्र नागर राय, बहादुर राय व झगरू राय
बहादुर राय– दो पुत्र देवनारायन राय व रामकरन राय
देवनरायन राय– एक जमुना राय, रामकरन राय– दो पुत्र बद्री राय व,हृदय नारायन राय।
बद्री राय– 3 पुत्र जयराम राय, श्री किसुन व विभव नारायन राय
जयराम राय– विनोद व अशोक। विनोद–एक विनीत। अशोक–एक शुभं
**हृदयनारायन राय (पाठक)**– दो पुत्र ऋषिकेश राय व अच्छूता राय
झगरू राय–तीन पुत्र इन्दर राय–नावल्द, जोगेन्दर व श्रीपति राय–नावल्द
जोगिन्दर राय– एक कामेश्वर राय–दो पुत्र अपारनाथ व ओमप्रकाश–नावल्द
अपारनाथ– 3 पुत्र सारेधर राय, पंकज–एक अमन राय।
**बुन्देलराय–पुत्र नन्दनराय (शेरपुर खुर्द)**–दो पुत्र हरगोविन्द व घुरपति
हरगोविन्द राय–एक प्रताप राय–एक भवानीराय–इनके 5 पुत्र राधाकिसन–नावल्द, रतन राय, रामलक्षन, इन्दर राय व श्रीकिसुन राय।
रतन राय– 5 पुत्र सूर्यनाथ, राय, चन्द्रदेव राय, धर्मदेव राय, शिवपूजन राय, रामजनम–नावल्द।
रामलक्षन राय–3 पुत्र परमा राय,वासदेव राय व हरंवश राय–तीनों नावल्द
इन्दर राय– एक विश्वनाथ राय। श्रीकिसुन राय– दो विन्ध्याचल व सिंहासन राय–नावल्द।
विन्ध्याचंल राय– एक गुप्तेश्वर राय।
नकछेदी राय–3 पुत्र सिरताज राय, शिवगोपाल राय व श्रीदेव राय
सिरताज राय–दो पुत्र गिरिजा राय–नावल्द व राजकिशोर राय
राजकिशोर राय– 3 पुत्र हरिद्वार राय, रणजीत राय व आनन्द कुमार राय
शिवगोपाल राय– एक पुत्र रमाशंकर राय–3 पुत्र हरिहर राय–नावल्द,



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

द्वारिका राय व सिद्धेश्वर राय।

द्वारिका राय– 3 पुत्र शैवेन्द्र, प्रभातराय व रंजन राय।

डा0 सिद्धेश्वर राय– 2 पुत्र विमलेन्द्र प्रकाश व प्रवीण कुमार राय।

श्रीदेव राय– एक उमाशंकर राय–दो पुत्र कामता राय व रविन्दर राय।

2. घुरपति राय– 4 पुत्र विरजू राय, रामजियावन राय, श्रीराम राय व रामदयाल राय–नावल्द।

विरजू राय– 6 पुत्र नीनुथ राय, रामसरन राय–रामभजन राय, नरायनदत्त, जगेसर राय व रामप्रसाद राय–नावल्द।

नीनुथ राय– एक अलियार राय। रामसरन राय–एक मनकरनराय–दो पुत्र जूठी राय व शिवनायक राय।

जूठी राय– दो पुत्र सकल राय व रामहरेख राय–नावल्द

रामभजन राय– शुभकरन राय– दो पुत्र घमड़ी राय व हरखदेव राय–नावल्द

नरायनदत्त राय– दो पुत्र दूधनाथ व परसीधन राय।

दूधनाथ राय– एक रमेसर राय।

परसीधन राय– दो पुत्र शिवकुमार व राजा राय।

जगेसर राय– 3 पुत्र प्रभू राय, टेंगरी राय व मुकुन्द राय।

प्रभू राय– एक सुखदेव राय (साधू हो गये)

## बुन्देल राय के तीसरे पुत्र देवीदत्त राय (शेरपुर खुर्द)

**देवीदत्त राय–** दो पुत्र लौटू राय व नीलकंठ राय।

लौटू राय– दो पुत्र रामसुन्दर राय व ईश्वरी राय।

रामसुन्दर राय– एक भोजराज राय–दो पुत्र भृगुराय व रामनेवाज

भृगुराय–एक पुत्र राजा राय–इनके दो पुत्र शिवलोचन व लालबहादुर–नावल्द

रामनेवाज राय–एक देवकृष्ण राय– दो मंगलाराय च जमुना राय।

ईश्वरी राय–तीन पुत्र टीमल राय, रामधारी राय व रामलखन राय।

टीमल राय–एक विभूति राय–दो पुत्र बृजराज व रामदास राय।दोनोंनावल्द

रामधारी राय– एक पुत्र राजनारायन राय– एक त्रिभसुवन राय–नावल्द

रामलखन राय–एक पुत्र देऊ राय–दो पुत्र अनुमान राय व रामसरूप राय

हनुमान राय–दो बैजनाथ व जगरनाथ राय–नावल्द

रामसरूप राय– दो सूर्यनाथ राय व चन्द्रिका राय–नावल्द

**नीलकंठ राय–** 4 पुत्र पलटन राय, रोशन राय–नावल्द, रामफल राय व



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

रनमस्त राय।

रामफल राय– दो पुत्र रामखेलावन व पदारथ राय।

पदारथ राय–एक रामदीन राय–2 पुत्र उम्मन राय व महिमा राय

महिमा राय– दो पुत्र घोघू राय व सरजू राय

घोघू राय– 3 पुत्र विन्ध्याचल राय, समुेर राय व कुबेर राय।

सरजू राय– तीनपुत्र अक्षैवर राय, कौलेसर राय व परमेश्वर राय

अक्षैवर राय– एक लल्लन राय–दो रंजन राय व सुनील राय

रंजन राय–एक आकाश राय। सुनील राय–एक पीयूष राय।

परमेश्वर राय–एक दो आनन्द व विचोर राय।

**देवसरन राय**– दो पुत्र बृजमोहन व शिवप्रगास राय

बृजमोहन राय– एक राजेश्वर राय–इनके दो **सच्चितानन्द** राय व कमला राय।

सच्चितानन्द राय– दो पुत्र सतीश व मनोज राय।

सतीश–एक मनीष राय। मनोज–एक आशीष राय

कमला राय– दो पुत्र प्रदीप व सरोज राय।

शिवप्रगास राय– 3 पुत्र बलेसर–नावल्द, नगीना व केदार राय

नगीना राय– तीन पुत्र जयशंकर, कृपाशंकर, वीरेन्द्र राय

केदार राय– एक अंजनी राय।

**शोभा राय (सेमरा)**– 3 पुत्र भंजन राय, प्रभू राय व रामनारायन राय

भंजन राय– 5 पुत्र मथुरा राय, अपरूप राय, महादेव राय, गिरधारी राय–नावल्द व महिम नारायन राय।

मथुरा राय– 3 पुत्र बल्देव राय, परमेश्वर राय–नावल्द, व रमेसर–नावल्द

वल्देव राय– एक मंगला राय। परमहंस राय–एक बलेसर राय–नावल्द

अपरूप राय– 2 पुत्र पृथ्वीपाल व हरपाल राय।

पृथ्वीपाल राय– 4 पुत्र चन्द्रमा राय–नावल्द, रघुनाथ राय, बैजनाथ–नावल्द, व शेषनाथ राय।

शेषनाथ राय– 3 पुत्र वीरेन्द्र, जितेन्द्र व सन्तोष राय।

हरपाल राय– 3 पुत्र रामधनी, विन्ध्याचल व संकठा राय।

रामधनी राय– दो पुत्र चन्द्रहास राय व शिवशंकर राय।

महादेव राय– एक राजकुमार राय–दो पुत्र महेन्द्र व विकाऊ राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

महिम नारायन राय– 3 पुत्र रामचन्द्र, रामलक्षन व वासदेव राय।
रामचन्द्र राय– एक केदार राय। रामलक्षन राय–एक सिंहासन राय–नावल्द
वासदेव राय– 4 पुत्र राजेन्द्र, अभिमन्यु, शिवकुमार व विजेन्द्र राय।
राजेन्द्र राय–दो पुत्र विनोदद व बब्बन राय। अभिमन्यु–एक अनिल राय।
शिवकुमार राय– 3 पुत्र राजेश, विजय व आनन्द राय।
विजेन्द्र राय–एक पुत्र पिन्टू राय।
3. रामनारायन राय– एकपुत्र ढोढा राय–इनके 4 पुत्र अंजुन राय, दशरथ राय–नावल्द, सर्वदेव राय–नावल्द व हरप्रसाद राय–नावल्द।
अंजुन राय– इन्द्रदेव राय व सुरेसर राय।
इन्द्रदेव राय– 3 पुत्र शिवनाथ राय, जयांकर राय व बृजनाथ राय।
शिवनाथ राय– 3 पुत्र जनकदेव, रविन्दर व सच्चितानन्द राय।
सुदेसर राय– दो पुत्र शंकरदयाल व विजयशंकर राय
शंकरदयाल राय– 4 पुत्र अवधेश, हरिहर राय, अमेन्द्र राय, मुन्ना राय
विजयशंकर राय– एक संतोष कुमार राय
हरप्रसाद राय– दो पुत्र विश्वनाथ व उमाशंकर राय।
विश्वनाथ राय– एक विजय बहादुर राय
उमाशंकर राय– एक अशोक कुमार राय।

## भोपा राय के तीसरे पुत्र रघु राय का कुर्सीनामा (सेमरा)

3. रघुराय– तीन पुत्र दुर्गाराय, मोहन राय व जयनाथ राय
दुर्गा राय– दो पुत्र बुझावन राय व अलख राय–नावल्द
बृजमोहन राय– दो पुत्र सहदेव व नैपाल राय।
सहदेव राय– दो पुत्र विभूति राय व शम्भू राय।
शम्भू राय– 4 पुत्र रासबिहारी, रामप्रसाद, शिवबहादुर व पूर्णमासी।
4. शिवलाल राय– इनके तीन पुत्र रामधारी, शिवसरन व रजवन्त राय।
रामधारी राय– दो पुत्र सामरथी व पलकू राय–नावल्द
सामरथी–एक जीता राय–एक विश्वनाथ–दो दीनानाथ व अशोक राय
शिवसरन राय– दो पुत्र हरनाम व कलन्दर राय–नावल्द
हरनाम राय–तीन पुत्र शिवशंकर, वसगित राय व सागरराय–तीनों नावल्द
रजवन्त राय– 3 पुत्र बहाल राय, मनबोध राय–नावल्द व घूरहु राय–नावल्द
बहाल राय– दो पुत्र प्रगास राय व हरद्वार राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

प्रगास राय– दो पुत्र जदू राय व जोखू राय–नावल्द

जदू राय– एक राजपति राय–नावल्द

हरद्वार राय– एक रामनरेश राय–नावल्द

घूरहु राय– 4 पुत्र नगेसर राय, तपेसर राय–नावल्द, मुखेसर राय व महावीर राय।

तपेसर राय– एक लक्ष्मी राय–एक कल्पनाथ राय।

मुखेसर राय– एक विभूति राय– महावीर राय– एक रामवृक्ष राय

## निहाला राय के दूसरे पुत्र बुन्देला राय का कुर्सीनामा

**बुन्देला राय–** इनके तीन पुत्र हुये। रूपनारायण राय, नन्द राय व देवदत्त राय।

**1. रूपनारायण राय–** एक शम्भू राय–एक पुत्र केदार राय–इनके दो पुत्र बुझावन राय व दल्लू राय।

1. दल्लू राय– तीन पुत्र परताप राय, मोहन राय व मौनी राय।

मौनी राय–3 पुत्र लक्ष्मी राय, रामऔतार राय व **रामसुमेर राय पहलवान**

2. रामऔतार राय– तीनपुत्र भोला राय, झूरी राय व बलेसर राय।

1. भोला राय– 4 पुत्र सत्यनारायण राय, हरिनारायण राय व सुदर्शन राय व राजेन्द्र राय–इनका एक मकसूदन राय।

1. सत्यनारायण राय– 3 पुत्र सच्चितानन्द राय, ईश्वरदयाल राय व अभिनाश राय।

सच्चितानन्द राय– दो मुरली राय व सीनू राय।

2. हरिनारायण राय– 3 पुत्र मनोज, सियाराम व हरेराम

सुदर्शन राय– 3 पुत्र सन्तोष, चक्रधारी व पंकज राय।

3. बलेसर राय–एक जनार्दन राय–3पुत्र रमेसर राय, मनोज व उमेश राय

**रामसुमेर राय–** दो पुत्र गजाधर व श्यामनारायण राय।

गजाधर राय– 2 पुत्र चन्द्रशेखर राय व परसुराम राय। चन्द्रशेखर–एक पुत्र श्यामनारायण राय– 3 पुत्र अजय कुमार, संजय कुमार व सुनील कुमार राय।

**बुझावन राय–** दो पुत्र भगत राय व शिवपाल राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

भगत राय– एक पुत्र पराहू राय– इनके दो पुत्र बेनीमाधव व जीवन राय

## निहाला राय के तीसरे पुत्र फून्नन राय का कुर्सीनामा

फून्नन राय– दो पुत्र रूचि राय व हुलांस राय।

1. रूचि राय– तीन पुत्र नायक राय, चेतू राय व नीलू राय।

नायक राय– एक नौरंगं राय–इनके दो पदारथ राय व महिपाल राय

पदारथ राय– दो पुत्र अयोध्या राय व रामनरायन राय।

अयोध्या राय– 3 पुत्र रामटहल राय, जीउत राय व रामलगन राय।

रामटहल राय– दो रामरूप राय व चन्द्रिका राय–नावल्द

जीउत राय– 3 पुत्र लक्ष्मी राय–नावल्द, चतुर्भुजराय, बैजनाथ–इनके दो पुत्र रविन्दर राय व सीरी राय।

रामलगन राय– 3 पुत्र रघुनाथ राय, नगेसर–नावल्द व रामनियादी–नावल्द

रघुनाथ राय– दो पुत्र रामजी राय व श्रीकिसुन राय

**सीलू राय**– दो पुत्र रामकिसुन व साधो राय।

रामकिसुन राय–4 पुत्र निरामय, कंचन–नावल्द, संगमराय व शिवनन्दनराय

संगम राय–एक कपिलदेव राय– दो पुत्र वासदेव राय व दमरी राय–नावल्द

वासदेव राय– एक मुनेसर राय– 5 पुत्र बादू राय, कालिका राय, विक्रमा राय, कमच्छा राय व अम्बिका राय।

शिवनन्दन राय–एक सामू राय– 6 पुत्र पियारी राय, बीजा राय, गाजाराय, जहाँगीर राय, बनारसी राय–नावल्द व ज्ञानचन्द्र राय–नावल्द।

वीजा राय– एक पुत्र रामलक्षन राय–5 पुत्र रामसिगार व शम्भू राय, कृष्णानन्द राय, वशिष्ठ राय व उमाशंकर राय।

रामसिंगार राय– दो पुत्र विजयशंकर व प्रेमशंकर राय

साधोराय– 2 पुत्र रामराज राय व शिवहरख राय

रामराज राय–4 पुत्र महावीर राय, परमारथ राय। महावीर राय–एक त्रिलोकी राय।

परमारथ राय– 5 पुत्र महामुनि राय, विभूति राय, हरदेव राय, हरेसर राय व विलेश्वर राय।

विभूति राय– 4 पुत्र जगरनाथ राय, गोरख राय, कैलाश राय व सुरेन्द्रराय

गोरख राय– 3 पुत्र त्रिवेनी राय, प्रेमराय व रामबली राय।

कैलाश राय– 3 पुत्र शान्तिवर्धन राय, अवधबिहारी राय व प्रमोदशंकर राय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

तिलेश्वर राय– दो पुत्र वीरेन्द्रनाथ व धीरेन्द्र राय––नावल्द

**शिवहरख राय–** दो पुत्र भागी राय व वनवारी राय

भागी राय– 3 पुत्र रामलखन, भोलाराय व सर्वजीत राय

रामलखन राय– दो पुत्र बैजनाथ व वलेसर राय–नावल्द

सर्वजीत राय– एक मंगरू राय।

वनवारी राय– एक विन्देश्वरी राय–नावल्द

**(फुन्नराय, शेरपुर कलाँ)–हुलास राय–** दो पुत्र बालकिसुन व देवीकिसुन

बालकिसुन राय– एक भैरो राय–दो पुत्र नन्हकू राय व गुदरी राय

नन्हकूराय–एक सामवरन राय– दो पुत्र राजित व वाजित राय।

राजितराय– 3 पुत्र रघुनन्दन राय, कामता राय व दुबरी राय।

दुबरी राय– 4 पुत्र हरिहर राय–नावल्द, सुदर्शन, बसन्त व सुवास राय।

सुदर्शन राय–दो पुत्र अरविन्द कुमार व आनन्द कुमार राय–एक किसुनराय

सुवास राय– दो पुत्र अंकित व विवेक राय।

वाजित राय– एक दीपनारायण–एक कृपाशंकर राय–दो पुत्र जयशंकर व विजयशंकर राय।

गुदरी राय–एक बालक राय–एक शिवदहिन राय।

**देवकिसुनराय**–एक जयकिसुन राय–दो पुत्र हित्तू व 'कुलवन्त राय–नावल्द

सिद्धियान राय– 2 पुत्र गोंगाराय व सलवू राय।

गोंगा राय– एक देवपति राय–इनके 4 पुत्र नथुनी राय, दिनेश राय, दीनानाथ राय व अशोक राय।

सलावू राय– 2 पुत्र जोगिन्दर व नागेन्द्र राय।

रामगुलाम राय– एक गंगाराम राय–नावल्द

## पनपार राय के तीसरे पुत्र वंशीधर राय का कुर्सीनामा

**वंशीधर राय–** इनके चार पुत्र वस्ती राय, तरवत राय, रामायन राय व नाम अज्ञात।

**वस्ती राय–** इनके तीन पुत्र सीवन राय, दुखीराय व हंसू राय।

सीवनराय–एक ठाकुर राय–एक दशरथ राय–इनके तीन पुत्र हरगगन राय–नावल्द, राजकिशोर राय व सर्वदेव राय–नावल्द।

राजकिशोर राय– दो पुत्र शिवलाल राय व रामचन्द्र राय।

शिवलाल राय– एक गोवर्धन राय– 2 पुत्र भरत राय व रमेश राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

भरत राय– 2 पुत्र गिरिजेश व बृजेशराय।
रामचन्द्र राय– एक पुत्र जनार्दन राय–2 पुत्र विष्णुदेव व मनोज राय
दुखी राय– 4 पुत्र स्वारथ राय, पदारथ राय, बुझारत राय व डपट राय
स्वारथ राय– एक जूठन राय– एक सोहन राय।
बुझारथ राय– 3 पुत्र प्रगासराय–नावल्द, रामायन राय व गया राय।
पदारथ राय– दो पुत्र महादेव राय–नावल्द व सरन राय–नावल्द
गया राय– एक तपसीराय– 4 पुत्र महेन्द्र राय, राजेन्द्र राय, भगवान राय व दल सिंगार राय।
महेन्द्र राय– 4 पुत्र धर्मराज राय, सुरेश राय, विनोद राय, रविन्दर राय
धर्मराज राय– दो पुत्र इन्द्रजीत राय व भोलू राय।
सुरेश राय– 3 पुत्र विशाल, सनीराय, व पवन राय
2. राजेन्द्र राय–शैलेश राय
3. भगवान राय– 3 पुत्र वीरेन्द्र राय, धीरेन्द्र राय, शिवेन्द्र राय
वीरेन्द्र राय– एक पंकज राय। धीरेन्द्र राय– दो पुत्र आशिष व अकिंत
4. दलसिंगार राय– 2पुत्र मिथिलेश राय व अखिलेश राय
(शे0खुर्द) तुरन्तराय– एक परसन राय– एक डोमन राय
डोमन राय– 3पुत्र उदन राय, शिवसरण राय व भृगुराय
उदन राय– एक महादेवराय– 5 पुत्र शम्भुराय, ओमकार राय हरिहरनाथ राय, विश्वनाथ राय व मामेश्वर राय।
शम्भू राय– 2 पुत्र बलेश्वर राय व राजेश्वर राय।
वालेश्वर राय– एक प्रमोद राय–एक रिन्कू राय।
राजेश्वर राय– एक ओम प्रकाश राय–दो अमित व सुमीत राय।
ओंकारनाथ राय– 3 केदारनाथ, रविन्दर व सिद्धेश्वर राय।
केदारनाथ राय– एक सुभाष राय–एक अमन राय।
रविन्दर राय– 2 पुत्र अरूण राय व प्रवीण राय। अरूण राय–एक सोनू राय।
सिद्धेश्वर राय–एक दीनेश राय। हरिहरनाथ–एक अशोक–एक राहुल
विश्वनाथ राय– 2 पुत्र अविनाश व चन्द्रशेखर।
अविनाश राय– एक मोहितशंकर राय।
चन्द्रशेखर– दो चिरंजी राय व राजीव राय।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

शिवसरन राय– 3 पुत्र विल्लर राय, हरिनन्दन राय व अन्तूराय–नावल्द।
विल्लर राय– 2 पुत्र आदित राय व वासू राय।
हरिनन्दन राय– एक रामगोविन्द राय– 2 पुत्र वासदेव व राजेश्वर राय
वासदेव राय– 3 पुत्र रमाकान्त, सुदामा व श्रीकान्त राय।
रमाकान्त राय– 2 पुत्र रोशन राय व पोषन राय।
सुदामा राय– 2 पुत्र राजेश्वर राय व चन्द्रशेखर राय
राजेश राय–एक श्रीनिवास राय।
रमायन राय– एक पृथ्वीपाल राय–एक महादेव राय।
महादेव राय– 2 पुत्र रघुनाथ व रामनरेश राय।
रघुनाथ राय– 3 पुत्र वशिष्ठ राय, हरदेव राय व सर्वदेव राय।
वशिष्ठ राय– एक महेन्द्र राय– एक पीयूष राय
सर्वदेव राय– एक दुर्गेश राय–एक रोशन राय।
रामनरेश राय– 5 पुत्र हरिनारायन राय, चन्द्रमा राय, जनार्दन राय, मारकन्डे राय व झारखण्डे राय।
हरिनारायन राय– 2 पुत्र धूपनारायन व अरविन्द राय।
अरविन्द राय– एक विभव राय।
चन्द्रमा राय– एक पंचदेव राय– दो पुत्र भुटेली राय़ व गुड्डू राय।
गुड्डू राय– एक पुत्र मिन्टू राय।
जनार्दन राय– 2 पुत्र कमलदेव राय व धर्मदेव राय।
कमलदेव राय– 2 पुत्र बबलू राय व कवलू राय।
मारकन्डे राय– 2 पुत्र नन्दू राय व तारकेश्वर राय।
झारखण्डे राय– एक शिवप्रकाश राय।
**चौथा पुत्र का नाम अज्ञात**– इनका भी एक पुत्र अज्ञात–इनके भी एक पुत्र नाम अज्ञात–इनके एक पुत्र दुर्गाराय।
दुर्गाराय–इनके तीन पुत्र गुनवन्त राय, रजवन्तराय व बलकू राय।
1. गुनवन्त राय राय एक पुत्र नौबत राय–इनके तीन पुत्र बालकिसुन राय, मानू राय, व गतिराय–नावल्द
बालकिसुन राय–एक रामजन्म राय– 2 पुत्र जगदीश राय व चन्द्रिका राय
जगदीशराय–एक विजयशंकर राय–दो पुत्र विनय कुमार व मनजीत राय
चन्द्रिका राय– एक पुत्र कृपाशंकर राय–एक अजित कुमार–एक शुभं।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ानू राय–एक बद्री राय–3 पुत्र रघुनायक राय, इन्द्रदेव राय व विन्ध्याचल
इन्द्रदेव राय–3 पुत्र जशन राय,हृदय राय व गोरख राय।
जशन राय– 4 पुत्र सदानन्द राय, सच्चितानन्द, महन्त व प्रेमराय।
सदानन्द राय–तीन पुत्र विनोद राय, कृष्णाराय व सुनील राय।
हन्तराय– एकआनन्द राय। हृदयनारायन–3 पुत्र रामेश, घनश्याम व
अवधेश राय।
मेश राय– 3 पुत्र पीयूष राय, सुनीता राय व दोमा राय।
नश्याम राय–एक बाबू राय। अवधेशराय –एक विकास राय।
ोरख राय– एक श्रीराम। विन्ध्याचलराय–एक वशिष्ठ नारायन राय
ारकन्डे राय– दो पुत्र अशोक राय व प्रभात राय।
ुरेश राय– 3 पुत्र वृजेश, सत्येन्द्रराय व प्रशान्त राय।
. रजवन्त राय– 4 पुत्र रामलगन, अयोध्या, देवराज व मुहिम राय
ामलगन राय– 3 पुत्र कृतारथ राय, गनेश रायव बेनीमाधव राय–नावल्द
कृतारथ राय– एक हरिवंश राय। गनेश राय–एक राजनारायन राय–इनके
ार पुत्र श्यामनारायन, कृष्णकान्त, शशिकान्त व राजीव राय।
अयोध्या राय– दो रामायन राय व विन्देशरी राय। रामायन–एक
ामप्रसाद–इनका एक सुरेन्द्र–एक कुवेर राय।
कृष्ण कुमार राय– एक गोपाल राय। राकेश राय–एक शुभं राय।
ेवराज राय– दो रामनरेश राय व जंगबहादुर राय–दो मंगला व रामदास
ंगला राय–एक शिवशंकर। रामदास राय–दो शिवजी व श्यामकार्तिक
शिवजी राय– 3 पुत्र आनन्द राय, सन्तोष राय व अनुज राय।
सन्तोष राय– एक कृष्णा राय। अनुज–एक नन्दन राय।
यामकार्तिक राय– दो अमित कुमार व आलोक कुमार राय।
. बलकू राय– 3 पुत्र जयपाल राय, मेघू राय व देवकी राय।
जयपाल राय–दो गोकुलराय–नावल्द व महातिम राय।
महातिम राय– दो पुत्र कामता राय व अच्छुता राय।
कामता राय– दो पुत्र उदयशंकर राय व लल्लन राय।
उदयशंकर राय– 5 पुत्र सुभाष राय, मनोज, राजू, दुर्गेश व विदेह राय।
सुभाष राय– दो गोलू व छोटू राय। राजू–एक रंजन राय
मनोज राय– एक शिवं राय। लल्लन राय–3 पुत्र शैलेश राय, अभिषेक



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran
राय व टीपू राय।

मेघू राय– दो पुत्र दवन राय व महावीर राय–नावल्द

दवन राय– एक लालबहादुर राय–एक दयाशंकर राय–दो मृत्युंजय श्रीतुंजय राय। मृत्युजंय राय–एक लक्की राय।

श्रीवुंजय राय–दो पुत्र विक्की राय व लड्डू राय।

**देवकी राय**– 4 पुत्र परमाराय, मुसाफिर राय, शिवनेहि व शिवमंगल–नावल्द

परमा राय–दो पुत्र शिवदरस व रामवृक्ष राय

शिवदरस राय– दो जयराम राय व वृजाशंकर राय।

जयराम राय–एक रामजी राय–नावल्द। बृजाशंकर–दो श्यामबिहारी घनश्याम।

श्यामबिहारी राय– दो पुत्र आशीष व मनीष राय।

रामवृक्ष राय– दो पुत्र परसुराय व रघुवंश राय।

रघुवंश राय– 3 पुत्र अवधेश, सुशील व प्रवीण राय।

अवधेश–दो आसू व रिसू राय।

सुशील राय– एक मोहित राय।

मुसाफिर राय– दो पुत्र धर्मराज व रामसिंहासन राय।

रामसिंहासन राय– दो पुत्र प्रमोद राय व अंगद राय।

प्रमोद राय– एक अंकित राय।

●



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

# उपसंहार

"पं0 दुल्लह राय शर्मा" की वंशावली तैयार करने की प्रेरणा मुझे काश्यपगोत्रीय (किनवार) वंश के सत्रह गाँव की वंशावली की पुस्तक "ज्ञानचन्द धारा" पढ़ने से मिली। सन 2002 में ही मैंने 'सांकृत गोत्रीय भूमिहार ब्राह्मण का वंश वृक्ष" 2 मीटर कपड़े पर पेन्टर से तैयार कराकर अपने आश्रम पर लगवा दिया था। उसी समय मुझे स्व0 कमला प्रसाद राय पुत्र स्व0 नन्दकिशोर राय द्वारा वंशावली तैयार किया गया रजिस्टर देखने को मिला। उसी रजिस्टर से ही दुल्लह राय बाबा की वंशावली तीनों पट्टी के एक पीढ़ी की तैयार किया गया था। इसवर्ष जुर्लाइ 2007 में मैंने "भूमिहार ब्राह्मण की उत्पत्ति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि" नाम की लघु पुस्तक लिखने का संकल्प किया। स्वामी सहजानन्द सरस्वती की पुस्तक 'ब्रह्मर्षि वंश–विस्तर' का अध्ययन किया। यह पुस्तक बहुत मोटी है जो सर्वसाधारण के पढ़ने के सामर्थ्य के बाहर है। आज के व्यस्तमयजीवन में किसी को इतना समय नहीं है कि कई दिनों तक कोई किताब पढ़े। मैंने उसी पुस्तक की लघु पुस्तिका के रूप में तैयार करने का संकल्प किया। उस सम्बन्ध में मैं कई पुस्तकों को पढ़ा और अन्त में पं0 रामसिंहासन मिश्र वात्स्यायन शेरपुर तथा पं0 चन्द्रभाल राय शर्मा महामंत्री अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासभा से सम्पर्क किया। इन लोगों ने इस पुस्तक को लिखने हेतु मुझे प्रेरित किया।

इसी बीच में मुझे बताया गया कि गहमर गाँव से एक पुस्तक छपी है कि सकरवार भूमिहार ब्राह्मण नहीं सीकरवार क्षत्रिय हैं जो शेरपुर,रेवतीपुर आदि गाँवों में बसे हैं। ये लोग पूरनमल के वंशज हैं जो मूल रूप से क्षत्रिय थे। मैंने उस पुस्तक को पढ़ा तो बड़ी ग्लानि हुई कि कैसे अपने वंश को लोग उच्च दिखाने के लिये दूसरे के वंश का तिरस्कार करते हैं। उस भ्रांति को दूर करने के लिये कान्यकुब्ज ब्राह्मण की शाखा 'सांकृत गोत्रज भूमिहार ब्राह्मण का परिचय नामक एक लघु पुस्तिका तैयार किया। इस सम्बन्ध में दण्डि स्वामी विमलानन्द जी की पुस्तक 'सैनिक शासन तथा धर्माचरण ब्राह्मण' को पढ़ा जिसमें उन्होंने भूमिहार ब्राह्मण का इतिहास तथा सांकृत गोत्रज ब्राह्मण का उद्‌भव का वर्णन किया है। इसी



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

सम्बन्ध में मैंने अपने ही गोत्र के दण्डी स्वामी परमानन्द सरस्वती द्वारा रचित सांकृत गोत्रावली का भी अध्ययन किया। इसी के आधार पर यह पुस्तक तैयार किया हूँ।

पं. दुल्लह राय शर्मा की वंशावली स्व0 कमला प्रसाद राय द्वारा तैयार किये गये रजिस्टर से उतारा हूँ। उस रजिस्टर में मानसिंह राय पट्टी के लक्ष्मण राय घराना ताा जगरदेव राय घराने का कुर्सीनामा नहीं था जिसे शेरपुर खुर्द के श्री हेमनाथ राय पुत्र जगदीश राय जो इसी घराने के हैं तैयार करके मुझे दिया। जगरदेव घराने का जितना विवरण मिल सका नोट किया। स्व0 कमला राय अस्वस्थ होने के कारण परसुराम राय पट्टी का कुर्सीनामा नहीं तैयार कर सके थे। उसके एकत्रित करने का मैंने पूरा प्रयास किया। इस सम्बन्ध में गंगासागर राय (डाक्टर) पुत्र केशव राय, बृजनारायण राय पुत्र ज्ञानचन्द राय, अवधकिशोर राय पुत्र लक्ष्मी राय, वृजनारायण पुत्र हरिनारायण राय चौधरी, गंगा प्रसाद राय पुत्र शेसर राय, गोरख राय पुत्र वनबहाल राय, मधुमंगल राय पुत्र विजय बहादुर राय, डा0 शारदाचरण राय पुत्र सत्यनारायण राय, सुरेन्द्रनाथ राय पुत्र केशव राय तथा अन्य कई व्यक्तियों ने मुझे पूरा सहयोग देकर इस पट्टी की भी वंशावली तैयार कराया फिर भी अभी दो घराने की सूचना नहीं मिल पाई। यदि वह भी मिल जायेगी तो उसे स्मारिका में प्रकाशित कर दिया जायेगा।

इस वंशावली को मैंने अकेले लिखा है। इससे कुछ त्रुटियाँ सम्भव हैं जैसे नाम की गलती, ज्येष्ठता की गलती, कुर्सीनामा की गलती तथा अन्य कई प्रकार अशुद्धियाँ हो सकती हैं। इसके लिये मैं आप सभी से क्षमा चाहता हूँ क्योंकि मानव से त्रुटिया होना स्वाभाविक है।

पूरी वंशावी तैयार करने के पश्चात मेरे मन में दो संकल्प और प्रवेश कर गया। एक दुल्लह राय बाबा की प्रतिमा तैयार कराने का तथा दूसरा इस कुल के कतिपय श्रेष्ठ महापुरुषों का नाम अलग से प्रकाशित करने का है। इस सूची को जनश्रुति के आधार पर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व के आधार पर व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर पूरे कुल की सेवा के लिये तीन भागों में प्रकाशित किया गया है। पहली श्रेणी कुल श्रेष्ठ की है जिसमें पं0 दुल्लह राय बाबा के तीनों पुत्रों को रखा गया है। दूसरी सूची



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

विशिष्ट कुलभूषण की है जिसमें भारतमाता की स्वतंत्रता के लिये अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान के लिये अष्टशहीदों को रखा गया है। नौवां नाम भारत–पाक युद्ध में सन् 1971 में वीरगति को प्राप्त शेरपुर खुर्द के शिवपूजन राय का है। 10, 11, 12, 13, 14 वें क्रम में विशिष्ट भूषण में डा0 तिलेश्वर राय, सीताराम राय, विजयबहादुर राय, हरिनारायण राय चौधरी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये तथा अन्तिम नाम स्व0 महेन्द्र प्रताप राय पुत्र रामनरेश राय का है जिन्होंने 40 वर्ष तक ग्रामप्रधान पद पर रहते हुये इस गाँव को जिला तथा प्रदेश में गौरवान्वित किया था।

तीसरी सूची में "कुलभूषण" से विभूषित महापुरुषों की है जिन्होंने अपने श्रेष्ठ कार्यों से इस कुल को गौरवान्वित किया है। चौथी सूची इस गाँव के "कुल सेवकों" की है जिनके समय, श्रम, विचार तथा आर्थिक सहयोग से यह महान कार्य मैं पूरा करने में समर्थ हुआ हूँ। इसके अतिरिक्त बाबा दुल्लह राय का वचनामृत प्रकाशित है जो उनके वंशजों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

ब्राह्मण का कर्तव्य, हवन विधि, मानसिक पूजा विधि, गायत्री मंत्र सुलभ सन्दर्भ हेतु पुस्तक में अंकित किया गया है जिससे जिज्ञासु इसका भी उपयोग कर सकें।

अन्त में मैं आप सभी लोगों से विनम्र निवेदन करना चाहता हूँ कि ये सभी कार्य मैंने अपने दुल्लह राय' बाबा की पुण्य आत्मा की प्रेरणा से किया है। इस कार्य के लिये जो भी समय, श्रम तथा दान लगा है वह सब प्रभु की कृपा से संभव हुआ है।

"प्रभु की कृपा भयऊ सब काजू
जन्म हमार सुफल भयऊ आजू।।

चन्द्रबली राय
हिरसिंह राय पट्टी
सुलतान राय घराना
शेरपुर।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant



सत्यं माता पिता ज्ञान, धर्मो भ्राता दया सखा।
शांति पत्नी क्षमा पुत्र षैडवे मम बान्धवः।।

अर्थ– इस विश्व में मेरे छः बन्धु बान्धव हैं जिनमें माता सत्य, मेरे पिता ज्ञान, भाई धर्म तथा मेरे मित्र रूप में दया हैं। मेरी पत्नी शान्ति तथा पुत्र क्षमा है। जिनके पास ऐसे बन्धु बान्धव हों उसे इस विश्व में फिर कमी किस बात की हो सकती है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः
सर्वे भद्राणी पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग् भवेत्।।

सभी प्राणी सुखी हों सब नीरोग रहें, सब सुख सौभाग्य देखें, कोई दुःखी न हो।

रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ो चिटकाय।
टूटे से फिर न जुड़े, जुड़े गॉठ पर जाय।।

बिगरी बात बने नहीं लाख करो जिन कोय।
रहिमन फाटे दूध को मथे न माखन होय।।

क्षमा बड़न को चाहिये, छोटन को उत्पात।
का रहीम हरि को घटी, जो भृगुमारी लात।।

दान करो दिल खोलकर मत ना होऊ अधीर।
धर्म करे धन ना घटे, कहि गये दास कबीर।।

कबीरा जब पैदा हुये जग हंसे हम रोय।
ऐसी करनी कर चलो हम हंसे जग रोय।

दो बातन को भूल मत जो चाहे कल्यान।
नारायण एक मौत को, दूजे श्री भगवान्।।

आया है सो जायेगा, राजा रंक फकीर।
एक सिंहासन चढ़ि चले, एक बंधे जंजीर।।

तुलसी इस संसार में मिलिये सबसे धाय।
न जाने किस रूप में नारायण मिल जाय।।

कागा काको धन हरे कोयल काको देत।
मीठा वचन सुनाय के, जग अपना कर लेत।।

पिता माता का सम्मान करो। व्यभिचार मत करो। चोरी मत करो, झूठी गवाही न दो। दूसरे की चीज पर मन न चलाओ। पर उपकार करो। पर निन्दा मत करो, पर स्त्रियों को मां–बहन समझो। प्राणी मात् में दया का भाव रखो। संसार में जो जितना सह सकता है, वह उतना ही महात्मा है।

समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः
समानस्तु वो मनें यथा व' सुसहासंति। ऋ0वेद।

अर्थ– आपका ध्येय समान हो, आपका हृदय समान हो, आप सबके मन समान हों, आपकी संघ संगठन शक्ति उत्तम और शक्तिशाली हो।

●



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

## शेरपुर के जनक पं0 दुल्लह राय शर्मा कुल के महापुरुषों का विवरण जिन्होंने अपने व्यक्तित्व तथा कृतित्व से शेरपुर गाँव को गौर्वान्वित किया है इन्हें "कुल श्रेष्ठ" विशिष्ट कुल भूषण तथा कुल भूषण की उपाधि से विभूषित किया गया है।

इनके पुत्र मानसिंह राय, हिरसिंह राय तथा पौत्र परसुराम को **"कुल श्रेष्ठ"** के सर्वोच्च अलंकरण से विभूषित किया गया है। इन्हीं महापुरुषों ने महान त्याग करके शेरपुर गाँव की कंटकाकीर्ण तथा बीहड़ भूमि को कृषि योग्य बनाकर इस गाँव को बसाया है। अतः हम इनके कुल सेवक इन महापुरुषों को सादर नमन करते हैं।

**सन् 1942 ई0 में मातृभूमि की बलिवेदी पर** अपने को समर्पित करने वाले अष्ट शहीदों तथा कतिपय अन्य महापुरुषों को विशिष्ट कार्य करने के लिये **"विशिष्ट कुल भूषण"** की उपाधि से विभूषित किया गया है इन्होंने "स्वधर्मे निधनं श्रेयः पर धर्म भयावहः" तथा जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" के पवित्र संकल्प को मूर्तरूप दिया है।

**इस कुल** के अन्य महापुरुषों ने इस गाँव तथा वंश की अठारहवीं उन्नीसवीं तथा बीसवीं शदी में अपने परोपकारी कार्यों से सेवा किया है। उन्हें **'कुल भूषण'** की उपाधि से सम्मानित किया गया है। ये सभी विभूतियों के कार्य भावी पीढ़ी के लिये प्रेरणादायक होंगे।

### "विशिष्ट कुल भूषण"

| क्रसं. | नाम | पिता का नाम | पट्टी का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | डा0 शिवपूजन राय | विरनायक राय | परसु राय पट्टी अमरशहीद |
| 2. | ऋषेश्वर राय | राजनारायण राय | मानसिंह राय पट्टी अमरशहीद |
| 3. | नारायणराय | नागेश्वर राय | मानसिंह राय पट्टी अमरशहीद |
| 4. | वंश नारायण राय | योगेन्द्र राय | मानसिंह राय पट्टी अमरशहीद |



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | वशिष्टनारायण राय | रघुपति राय | हिरसिंहराय शे0खुर्द अमरशहीद |
| 6. | वंशनारायण राय | ललिता राय | हिरसिंहराय शे0खुर्द अमरशहीद |
| 7. | राजा राय | उग्रह राय | हिरसिंहराय शे0कलाँ अमरशहीद |
| 8. | रामवदन उपाध्याय | दीपन उपाध्याय | शेरपुर कलाँ, अमरशहीद |
| 9. | शिवपूजन राय | घोंघू राय | शे0खुर्द 1971 में भारत पाक युद्ध में बंगलादेश में वीरगति प्राप्त किये। |
| 10. | डा0 तिलेश्वर राय | परमारथ राय | मानसिंह राय पट्टी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व प्रकाण्ड विद्वान |
| 11. | सीताराम राय | देवमुनि राय | हिरसिंह राय पट्टी, जिन्दा शहीद कहलाये। प्रखर वक्ता थे। |
| 12. | विजय बहादुर राय | जयदेव राय | परसुराम राय पट्टी, प्रचार्य पद पर राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत। |
| 13. | हरिनारायण राय | ज्वालाप्रसाद राय | शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट सेवा। |
| 14. | महेन्द्र प्रसाद राय | रामनरेश राय | 40 वर्षों तक ग्राम प्रधान रहे। |

## कुलभूषण की उपाधि से विभूषित महापुरुष

| क्रसं. | नाम | पिता का नाम | पट्टी का नाम | घराना |
|---|---|---|---|---|
| 1. | तारापति राय | हिरसिंह राय | हिरसिंह राय | सेमरा गाँव |
| 2. | सुलतान राय | " | " | सुलतान राय |
| 3. | रूद्र सिंह राय | " | " | रूद्रसिंह राय |
| 4. | कल्ली राय | " | " | कल्ली राय |
| 5. | चकनारायन राय | जगनारायन राय | " | चकनारायन |



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 6. | हृदय राय (पौहारी बाबा) | सुरजन राय | हिरसिंहराय पट्टी | चकनारायन राय |
| 7. | महादेव राय | अगरधत्त राय | " | रूद्रसिंह राय |
| 8. | बालक राय | रतन राय | " | सुलतान राय |
| 9. | विरंज राय | भगत राय | " | " |
| 10. | रामलक्षन राय पहलवान | शिववरत राय | " | कल्ली राय |
| 11. | कपिलदेव राय मुखिया | सहदेव राय | " | रूद्रसिंह शे0खुर्द |
| 12. | राजनारायण राय | रघुनायक राय | " | " " कलाँ |
| 13. | रामवदन राय | सुखदेव राय | " | सुतलान राय |
| 14. | श्रीमतीरामदुलारी | पत्नी सुखदेव राय | " | " |
| 15. | श्रीकृष्ण राय | हरखदेव राय | " | कल्ली राय |
| 16. | रामलक्षन राय मुख्तार | जगेसर राय | " | कल्ली राय |
| 17. | कमला राय | नन्दकिशोर राय | हिरसिंह राय | रूद्रसिंह राय |
| 19. | रामसह राय | परसुराम राम | परसुराम राय | रामसह राय |
| 19. | गाना राय | " | " | गाना राय |
| 20. | चन्द्रभान राय | " | " | चन्द्रभान राय |
| 21. | मेदनी राय | " | " | मेदनी राय |
| 22. | चौधरी उदवन्तराय | घूरन राय | " | |
| 23. | कलन्दर राय | सुदिष्ट राय | " | |
| 24. | रामबहोर राय | सनेही राय | " | भवानी राय |
| 25. | महातिम राय | ज्ञानचन्द राय | " | " |
| 26. | अयोध्या राय | सवारथ राय | " | रामसह राय |
| 27. | लक्ष्मी राय | रामसुन्दर राय | " | मेदनी राय |
| 28. | महेन्द्र नाथ राय | ब्रह्मदेव राय | " | मेदनी राय |
| 29. | विन्ध्याचल राय | ज्ञानचन्द्र राय | " | चन्द्रभान राय |
| 30. | रामअधार राय | विरोधी राय | " | मेदनी राय |
| 31. | विशेषर राय | दशरथ राय | " | घूरन राय |



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 32. | कालीचरण राय | कलन्दर राय | परसुराम राय | घूरन राय |
| 33. | मोहन राय | रामसह राय | " | रामसह राय |
| 34. | गोविन्द राय | मानसिंह राय | मानसिंह राय | गोविन्द राय |
| 35. | हेमराज राय | गोविन्द राय | " | " |
| 36. | पनपार राय | मानसिंह राय | " | पनयार राय |
| 37. | मुरलीधर राय | पनपार राय | " | " |
| 38. | वंशीधर राय | " | " | " |
| 39. | जगरदेव राय | मुरलीधर राय | " | " |
| 40. | नन्दलाल राय | " | " | " |
| 41. | लक्ष्मण राय | " | " | " |
| 42. | निहाला राय | " | " | " |
| 43. | भोपा राय | होरिल राय | " | भोपा राय |
| 44. | भीमल राय पहलवान | शिवदयाल राय | " | निहाला राय |
| 45. | खुदीराय वकील | जयपत राय | " | " |
| 46. | नागेश्वर राय | बुझारत राय | " | नन्दलाल राय |
| 47. | वीरेश्वर राय वकील | हरगगन राय | " | गोविन्द राय |
| 48. | रामसुमेर राय पहलवान | मौनी राय | " | निहाला राय |
| 49. | इन्द्रेव राय (साहब राय) | जगेसर राय | " | गोविन्द राय |
| 50. | जोखू राय | बेचू राय | " | निहाला राय |
| 51. | हृदय नारायण राय (पाठक) | रामकरन राय | मानसिंह राय | निहाला राय |
| 52. | भोला राय | झूरी राय | " | गोविन्द राय |
| 53. | जगदीश राय | रामकरन राय | " | नन्दलाल राय |
| 54. | देवकृष्ण राय | रामचरित राय | " | लक्ष्मण राय शे० खुर्द |

•



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

## पं0 दुल्लह राय शर्मा के कुल सेवकों का विवरण जिनके आर्थिक सहयोग से प्रतिमा प्रतिस्थापित हुई है

| क्र. | नाम | पिता का नाम | पट्टी का नाम | घराना |
|---|---|---|---|---|
| 1. | हृदयनारायणराय | श्रीभागवतराय | हिरसिंह राय | चकनारायण राय |
| 2. | मुनीन्द्र राय | स्व.केदारनाथराय | " | " |
| 3. | अशोक कुमारराय | रामसिंहासन राय | " | " |
| 4. | अरूण कुमार राय | रमाशंकर राय | " | " |
| 5. | रामचन्द्र राय | कपिलदेव | " | " |
| 6. | चन्द्रमा राय | हरनारायण राय | " | " |
| 7. | श्रीमती धीराराय | पत्नी सीतारामराय | " | " |
| 8. | शशिधर राय | पुत्र श्रीकृष्ण राय | " | कल्ली राय |
| 9. | तारकेश्वर राय | रामचन्द्र राय | " | " |
| 10. | हरिहर राय | रामलक्षन राय | " | " |
| 11. | शत्रुघ्न राय | कैलाशनाथ राय | " | " |
| 12. | कृष्णदेव राय | नन्दकिशोर राय | " | रूद्रसिंह राय |
| 13. | राजनारायण राय | मुन्नी राय | " | " |
| 14. | कपिलदेव राय | सूर्यनाथ राय | " | " |
| 15. | प्रेमशंकर राय | शिवकुमार राय | " | " |
| 16. | कपिलदेव राय | इन्द्रदेव राय | " | सुलतान राय |
| 17. | श्रीमती चन्द्रावती देवी | पत्नी चन्द्रबलीराय | " | " |
| 18. | सन्तोष कु0 राय | पुत्र चन्द्रबली राय | " | " |
| 19. | विनोद कु0 राय | " | " | " |
| 20. | अजय कु0 राय | " | " | " |
| 21. | अशोक कु0 राय | वशिष्ठनारायण राय | " | " |
| 22. | राममोहन राय | ललिता प्रसाद राय | " | " |
| 23. | अनिल कु0 राय | पुरुषोत्तम राय | " | " |
| 24. | डा0 श्रीमती प्रतिभा राय | पत्नी सन्तोष कु0राय | " | " |
| 25. | श्रीमती सीताराय | पुत्री चन्द्रबली राय | " | " |
| 26. | गंगासागर राय | पुत्र रामवदन राय | " | " |
| 27. | रामवचन राय | पुत्र ब्रह्मदेव राय | " | " |
| 28. | उमाशंकर(बाम्बे)राय | शिवमुनि राय | " | " |



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gra

| | | | |
|---|---|---|---|
| 29. ओमनारायण राय | विश्वनाथ राय | " | " |
| 30. शिवमंगल राय | जगदीश राय | " | " |
| 31. रविन्द्रनाथ राय | रामनाथ राय | " | " |
| 32. श्रीकृष्ण राय | विन्ध्याचल राय | " | रूद्रसिंह राय |
| 33. डा0 गंगासागरराय | रामवरन राय | " | " |
| 34. रमेसर राय | वंशनारायण राय | " | " |
| 35. सत्यदेव राय | वृजनारायण राय | " | " |
| 36. डा0 वेंकटेश राय | कपिलदेव राय | " | " शे0खुर्द |
| 37. मधुमंगल राय | विजय बहादुर राय | परसुराम राय | गाना राय |
| 38. डा0ओमप्रकाशराय | हृदयनारायण राय | " | " |
| 39. डा0शारदाचरणराय | सत्यनारायण राय | " | रामसह राय |
| 40. वृजनारायण राय | हरिनारायण राय | " | धूरन राय |
| 41. श्रीमती रामदुलारी | पत्नी अयोध्या राय | " | रामसह राय |
| 42. रामअधार राय | पुत्र द्वारिका राय | " | " |
| 43. अवधकिशोर राय | लक्ष्मी राय | " | मेदनी राय |
| 44. श्रीनारायण राय | महातिम राय | " | गाना राय |
| 45. गंगा प्रसाद राय | विशेषर राय (सेसर) | " | घूरन राय |
| 46. डा0 सुरेन्द्रनाथराय | मारकन्डे राय | " | गाना राय |
| 47. सन्तोष कुमार राय (न्यूटन) | मधुमंगल राय | " | " |
| 48. श्रीमती नीता परमेश्वरी | पत्नी मनोज राय | भाटपार रानी देवरिया जनपद (पुत्री मधुमंगल राय) | |
| 49. सुरेन्द्र नाथ राय | केशव राय | परसुराम राय | मेदनी राय |
| 50. सच्चितानन्द राय | रामअधार राय | " | चन्द्रभान राय |
| 51. अवन्तिका राय | अवधविहारी राय | " | मेदनी राय |
| 52. भवानी राय | हरकिसुन राय | " | चन्द्रभान राय |
| 53. वृजनारायण राय | ज्ञानचन्द्र राय | " | चन्द्रभान राय |
| 54. विश्वनाथ राय | हरिगगन राय | " | मेदनी राय |
| 55. शत्रुघ्न राय | चान्दगोविन्द राय | " | गाना राय |
| 56. अशोक कु0 राय | मधुमंगल राय | " | गाना राय |
| 57. सुरेन्द्र नाथ राय | स्व0 रामनरेश राय | मानसिंहराय | गोविन्द राय |
| 58. जयप्रकाश राय | स्व0 महेन्द्र प्रसादराय | " | " |
| 59. रामजी राय | इन्द्रदेव राय(साहब) | " | " |



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

| | | | |
|---|---|---|---|
| 60. कृपालनारायन राय | कवलपति राय | मानसिंह राय | गोविन्द राय |
| 61. काशीनाथ राय | केदारनाथ राय | " | " |
| 62. रामनगीना राय | महामुनि राय | " | " |
| 63. श्रीमती गौरी देवी | पत्नी शिवनारायणराय | " | " |
| 64. राधाकृष्ण राय | हृदय नारायण राय | " | " |
| 65. सत्येन्द्र नाथ राय | केदार नाथ राय | " | " |
| 66. ईश्वरजन राय | योगेन्द्र राय | " | " |
| 67. उमाशंकर राय | रामस्वरूप राय | " | " |
| 68. श्यामनारायण राय | रामसुमेर राय | " | " |
| 69. सुरेश राय | रामसेवक राय | " | " |
| 70. राजेन्द्र प्रसाद राय | सीरी राय | " | " |
| 71. सुदर्शन राय | अमरशहीद वंशनारायण राय | " | " |
| 72. हृदय नारायण राय | जोखू राय | " | " |
| 73. अवधेश राय शास्त्री | अमरशहीद नारायण राय | " | " |
| 74. जितेन्द्र प्रसाद राय | अमरशहीद ऋषेश्वर राय | " | " |
| 75. ओम प्रकाश राय | भवुनेश्वर राय ✓ | " | " |
| 76. कपिलदेव राय | शिवकुमार राय | " | " |
| 77. रविन्द्र नाथ राय | हरिनारायन राय | " | " |
| 78. रामजी राय | पशुपति राय | " | " |
| 79. श्रीमती कृष्णादेवी | स्व रविन्द्र राय | " | " |
| 80. तुंगनाथ राय | भोला राय | " | " |
| 81. गुप्तेश्वर राय | विन्ध्याचल राय | शेरपुर खुर्द | |
| 82. सच्चितानन्द राय | राजेश्वर राय | " | |
| 83. हेमनाथ राय | जगदीश राय | " | |
| 84. जगरनाथ राय | रामसेवक राय | " | |
| 85. भुवनेश्वर राय | जगत प्रसाद राय | सेमरा | |
| 86. नर्वदेश्वर राय | अनूप राय | " | |
| 87. श्रीमती सुमित्रादेवी | शिवमुनि राय | शेरपुर कलाँ | गोविन्द राय |
| 88. हरिहर राय | दुबरी राय | " | फूनन राय |
| 89. गुप्तेश्वर राय | रघुनन्दन राय | " | गोविन्द राय |



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

# पं० दुल्लह राय शर्मा उत्थान समिति के सदस्यगण

| क्र. | नाम | पिता का नाम | पट्टी का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | हृदय नारायण राय | स्व० श्री भागवत राय | हिरसिंह राय |
| 2. | शशिधर राय | " श्री कृष्णा राय | " |
| 3. | तारकेश्वर राय | " रामचन्द्र राय | " |
| 4. | कृष्णदेव राय | " नन्दकिशोर राय | " |
| 5. | कपिलदेव राय | " सूर्यनाथ राय | " |
| 6. | उमाशंकर राय(बाम्बेराय) | " शिवमुनि राय | " |
| 7. | श्रीकृष्ण राय | " विन्ध्याचल राय | " |
| 8. | डा० वेंकटेश राय | " कपिलदेव राय | " शे० खुर्द |
| 9. | मधुमंगल राय | " विजय बहादुर राय | परसुराम राय पट्टी |
| 10. | अवधकिशोर राय | " लक्ष्मी राय | " |
| 11. | गंगा प्रसाद राय | " विशेसर राय | " |
| 12. | दीनेश राय | " वृजनारायण राय | " |
| 13. | सुरेन्द्रनाथ राय | केशव राय | " |
| 14. | रामअधार राय | द्वारिका राय | " |
| 15. | जयप्रकाश राय | " महेन्द्र प्रसाद राय | मानसिंह राय पट्टी |
| 16. | रामजी राय | " इन्द्रदेव राय | " |
| 17. | काशीनाथ राय | " केदारनाथ राय | " |
| 18. | राधाकृष्ण (साधू) | हृदय नारायण राय | " |
| 19. | सुरेश राय | रामसेवक राय | " |
| 20. | सुदर्शन राय | वंशनारायण राय | " |
| 21. | ओमप्रकाश राय | भुवनेश्वर राय | " |
| 22. | उमाशंकर राय | रामस्वरूप राय | " |
| 23. | तुंगनाथ राय | भोला राय | " |
| 24. | हरिहर राय | दुबरी राय | " |
| 25. | गुप्तेश्वर राय | विन्ध्याचल राय | " शे० खुर्द |
| 26. | हेमनाथ राय | जगदीश राय | " |
| 27. | जगरनाथ राय | रामसेवक राय | " |
| 28. | भुवनेश्वर राय | जगत प्रसाद राय | " सेमरा |
| 29. | नर्वदेश्वर राय | अनूप राय | " |



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

## सम्पादक मण्डल

| | | |
|---|---|---|
| 1. | चन्द्रबली मिश्र सांकृत्यायन | मुख्य सम्पादक |
| 2. | मधुमंगल राय पुत्र विजय बहादुर राय | सह सम्पादक |
| 3. | हृदय नारायण राय पुत्र उग्रह राय | " " |
| 4. | दीनेश राय पुत्र वृजनारायण राय | " " |
| 5. | सुरेन्द्र नाथ राय पुत्र केशव राय | " " |
| 6. | सुदर्शन राय पुत्र वंशनारायण राय | " " |
| 7. | कृष्णदेव राय पुत्र नन्दकिशोर राय | " " |

## संरक्षक मंडल

1. श्री जय प्रकाश राय पुत्र स्व0 महेन्द्र प्रसाद राय
2. डा0 सुरेन्द्रनाथ राय पुत्र स्व0 मारकन्डे राय
3. डा0 शारदाचरण राय पुत्र सत्यनारायण राय
4. हृदयनारायण राय पुत्र स्व0 श्रीभागवत राय
5. डा0 सिद्धेश्वर प्रसाद राय, शेरपुर खुर्द

## कार्यकारिणी के सदस्य

| | | |
|---|---|---|
| 1. | सुदर्शन राय | अध्यक्ष |
| 2. | दीनेश राय चौधरी | उपाध्यक्ष |
| 3. | सुरेन्द्र नाथ राय पुत्र केशव राय | मंत्री |
| 4. | चन्द्रबली मिश्र, सांकृत्यायन | कोषाध्यक्ष एवं संयोजक |
| 5. | ओमप्रकाश राय पुत्र भुवनेश्वर राय | संगठन मंत्री |
| 6. | रामजी राय पुत्र इन्द्रदेव राय | संगठन मंत्री |
| 7. | हेमनाथ राय पुत्र जगदीश राय | संगठन मंत्री |
| 8. | सुरेश राय पुत्र रामसेवक राय | संगठन मंत्री |
| 9. | राधाकृष्ण राय पुत्र हृदय नारायण | प्रचार मंत्री |

●



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

# आत्मानुभूति

**लेखक—चन्द्रबली मिश्र, सांकृत्यायन**

मेरे निकट के कुछ सहयोगियों ने मुझसे अपने अनुभव को लिखने को कहा। मैंने उनसे कह दिया कि मैं कुछ नहीं करता। कोई अदृश्य शक्ति मुझसे ये सब कार्य करा रही है। जिसका मैं केवल अनुभव करता हूँ। अपने बन्धुओं की इच्छा के अनुसार मैं अपने जीवन के अनुभव को लिख रहा हूँ।

मेरा जन्म सन् 1934 में गंगा माता की पवित्र गोदी में बसे शेरपुर गाँव में हुआ। जब मनुष्य का कई जन्मों का पुण्य एकत्रित होता है तो वह गंगा जी की गोदी में पैदा होता है। वह भी काशी क्षेत्र में जन्म लेना और सौभाग्यशाली होता है। इससे भी आगे बढ़कर प्रभु ने मुझे धर्माचरण परिवार में पैदा किया। मैं हिरसिंह राय पट्टी के सुलतान घराने में बालक राय के परिवार में पैदा हुआ। इनके पुत्र रामसवारथ राय एक पुण्यात्मा व्यक्ति थे जो इस गाँव में एक शताब्दी से 'हवलदार साहब' के नाम से जाने जाते हैं। आज भी लोग मुझे उनके नाम से परिचय कराते हैं। वे अपनी ईमानदारी सादगी और सन्त सेवा के लिये विख्यात थे। मैं एक अभावग्रस्त परिवार में पैदा हुआ था। बालक राय बाबा के समय में ही मेरे परिवार के 60 बीघा जमीन परोपकार्थ में नीलाम हो गई थी। परिवार बड़ा था किन्तु भूमि कम थी। जिसके कारण मेरे बाबा एक सवारथ राय पैदल चलकर कलकत्ता नौकरी करने गये और पुलिस में भर्ती हो गये। उस समय 5 रु0 माहवार वेतन मिलता था किन्तु सस्ती इतनी थी कि 1 रु0 में महीने भर भोजन पुलिस मेस में मिलता था। इस गाँव के कई लोग उस समय उनके पास पहुँचते थे और उतनी ही वेतन में सबकी सेवा करते थे। जब मैं पैदा हुआ तब वह सेवा निवृत्त होकर आ गये थे। अपनी अंतिम अवस्था में वह अन्धे हो गये थे। उनकी सेवा करने का मुझे सौभाग्य मिला। उनका आशीर्वाद मुझे भरपूर मिला। बचपन में उन्हीं से मुझे



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

संस्कार मिला। वे साधु सन्तों के यहाँ मुझे साथ लेकर जाते थे और उनसे भी आशीर्वाद मुझे समय समय पर मिला। सन् 1944 में उनका देहान्त हो गया तो मैं बड़ा उदास हुआ। परिवार में बाबा–पोता का बड़ा निकट का सम्बन्ध उस समय होता था जो आज पापा–बेटा का हो गया है। बाबा अब तीसरी सीढ़ी पर चले गये हैं।

मेरी प्राइमरी की शिक्षा अपने गाँव के पश्चिमी प्राइमरी स्कूल से शुरू हुई। कक्षा एक तक वहाँ पढ़ा। उस समय उस स्कूल में मुन्शी ज्वाला प्रसाद लाल हेडमास्टर थे। दैवी प्रकोप से वह एक आंख के हो गये थे। उनका अनुशासन इतना कठोर था कि उनकी मार से बच्चे लघुशंका कर देते थे। एक बार किन्हीं कारणों से मुझे इतनी मार पड़ी कि मैं स्कूल छोड़कर पढ़ना ही बन्द कर दिया था। मेरे ही पट्टी के भाई वंशनारायण राय उस समय 1943 में पूर्वी प्राइमरी पाठशाला में पढ़ाते थे। मैं और मेरे साथी कपिलदेव राय पुत्र सूर्यनाथ राय उसी स्कूल में पढ़ने जाने लगे। वहाँ कक्षा दो तक पढ़ा। वहाँ पढ़ाई कम कसरत ज्यादा कराई जाती थी। पी0टी0, लेजिम, पिरामिड, लाठी भाजना आदि मुख्य कार्यक्रम थे। उम्र में बड़े होने के कारण पिरामिड में मैं और कपिलदेव राय सबसे नीचे रहते थे। हम लोंगों के कन्धे पर तीन फिर दो फिर एक लड़के सवार होते थे। पैर कांपने पर मार पड़ती थी। सन् 1945 में मेरे पर इतनी मार पड़ी कि मैं गाँव छोड़कर सुखंडेहरा अपने ननिहाल चला गया और वहीं नाम लिखाकर कक्षा 4 तक पढ़ा। पढ़ने में अच्छा था परन्तु सुलेख खराब था जिससे मुझे परीक्षा में कम अंक मिलता था। 1947 में देश के स्वराज होने के समय मैं अपने गाँव के मिडिल स्कूल में पढ़ने आया और यहीं से यू0 पी0 बोर्ड द्वारा संचालित मिडिल स्कूल परीक्षा सन् 1950 में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया और अंग्रेजी और गणित में विशेष योग्यता मिली। मैं मिडिल स्कूल पढने के बाद कक्षा 8 में नाम लिखाकर हायर सेकेण्डरी स्कूल भच्छरी में कक्षा 9 में नाम लिखावाया। उस समय उस स्कूल में मेरे साथ परसुराम पट्टी के हृदयनारायण राय व विनय कुमार राय कक्षा 9 और 10 में साथ रहे। शेरपुर से प्रतिदिन हमलोग एक साथ दस किलोमीटर दूर



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

गर्मी, सर्दी तथा बरसात में पढ़ने जाते थे। बाढ़ आने पर तैर करके कुन्डेसर के रास्ते से जाते थे। भच्छटी स्कूल से 1952 की हाईस्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किये और गणित में विशेष योग्यता मिला। इसके बाद गाँव छोड़कर जौनपुर शहर में तिलकधारी कालेज से इण्टर तथा बी0ए0 उत्तीर्ण किये। इन्टर में 4 नम्बर से द्वितीय श्रेणी मिली जबकि संस्कृत में विशेष योग्यता थी। बी0ए0 आगरा विश्वविद्यालय से द्वितीय श्रेणी में करने के पश्चात इलाहाबाद विश्वविद्यालय से भूगोल से द्वितीय श्रेणी में एम0 ए0 फाइनल की डिग्री प्राप्त किये। अभी एम0 ए0 फाइनल में ही थे उसी समय मुझे नियोजन विभाग में सहायक विकास अधिकारी के पद पर नौकरी प्राप्त हो गई जिसको एम0 ए0 उत्तीर्ण करने के पश्चात् स्वीकार किया।

बचपन से ही मुझे अच्छा संस्कार मिला था। सादा जीवन बिताना मुझे पसन्द था। आधुनिक युग के व्यसन, पान, बीड़ी, सिगरेट, शराब, गोश्त, अण्डा, सिनेमा आदि से मैं जीवन भर दूर रहा। मैं 1959 में नौकरी करने गया तो अपना इष्टदेव हनुमानजी को बनाया और उनके ही बल पर बड़े बड़े काम आसानी से पूरा किया। ईमानदारी को मैंने वरण किया जिसके कारण मुझे अनेक प्रकार कष्ट झेलने पड़े। कई बार असामाजिक तत्व मुझे जान से मारने का प्रयास किये परन्तु हनुमान जी की कृपा से मैं बचता गया। सन् 1983 में 25 दिसम्बर को सड़क दुर्घटना में मैं मृत्यु के निकट पहुँच गया परन्तु हनुमानजी ने मुझे अपनी गोदी में उठा लिया और हनुमानगढ़ी अयोध्या अपनी शरण में रखकर दवा कराये। एक माह के पश्चात् पूर्णरूपेण स्वस्थ हो गया। लेकिन उसी समय मेरे जीवन में बहुत बड़ा मोड़ आया। एक तरह से वैराग्य हो गया। मृत्यु को बहुत निकट से देखा था इसलिये। उसी समय मैंने संकल्प लिया कि शेष जीवन मैं प्रभु काज में व्यतीत करूँगा।

सन् 1994 में सेवानिवृत्त होकर जब मैं शेरपुर आया तो यहाँ त्यागी बाबा का सीताराम महायज्ञ हो रहा था। उस यज्ञ में मैं सक्रिय रूप से भाग लिया और मेरा जीवन सीतराम मय हो गया। उसी समय



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
मैंने संकल्प लिया और सीताराम का मन्दिर बनवाकर कई देवताओं की मूर्ति स्थापित कराकर सेवा करने लगा। भौतिक जीवन से दूर सामान्य जीवन जिसमें समस्त छोटा से बड़ा काम अपने स्वयं करने का संकल्प लिया। यह सभी कार्य हनुमान जी अपरोक्ष रूप से मुझसे कराने लगे। मन्दिर पूर्ण जब हुआ तब सीताराम नाम लिखने हेतु हनुमान जी ने प्रेरित किया। अन्तर्राष्ट्रीय सीताराम बैंक, अयोध्या की एक शाखा मन्दिर पर खोला और लोगों के सीताराम नाम लिखने हेतु प्रेरित करे लगा। सन् 1996 जुलाई से अबतक 1900 सदस्य इस बैंक में अबतक हो चुके हैं और साढ़े तेईस करोड़ सीताराम नाम का लेखन हो चुका है। स्वर्गीय महेन्द्र प्रसाद राय पूर्व ग्राम प्रधान 6 वर्षों में एक करोड़ से अधिक सीताराम का लेखन करके इस गाँव को अयोध्या में पूरा सम्मान दिलाया। उन्हें व्यक्तिगत स्वर्ण पदक' सीताराम नाम लिखने को मिला और मुझे सीताराम नाम लिखवाने का स्वर्ण पदक मिला।

मैं इस समय वानप्रस्थ जीवन यापन करता हूँ। सभी कार्य अपने हाथ से करता हूँ। एक एकड़ में बाग लगाया हूँ। उसमें पेड़ों की सेवा ही मेरा मुख्य कार्यकलाप है। प्रातः 4 बजे उठकर पूजा पाठ करके 6 बजे तक खालीहोकर पेड़ों की सेवा तथा सीताराम लिखने में पूरा दिन व्यतीत करता हूँ।

शेरपुर गाँव की वंशावली लिखने तथा दुल्लह राय बाबा की प्रतिमा लगाने का संकल्प मुझे एकाएक लेना पड़ा। मैं परेशान हो गया। इतना बड़ा काम अकेले कैसे कर सकूँगा। इस कार्य में समय तथा धन दोनों ज़्यादा लगेगा परन्तु वह सदृश्य शक्ति जो मुझे ऐसा करने को प्रेरणा दे रही हैं उसने सभी काम सुलभ कर दिया। इस गाँव में निःस्वार्थी लोगों की कमी नहीं है केवल उनकी भावना को जगाना है। इस कार्य को मैंने हनुमान जी को सौंप दिया मैं तो केवल माध्यम हूँ कराने वाली शक्ति कोई दूसरी है इस कार्य में मेरे साथ भाई राधाकृष्ण राय (साधू) का भरपूर समय व श्रम दान मिला। मेरी भावना को लोगों तक इन्होंने ही पहुँचाया। आज



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

दुल्लह राय बाबा की भव्य प्रतिमा भी बन गई है और 'सांकृति-सुधा' नाम की पुस्तक भी प्रकाशित हो रही है। जिससे शेरपुर गाँव की वंशावली के साथ महापुरुषों का कृतित्व भी हम सबके सामने प्रेरणा दायक है। यह सभी महान कार्य प्रभु की इस प्रतिज्ञा से ही पूरा हो सका है–

1. मेरे मार्ग पर पैर रखकर तो देख ।

तेरे सब मार्ग न खोल दूँ तो कहना।।

2. मेरे लिये खर्च करके तो देख

कुबेर के भण्डार न खोल दूँ तो कहना।

3. मेरे लिये कंड़वे वचन सुनकर तो देख

कृपा न बरसे तो कहना।

4. मेरी बात लोगों से करके तों देख

मूल्यवान न बना दूँ तो कहना।

5. मेरे लिये कुछ बनाकर तो देख।

तुझे कीमती न बना दूँ तो कहना।

6. तू मेरा बनकर तो देख।

हर एक को तेरा न बना दूँ तो कहना।।

।। जय श्रीराम, जय बजरंगबली।।



RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Gran

: कम्प्यूटर साज-सज्जा :
श्रीलक्ष्मी कम्प्यूटर्स, शिवपुर वाराणसी, मो0: 9335648298

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grar

ajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgao

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Pa Guru Math, Shivala, Varanasi Collection. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon